मंगलवार, 3 जून 2025

मौसम

तापमान 28 – 38
आर्द्रता 62%
सूर्योदय: 4:52 सूर्यास्त: 18:12

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

www.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष अष्टमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

आईपीएल ट्रॉफी का 18 साल का इंतजार खत्म करने उतरेंगे बेंगलुरु और पंजाब– पृष्ठ 8

JAISWAL INDUSTRIAL PARK PHASE I & II

COMPLETE COMMERCIAL PLOTS AVAILABLE WITH FILLING AND BOUNDARY

JUST 3 MINS FROM DANKUNI HOUSING

CALL: 7003982830 email: udgeethdevelopers@gmail.com

DIVYANSH JAISWAL

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

भारत के विमानन क्षेत्र में निवेश के बेहतरीन अवसर: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को वैश्विक कंपनियों को देश के तेजी से बढ़ते विमानन क्षेत्र में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि व्यवस्थित नियामकीय ढांचे, अनुपालन में सुगमता और सरल कर ढांचे के साथ भारत का तेजी से बढ़ता विमानन क्षेत्र अग्रणी वैश्विक कंपनियों के लिए बेहतर निवेश अवसर प्रदान करता है। प्रधानमंत्री ने उभरते क्षेत्र रखरखाव और मरम्मत (एमआरओ) का जिक्र करते हुए कहा कि भारत विमान रखरखाव के लिए वैश्विक केंद्र बनने के प्रयासों में तेजी ला रहा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) की 81वीं वार्षिक आम बैठक और विश्व हवाई परिवहन शिखर सम्मेलन (डब्ल्यूएटीएस) के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 में भारत में 96 एमआरओ सुविधाएं थीं, जो अब बढ़कर 154 हो गई हैं। इसके अलावा स्वत: मंजूर मार्ग के तहत 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी और कर को युक्तिसंगत बनाने के उपायों ने एमआरओ क्षेत्र को नई गति दी है। मोदी ने यह भी कहा कि देश का लक्ष्य 2030 तक मरम्मत और रखरखाव क्षेत्र का आकार बढ़ाकर चार अरब डॉलर करने का है। उन्होंने कहा, ''नया भारतीय विमान अधिनियम वैश्विक सर्वोत्तम गतिविधियों के अनुरूप है। इसके साथ एक सुव्यवस्थित नियामकीय

ढांचा, अनुपालन में सुगमता और सरल कर व्यवस्था है। यह सब प्रमुख अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश अवसर का प्रदान करता है।'' प्रधानमंत्री ने पिछले चार दशक में देश में हुए परिवर्तनकारी बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि आज का भारत पहले से कहीं अधिक आत्मविश्वास से भरा हुआ है। उन्होंने वैश्विक विमानन परिवेश में भारत की बढ़ती भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा, ''वैश्विक विमानन परिवेश में भारत न केवल एक विशाल बाजार है, बल्कि नीति, नेतृत्व, नवोन्मेष और समावेशी विकास का प्रतीक भी हैं।'' मोदी ने कहा, ''आज, भारत अंतरिक्ष-विमानन के क्षेत्र में एक वैश्विक अगुवा के रूप में उभर रहा है। नागर विमानन क्षेत्र ने पिछले एक दशक में ऐतिहासिक प्रगति देखी है, जिसे हर जगह स्वीकार किया जा रहा है।'' प्रधानमंत्री ने भारत के विमानन क्षेत्र को आगे बढ़ाने वाले तीन बुनियादी स्तंभों का जिक्र किया। एक विशाल बाजार, जो केवल उपभोक्ताओं का समूह नहीं, बल्कि भारत के महत्वाकांक्षी समाज का प्रतिबिंब है, एक मजबूत जनसांख्यिकी और प्रतिभा, जहां युवा नवोन्मेषक कृत्रिम मेधा, रोबोटिक्स और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी सफलताएं हासिल कर रहे हैं और एक खुला तथा सहायक नीति परिवेश, जो औद्योगिक विकास को सक्षम बनाता है। उन्होंने कहा, ''भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन गया है।'' मोदी ने उड़ान योजना की सफलता का उल्लेख किया और इसे भारतीय नागर विमानन इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस पहल के तहत 1.5 करोड़ से अधिक यात्रियों को किफायती हवाई यात्रा का लाभ मिला है। इससे कई नागरिक पहली बार उड़ान भरने में सक्षम हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत की एयरलाइंस लगातार दहाई अंक की वृद्धि हासिल कर रही हैं। सालाना 24 करोड़ यात्री उड़ान भर रहे हैं, जो दुनिया भर के ज्यादातर देशों की कुल आबादी से अधिक है। वर्ष 2030 तक यह संख्या 50 करोड़ यात्रियों तक पहुंचने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में देश में 74 हवाई अड्डे परिचालन में थे, जो अब बढ़कर 162 हो गये हैं। भारतीय विमानन कंपनियों ने 2,000 से अधिक नये विमानों के ऑर्डर दिये हैं, जो इस क्षेत्र में तेजी से विकास का संकेत है।

विदेश से लौटने पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री मोदी से करेगा मुलाकात

विदेश से लौटने पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करने की संभावना है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि विभिन्न देशों की यात्रा पर गए सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल मंगलवार से लौटना शुरू करेंगे और वे मोदी के साथ बातचीत करने से पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात करेंगे। सूत्रों ने बताया कि जयशंकर प्रतिनिधिमंडल से अलग-अलग मिल सकते हैं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी के उनसे एकसाथ मिलने की संभावना है। पूर्व राजनयिकों के अलावा विभिन्न राजनीतिक दलों के लगभग 50 सदस्य पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद, पाकिस्तान के साथ हुए सैन्य संघर्ष को लेकर भारत के रुख से अवगत कराने के लिए 33 देशों की राजधानियों और यूरोपीय संघ (ईयू) की अपनी यात्राओं के अंतिम चरण में हैं।

डिजिटल अरेस्ट मामले में ईडी ने 60 पन्नों की चार्जशीट की दाखिल, चार्जशीट में 13 लोगों के नाम

ईडी का दावा, 1500 करोड़ रुपये का हुआ गबन

कोलकाता, समाज्ञा : डिजिटल अरेस्ट मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने चार्जशीट दाखिल की है। यह चार्जशीट सोमवार को कोलकाता के बैंकशाल कोर्ट स्थित ईडी की विशेष अदालत में पेश की गई। कोलकाता की घटना की जांच में पेश की गई 60 पन्नों की चार्जशीट में कहा गया है कि डिजिटल अरेस्ट की धमकी देकर सरगना ने 1500 करोड़ रुपये का गबन किया है। चार्जशीट में चिराग कपूर और योगेश दुआर नाम के दो लोगों के नाम हैं। चार्जशीट में उनकी एक कंपनी का नाम भी उल्लेख है। चार्जशीट में कहा गया है कि ये दोनों लोग इस गिरोह के मास्टरमाइंड हैं। यह धोखाधड़ी गिरोह दुबई से संचालित हो रहा था। दोनों आरोपियों के 300 बैंक खातों की लोकेशन मिली है। पता चला है कि कुल 1500 करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ है। चार्जशीट में ईडी ने कहा कि अब तक सरगना की 10 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। चार्जशीट में 350 सिम कार्ड का जिक्र किया गया है। बताया गया है कि इन सिम कार्ड के जरिए इंटरनेशनल रोमिंग के जरिए धोखाधड़ी की जा रही थी। चार्जशीट में 13 लोगों के नाम हैं। कई बार जालसाज फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर आम लोगों को फोन करते थे। अपनी साख बनाने के लिए वे पुलिस की वर्दी पहनकर उन्हें डराते थे। कई बार फोन के दूसरी तरफ से लगातार धमकी देते थे कि पार्सल में अवैध सामान है। वे कहते थे कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। लगातार वीडियो कॉल में जब वे लोग टूट जाते थे, तो उनकी असलियत सामने आ जाती थी। वे पैसे लेकर समझौता करने का वादा करके नया जाल बिछाते थे। फिर, वे फोन के दूसरी तरफ से कार्ड नंबर और ओटीपी मांगते थे। यह मिलते ही उन लोगों के बैंक खाते खाली हो जाते थे।

अब भी 6,181 करोड़ रुपये मूल्य के 2000 रुपये के नोट प्रचलन में: आरबीआई

मुंबई : भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 2000 रुपये के नोट बंद करने के दो साल बाद भी इसके 6,181 करोड़ रुपये मूल्य के नोट अब भी प्रचलन में हैं। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी मिली। ये 2000 रुपये के नोट अब भी वैध मुद्रा हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2000 रुपये के बैंक नोट को प्रचलन से वापस लेने की 19 मई 2023 को घोषणा की थी। आरबीआई ने बयान में कहा, 19 मई 2023 को कारोबार बंद होने पर 2000 रुपये के प्रचलन में रहे नोट का कुल मूल्य 3.56 लाख करोड़ रुपये था जो 31 मई 2025 को कारोबार बंद होने पर घटकर 6,181 करोड़ रुपये रह गया। केंद्रीय बैंक ने कहा, '' इस प्रकार 19 मई 2023 तक प्रचलन में रहे 2000 रुपये के 98.26 प्रतिशत बैंक नोट वापस आ चुके हैं।''

यूपीआई लेनदेन मई में 25.14 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर

नयी दिल्ली : एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये लेनदेन मई में 25.14 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा इससे पिछले महीने की तुलना में पांच प्रतिशत अधिक है। राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने सोमवार को यह कहा। अप्रैल में यूपीआई लेनदेन का मूल्य 23.94 लाख करोड़ रुपये था। मात्रा के लिहाज से बात करें तो मई में 1,867.7 करोड़ लेनदेन किए गए, जबकि इससे पिछले महीने 1,789.3 करोड़ लेनदेन हुए थे। एनपीसीआई ने कहा कि लेनदेन का मूल्य मई में 25.14 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 20.44 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह सालाना आधार पर 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

गर्भपात चाहने वाली बलात्कार पीड़िताओं से पहचान पत्र मांगने पर जोर न दें अस्पताल : अदालत

नयी दिल्ली : दिल्ली उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी के अस्पतालों से कहा है कि वे अदालतों के आदेश पर गर्भपात कराने की मांग करने वाली बलात्कार पीड़िताओं से पहचान पत्र मांगने से बचें। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने ऐसी पीड़िताओं, विशेषकर नाबालिगों के लिए ''स्पष्ट, व्यावहारिक और संवेदनशील'' चिकित्सा प्रोटोकॉल की महती आवश्यकता पर भी बल दिया। अदालत ने कहा कि प्रक्रियाओं में स्पष्टता का अभाव, पहचान दस्तावेजों पर जोर तथा अल्ट्रासाउंड जैसी आवश्यक चिकित्सा जांच में देरी ने इस मामले में पीड़िता की परेशानी को और बढ़ा दिया है। उच्च न्यायालय ने 29 मई को कहा, ''अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों को इस तथ्य के प्रति संवेदनशील बनाया जाना चाहिए कि यौन उत्पीड़न की पीड़िताओं, विशेषकर नाबालिग लड़कियों से जुड़े मामलों में अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है।''

जेईई-एडवांस्ड : रजित गुप्ता ने आईआईटी प्रवेश परीक्षा में किया टॉप

देवदत्ता माझी बनीं महिला टॉपर

पुरुष टॉपर (AIR-1)

महिला टॉपर (AIR-16)

नयी दिल्ली : दिल्ली जोन के रजित गुप्ता ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस में शीर्ष रैंक हासिल किया है। इस इम्तिहान के परिणाम सोमवार को घोषित किए गए। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई)-एडवांस्ड के लिए इस बार आयोजन करने वाले संस्थान आईआईटी कानपुर के अधिकारियों के अनुसार 18 मई को आयोजित जेईई (एडवांस्ड) में पेपर एक और दो दोनों में कुल 1,80,422 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। उन्होंने कहा, परीक्षा में 54,378 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं। कुल उत्तीर्ण अभ्यर्थियों में से 9404 छात्राएं हैं। कोटा निवासी रजित गुप्ता ने 360 में से 332 अंक प्राप्त कर कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल) में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। आईआईटी खड़गपुर जोन की देवदत्ता माझी शीर्ष रैंक हासिल करने वाली महिला अभ्यर्थी हैं। उन्होंने 360 में से 312 अंक तथा सीआरएल में 16वां स्थान प्राप्त किया। जेईई-मेन देश भर के इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए ली जाने वाली परीक्षा है और यह जेईई-एडवांस्ड के लिए पात्रता परीक्षा है। कुल 116 विदेशी अभ्यर्थी भी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 13 उत्तीर्ण हुए। शीर्ष 100 अभ्यर्थी में से 31-31 मुंबई और दिल्ली जोन से हैं जबकि 23 आईआईटी हैदराबाद जोन से हैं। कानपुर जोन से शीर्ष 100 में चार अभ्यर्थी, खड़गपुर से पांच और रुड़की से छह अभ्यर्थी हैं। रैंक लिस्ट में शामिल होने के नियम समझाते हुए अधिकारी ने कहा, रैंक सूची में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को विषयवार और कुल योग्यता अंकों को पूरा करना होगा।

भारत को एस-400 मिसाइल प्रणाली की बाकी इकाइयां 2026 तक मिल जाएंगी : रूस

नयी दिल्ली : रूस 2025-2026 तक भारत को एस-400 वायु रक्षा प्रणाली की बाकी इकाइयां देने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत में रूसी दूतावास के उप प्रमुख रोमन बाबुश्किन ने सोमवार को यह जानकारी दी। बाबुश्किन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि पहलगाम आतंकवादी हमले और उसके जवाब में चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच छिड़े सैन्य संघर्ष में एस-400 मिसाइल प्रणाली ने बेहद प्रभावी ढंग से काम किया। बाबुश्किन ने वायु रक्षा और ड्रोन रोधी प्रणालियों के क्षेत्र में भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के संकेत भी दिए। उन्होंने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, हमने सुना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए संघर्ष के दौरान एस-400 ने बहुत ही प्रभावी ढंग से काम किया। हमारे बीच सहयोग का एक लंबा इतिहास रहा है। यूरोप और यहां की स्थिति के मद्देनजर, हम महसूस कर रहे हैं कि वायु रक्षा प्रणाली सामान्य रूप से रक्षा तैयारी में हमारी साझेदारी के सबसे आशाजनक पहलुओं में से एक है।

ओबीसी सूची में 76 नई जातियां शामिल, आरक्षण नियम और फरक्का महकमा की मंजूरी

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य मंत्रिमंडल की हालिया बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से जुड़ी कई अहम घोषणाएं की गई हैं। बैठक में 76 नई अन्य पिछड़ा वर्ग की जातियों को सरकारी सूची में शामिल किया गया, जिससे इस वर्ग की कुल संख्या दोगुनी से भी अधिक बढ़कर 140 हो गई है। इससे पहले सूची में 66 जातियाँ थीं, लेकिन हाल ही में हुए सर्वेक्षण के बाद दो जातियों को अस्थायी रूप से सूची से हटा दिया गया है, जिन पर आगे और अध्ययन किया जाएगा। इस बदलाव के साथ ओबीसी वर्ग का प्रतिशत 7% से बढ़कर 17% हो गया है। राज्य सरकार ओबीसी आरक्षण के लिए नए नियम लागू करने जा रही है, जिनका मसौदा अंतिम रूप दे दिया गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सहमति के बाद इसे सोमवार को मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी मिली। आगामी विधानसभा सत्र, जो 9 जून से शुरू होगा, में यह नया आरक्षण नियम बिल के रूप में पेश किया जाएगा। यह कदम सामाजिक न्याय और पिछड़े वर्गों के उत्थान की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मंत्रिमंडल ने मुर्शिदाबाद जिले के फरक्का को एक अलग महकमा बनाने की भी मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इससे पहले ही फरक्का महकमा बनने की घोषणा कर दी थी, और अब इसे आधिकारिक रूप से भी मंजूरी मिल गई है।कैबिनेट सूत्रों के मुताबिक, फरक्का महकमा के गठन के साथ प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के लिए 109 संविदात्मक रिक्त पद बनाए गए हैं। इसके अतिरिक्त, विभिन्न विभागों में एक या दो- दो रिक्त पद भी बनाए गए हैं, और कुल मिलाकर मंत्रिमंडल की बैठक में 336 नए रिक्त पदों की घोषणा की गई है। ये पद प्रशासनिक सुधार और बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए आवश्यक माने जा रहे हैं।

उच्च न्यायालय ने 273.5 करोड़ रुपये के जीएसटी जुर्माने के खिलाफ पतंजलि आयुर्वेद की याचिका खारिज की

प्रयागराज : इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 273.5 करोड़ रुपये के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जुर्माने को चुनौती देने वाली पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड की याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति विपिन चंद्र दीक्षित की खंडपीठ ने यह रिट याचिका खारिज करते हुए पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड की यह दलील खारिज कर दी कि इस तरह के जुर्माने से आपराधिक देयता बनती है और इसे आपराधिक मुकदमे के बाद ही लगाया जा सकता है।

इन्फ्लुएंसर की गिरफ्तारी: भाजपा ने ममता सरकार पर हमला तेज किया, 'राज्य प्रायोजित दमन' करार दिया

नयी दिल्ली : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी को लेकर पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपना हमला सोमवार को तेज करते हुए इस कार्रवाई को ''राज्य प्रायोजित दमन'' तथा उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का ''उल्लंघन'' करार दिया। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इस मुद्दे पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा और उन्हें निर्दयी कहा। कोलकाता निवासी एवं पुणे के विधि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली शर्मिष्ठा को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो कथित तौर पर अपलोड करने के लिए 30 मई देर रात हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया था। उक्त वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी की गई थी और दावा किया गया था कि बॉलीवुड अभिनेता ऑपरेशन सिंदूर पर चुप थे। बाद में उन्हें कोलकाता की एक अदालत में पेश किया गया, जिसने इन्फ्लूएंसर को 13 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पनोली की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए भाटिया ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''शर्मनाक! ममता बनर्जी की पुलिस कोलकाता से करीब 1,500 किलोमीटर का सफर तय करके सिर्फ इसलिए कानून की छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को गिरफ्तार करने पहुंची - क्योंकि उसने अपनी राय रखी थी, जिसके लिए उसने सार्वजनिक रूप से माफ़ी भी मांग ली थी! लेकिन यही पुलिस सन्देशखाली के आरोपियों को तब तक नहीं पकड़ी, जब तक माननीय उच्च न्यायालय ने फटकार नहीं लगायी।'' उन्होंने लिखा कि मुर्शिदाबाद की हिंसा में तो आरोपियों को बचाने का काम किया गया, कार्रवाई करने का नहीं। उन्होंने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 19 का हनन है तथा आज देश पूछ रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी की ढपली बजाने वाला ''गैंग'' कहां गया?

दिल्ली बार काउंसिल ने 'इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर' शर्मिष्ठा पनोली की तत्काल रिहाई की मांग की

दिल्ली बार काउंसिल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में कथित टिप्पणियों के लिए कोलकाता पुलिस द्वारा गिरफ्तार की गई 'इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर' शर्मिष्ठा पनोली की तत्काल रिहाई की सोमवार को मांग की। कोलकाता निवासी एवं पुणे के विधि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाली शर्मिष्ठा को 30 मई देर रात हरियाणा के गुरुग्राम से गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें कोलकाता की एक अदालत में पेश किया गया, जिसने इन्फ्लूएंसर को 13 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। काउंसिल के चेयरमैन सूर्य प्रकाश खत्री की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, ''दिल्ली बार काउंसिल सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट करने को लेकर पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा 22 वर्षीय विधि छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को गिरफ्तार किए जाने की घटना की कड़ी निंदा करती है। कुछ लोगों के वीडियो से आहत होने के बाद शर्मिष्ठा ने तुरंत वीडियो को डिलीट कर दिया था और माफी भी मांगी थी, इसके बावजूद उन्हें गिरफ्तार किया गया।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली बार काउंसिल की ओर से मैं शर्मिष्ठा की तत्काल रिहाई की मांग करता हूं।'' खत्री ने आरोप लगाया गया कि कोलकाता पुलिस ने पनोली की गिरफ्तारी मनमाने तरीके से और अनावश्यक जल्दबाजी में की और यह कार्रवाई राजनीति से प्रेरित होकर की गई।

डराती हैं मामूली विवाद में सहपाठी की हत्या

हिसार में सहपाठी द्वारा प्रतिशोध में कक्षा दस के एक छात्र की गोली मारकर की गई हत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को झकझोरा है। एक साल पहले स्कूल में डेस्क पर बैठने को लेकर विवाद की खुंदक आरोपी छात्र अपने दिमाग में पालता-पोसता रहा। फिर एक दिन सहपाठी को सुबह मिलने के बहाने बुलाया और अपने दादा के हथियार से गोली मारकर हत्या कर दी। घटना बेहद दुखद है और हर मां-बाप के लिये बेहद चिंता का विषय कि उनके बच्चे का सहपाठी भी इतना खूंखार हो सकता है। हमारे जिस समाज की प्यार, सामंजस्य व सहयोग के लिये मिसाल दी जाती थी, उसमें ये किशोर आखिर ऐसा भयानक कदम कैसे उठा रहे हैं? जिस उम्र में किशोरों को पढ़ना-लिखना था, उस समय में वे हिंसक गतिविधियों में क्यों लिप्त हो रहे हैं? दोषी तो आरोपी छात्र के अभिभावक भी हैं कि जिन्होंने घातक हथियार को लापरवाही से घर में छोड़ा, जिससे आरोपी ने हत्या को अंजाम दिया। बताते हैं कि आरोपी छात्र के दादा सेना से सेवानिवृत्त हैं और एक बैंक में सुरक्षा गार्ड हैं। कितनी दुर्भाग्यपूर्ण घटना है कि मृतक छात्र अपने परिवार में इकलौता था और अपने परिवार को हमेशा के लिये रोता-बिलखता छोड़ गया। एक समय अमेरिका व यूरोप में ऐसी घटनाएं सुनने में आती थी। अब ये किशोर अपराध हमारे दरवाजों पर भी दस्तक देने लगे हैं। समाज में व्याप्त नकारात्मकता व हिंसक प्रवृत्ति का किशोरों द्वारा अनुकरण करना हमारे समाज के लिये खतरे की घंटी ही है।

बीते मार्च में दिल्ली के वजीराबाद इलाके में एक छात्र की ऐसी ही निर्मम हत्या हुई थी। वजीराबाद की घटना में एक नौवीं के छात्र का अपहरण करके उसके परिजनों से दस लाख की फिरौती मांगी गई थी। छात्र की हत्या के बाद जांच में पता चला कि उसके अपहरण व हत्या में तीन किशोर संलिप्त थे। आए दिन स्कूल-कालेज विवाद में हिंसक घटनाएं हमें परेशान करती हैं। यदि कम उम्र के बच्चों व किशोरों में बढ़ती हिंसक प्रतिशोध की प्रवृत्ति पर लगाम न लगी तो डर लगता है कि आने वाले समय में हमारे समाज का स्वरूप कैसे होगा। सवाल यह है कि आखिर किशोरों में आपराधिक प्रवृत्तियां क्यों पनप रही हैं। आखिर उन्हें मां-बाप का संघर्ष क्यों नहीं दिखायी देता कि वे कैसे उन्हें पाल-पोस व पढ़ा-लिखा रहे हैं? समाज विचार करे कि वे कौन से कारक हैं जो बच्चों को आपराधिक प्रवृत्ति का बना रहे हैं। उनके द्वारा ऐसे जघन्य अपराध को अंजाम देने के लिये जिम्मेदार प्रवृत्ति का स्रोत क्या है? ऐसे बच्चों में कानून का भय क्यों नहीं है? कभी लगता है कि हमारे जीवन का हिस्सा बने तकनीकी साधन बच्चों के विवेक पर आक्रमण कर रहे हैं। जिससे उनमें सही-गलत की सोच की प्रक्रिया बाधित हो रही है। कहा जा रहा है कि फिल्म, वेब सीरीज तथा इंटरनेट में व्याप्त आपराधिक कार्यक्रम उन्हें हिंसक बना रहे हैं। जिससे वे बेलगाम सपनों के संजाल में भी फंसते हैं, जिन्हें पूरा करने को वे हिंसक राह पर उतर जाते हैं।

आज का पंचांग

कोलकाता : 3 जून, मंगलवार, 2025, विक्रम सम्वत् 2082, ज्येष्ठ शुक्लपक्ष अष्टमी, 22:00 तक, नक्षत्र : पूर्व फाल्गुनी, 24:56 तक, योग : हरषाना, 08:04 तक, सूर्योदय: 4:56, सूर्यास्त: 18:11, चन्द्रोदय : 11:40, चन्द्रास्त: 24:18, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : वृषभ, चन्द्र राशि : सिंह, राहू काल : 14:54 से 16:34

राशिफल

मेष : मेष राशि के लोग कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव आपकी पदोन्नति या विभागीय स्थानांतरण से जुड़े हो सकते हैं, जिससे कुछ सहयोगियों में असंतोष उत्पन्न होगा।

वृष : वृषभ राशि के लोगों का जीवन सुखद रहेगा और किसी नजदीकी सदस्य से वित्तीय सहयोग या सलाह मिल सकती है। दोपहर तक कोई समाचार आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर बन सकता है।

मिथुन : मिथुन राशि के लोगों को धन सम्मान के मामले में पिता का आशीर्वाद और वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा। किसी जमीन, वाहन, या मूल्यवान संपत्ति की प्राप्ति में सहायक होगा।

कर्क : कर्क राशि वालों के लिए आर्थिक क्षेत्र में शुभ संकेत मिलेंगे। अचानक कोई रुका हुआ या भूला हुआ धन वापस मिल सकता है, जिससे आपकी वित्तीय स्थिति में तत्काल सुधार होगा।

सिंह : सिंह राशि के लोगों के सम्मान में वृद्धि के योग हैं। राजनीतिक या प्रशासनिक क्षेत्र में कार्यरत जातकों को अप्रत्याशित सफलता मिल सकती है। किसी अधूरी परियोजना के पूरे होने से आय में वृद्धि होगी।

कन्या : कन्या राशि के लोगों के लिए भाग्य में वृद्धि के योग हैं। कार्यक्षेत्र में कठोर परिश्रम का पूर्ण फल मिलेगा। यदि आप बिजनस में हैं तो कोई नई डील फायदे का सौदा बन सकती है।

तुला : तुला राशि के लोग शिक्षा, प्रतियोगिता या किसी कोर्स की तैयारी कर रहे जातकों के लिए सफलता का दिन है, जिससे करियर का मार्ग प्रशस्त होगा।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के लोगों के लिए धन, सम्मान और यश में वृद्धि होगी। यदि आप जॉब में हैं तो आपके काम की प्रशंसा होगी, जिससे प्रमोशन या बोनस की चर्चा हो सकती है।

धनु : धनु राशि के लोगों का घरेलू आवश्यकताओं पर खर्च अधिक होगा, विशेषकर फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स या वाहन से संबंधित। धन संबंधी लेन-देन में सतर्क रहें।

मकर : मकर राशि के लोगों को कार्यक्षेत्र में लाभ और वरिष्ठों से प्रशंसा मिलेगी। व्यापार में विस्तार की योजना बन रही है। यदि साझेदारी में काम कर रहे हैं तो अच्छे नतीजे मिलेंगे।

कुम्भ : कुंभ राशि के लोगों का दिन स्वास्थ्य को लेकर खर्च अधिक हो सकता है। किसी प्रॉपर्टी डील या नए व्यवसाय से संबंधित दस्तावेजों की गंभीरता से जांच करें।

मीन : मीन राशि के लोगों को व्यापार में नई प्रगति होगी और पुराने क्लाइंट से दोबारा ऑर्डर मिलने की संभावना है। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। दूर-दराज की व्यापारिक यात्रा से विशेष लाभ होगा।

गंभीर संकट का संकेत है ग्लोबल वार्मिंग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

जलवायु परिवर्तन या यों कहे कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते मानव अस्तित्व पर आ रहे संकट की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 2 जून को समूचे विश्व में ग्लोबल हीट एक्शन डे मनाया जाने लगा है। ग्लोबल वार्मिंग के दुष्परिणाम तेजी से हमारे सामने आने लगे हैं। लाख प्रयासों, शिखर सम्मेलनों और संकल्पों के बावजूद पृथ्वी पर तापमान की बढ़ती दर को रोकने में हम पूरी तरह से विफल रहे हैं। 1850 से अब तक के रेकार्ड के अनुसार विश्व में अब तक का सबसे गर्म साल 2024 रहा है। वर्कले अर्थ द्वारा जारी रिपोर्ट में भी इस बात की पुष्टि होती है कि सर्वाधिक गर्म साल 2024 रहा है। मजे की बात यह है कि यह सब तो तब है जब ग्लोबल वार्मिंग को लेकर वैश्विक सम्मेलन लगातार आयोजित हो रहे है और पृथ्वी के बढ़ते तापमान को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के प्रयास किये जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सीधा सीधा अर्थ धरती के तापमान में बढ़ोतरी होना है। इस साल 2025 के ग्लोबल हीट डे की थीम रिकागनाइजिंग एण्ड रेस्पोडिंग टू हीट स्ट्रोक रखा गया है। दुनिया के देष 2050 तक ग्लोबल वार्मिंग दर को 50 प्रतिशत कम तक लाना है। दरअसल 1896 में ही स्वीडिस मौसम विज्ञानी ने ग्लोबल वार्मिंग के खतरों से चेता दिया था। 1975 में ग्लोबल वार्मिंग को लेकर सबसे पहली रिपोर्ट आई और 1988 में अमेरिका की सीनेट में नासा वैज्ञानिक जैम्स हेनसेन से चर्चा करते हुए आने वाले संकट को स्पष्ट कर दिया था। ग्लोबल वार्मिंग के चलते आज दुनिया के देशों, समुद्र किनारे के शहरों, जंगलों की जैव विविधता और बच्चों, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से ग्रसित लोगों के सामने गंभीर संकट आ गया है। कहने का अर्थ यह है कि यह संकट किसी एक स्थान या एक नागरिक विशेष पर ना होकर समूची मानव जाति और अस्तित्व पर आ गया है। इसके दुष्परिणामों को तो इस तरह से समझा जा सकता है कि ग्लेशियर तेजी से पिघलने लगे हैं, इससे समुद्र का जल स्तर लगातार बढने लगा है। मौसम के हालात अस्पष्ट होते जा रहे हैं। गर्मी और अधिक लंबी व गर्म होती जा रही है तो मौसम चाहे सर्दी हो, गर्मी हो या बरसात हो चरम स्थिति में होने लगा है। रेगिस्तान बढ रहा है तो जलवायु परिवर्तन या यों कहें कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते नित नए चक्रवात, तूफान, बरसात के दिन कम होने के बावजूद एक ही समय में अत्यधिक बरसात, सर्दियों में अधिक बरसात आदि सामने आ रहे हैं।

मौसम विज्ञानियों ने पहले ही चेता दिया था कि औद्योगिक क्रान्ति और उसके चलते हमारी जीवन शैली में बदलाव से ग्लोबल वार्मिंग के हालात बनते जा रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग का सबसे प्रमुख कारण जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग रहा है। कोयला, तेल, गैस आदि जीवाश्म ईंधन के उपयोग से अंतरिक्ष की परत प्रभावित हुई है और उसके चलते तापमान में बढ़ोतरी के हालात बनते जा रहे हैं। हमें भूलना नहीं चाहिए कि जीवाश्म ईंधन के साथ ही कुछ अन्य कारण भी है जिनके चलते तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। अत्यधिक शहरी करण और लोहे सीमेंट के उपयोग के कारण गगनचुंबी इमारतों से कंक्रिट के जंगल का विस्तार, आबादी का अत्यधिक दबाव होने के कारण प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक व बेरहमी से दोहन, सुविधा के लिए नित नए इलेक्ट्रोनिक उत्पादों का अत्यधिक उपयोग, पंखें या कूलर के स्थान पर एयर कण्डीशनरों का उपयोग, रसोई में फ्रीज व अन्य उत्पादों का उपयोग और इसी तरह के अन्य वस्तुओं के उपयोग के चलते तापमान में बढ़ोतरी का कारण बनता जा रहा है। मजे की बात यह है कि आज जिसे बेहतर व उपयोगी बताया जा रहा है कुछ समय बाद ही उसे हानिकारक बताने में भी नहीं हिचका जा रहा। आज जापान आदि देशों में माइक्रोवेव ओवन या आरओ आदि के उपयोग को हानिकारक बताया जाने लगा है। पहले प्लास्टिक को बढ़ावा दिया गया और अब उसके दुष्परिणाम सामने हैं। इसी तरह से जीवाश्म ईंधन के विकल्प के रुप में ईवी वाहनों के प्रोत्साहन के साथ ही दबे स्वर में यह रिपोर्ट आने लगी है कि ईवी का भी असर तापमान बढ़ोतरी पर पड़ेगा। हालात यहां तक होने लगे हैं कि हीट स्ट्रोक के कारण लोगों की ही नहीं जानवरों की भी जान जाने लगी है।

ग्लोबल हीट एक्शन डे के आयोजन के पीछे लोगों को हालात की गंभीरता से सजग करना और अत्यधिक हीटवेव से बचने के लिए सतर्क और सजग करना है। तापमान की बढ़ोतरी का इसी से अंदाज लगाया जा सकता है कि स्थानीय निकायों द्वारा तापमान अधिक होने पर आमनागरिकों को राहत देने के लिए सड़कों पर पानी का छिड़काव करवाया जाने लगा है तो जयपुर सहित कई शहरों में सिग्नल वाले रास्तों पर गर्मी से राहत के लिए हरा पर्दा टांगा जाने लगा है। हीट एक्शन डे के माध्यम से लोगों को सजग करना, हीटवेव से बचने व सुरक्षा के उपायों खासतौर से भूखे पेट नहीं रहना, पानी व तरल पदार्थ का अधिक सेवन के साथ ही छाया में रहने और ढीले कपड़े पहने के साथ ही शरीर को ढक के रखना आदि के प्रति अवेयर करना है। आज लोगों में पशुपक्षियों के प्रति भी संवेदनशीलता बढी है और गर्मी के चलते दाना-पानी की व्यवस्थाएं एक अभियान के रुप में की जाने लगी है। खैर यह तो व्यक्तिगत प्रयासों की बात हुई पर तापमान के चलते जंगलों में दावानल, समुद्र किनारें के शहरों के लिए खतरा व एक ही बरसात में बाढ़ जैसे हालात होना, आंधी तूफान के कारण जन-धन हानि और अन्य समस्याएं तेजी से बढ़ती जा रही है। ऐसे में अभी भी समय है कि हम सजग हो जाएं और प्रकृति से खिलवाड़ कर प्रकृति को विकृति बनाने के स्थान पर प्रकृति को विकास का वाहक बनाने में उपयोग करें तो यह अधिक सकारात्मक होगा। इसके लिए बीट द हीट के हैसटैग से संदेश देने का आह्वान भी लगातार किया जा रहा है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि अब सोचने का समय नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने का समय आ गया है और इसके लिए समग्र व ठोस प्रयास करने होंगे।

बदलते दौर में अनिवार्यता बनती साइकिल

योगेश कुमार गोयल

विश्व साइकिल दिवस (3 जून) पर विशेष

एक समय ऐसा था, जब लोग मीलों दूर का सफर भी पैदल अथवा बैलगाड़ियों के माध्यम से कई-कई दिनों में पूरा किया करते थे। साइकिल के आविष्कार ने लोगों की दुनिया ही बदल डाली, जिसने लोगों के लिए मीलों दूर का सफर भी आसान बना दिया था। कुछ दशक पूर्व तो बहुत से छात्र स्कूल तक पहुंचने के लिए भी मीलों दूर का सफर साइकिल से ही तय किया करते थे। हालांकि वह ऐसा दौर था, जब साइकिल को आमतौर पर निर्धनता का प्रतीक समझा जाता था और साइकिल को गरीब तथा मध्यम वर्ग के यातायात का ही अहम हिस्सा माना जाता था। तब खासकर मजदूर वर्ग के लोग, दूध वाले, स्कूल जाने वाले छात्र इत्यादि ही साइकिल पर दिखते थे। साइकिल की कीमत तब ज्यादा नहीं होती थी और प्रायः एक ही जैसी साइकिलें बाजार में मिलती थी लेकिन समय के साथ बदलती तकनीक के दौर में साइकिलें भी हाईटैक होती गई और आज बाजार में कुछ हजार से लेकर लाखों रुपये तक की साइकिलें उपलब्ध हैं।

समय के साथ साइकिल की उपयोगिता और महत्व भी बदलता गया है और आज के आधुनिक दौर में साइकिलें अधिकांशतः व्यायाम अथवा शारीरिक फिटनेस के तौर पर प्रयोग की जाती हैं। आज के ज़माने में लोग घंटों साइकिल चालकर इससे सेहत और वातावरण को पहुंचने वाले फायदों के बारे में जागरुकता फैलाते हैं। हालांकि यूरोप, डेनमार्क, नीदरलैंड इत्यादि दुनिया के कई हिस्से आज भी ऐसे हैं, जहां साइकिल के जरिये ही एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाया जाता है। साइकिल का दौर 1960 से लेकर 1990 के बीच काफी अच्छा चला लेकिन उसके बाद समय बदलता गया और साइकिल का चलन भी कम होता गया। बीते कुछ वर्षों में पर्यावण की महत्ता और साइकिल चलाने से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी लाभ को देखते हुए लोग साइकिल की ओर आकर्षित हुए हैं और यही कारण है कि अब केवल भारत ही नहीं बल्कि जापान, इंग्लैंड सहित कई विकसित देशों में भी साइकिलों का उपयोग बढ़ रहा है। भारत का साइकिल उद्योग आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है और भारत साइकिल का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता देश है।

साइकिल पर्यावरण के लिए यातायात का सबसे उत्तम साधन है क्योंकि इसके उपयोग से डीजल-पैट्रोल का दोहन कम होने के साथ ही प्रदूषण स्तर भी कम होता है, साथ ही शरीर को स्वस्थ रखने में भी साइकिल महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साइकिल चलाने से न केवल पर्यावरण सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है बल्कि यह व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास में भी सहायक होता है। यही कारण है कि साइकिल की विविधता, मौलिकता और परिवहन के एक व्यापक और सहज साधन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 3 जून को 'विश्व साइकिल दिवस' मनाया जाता है। अप्रैल 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने हर साल 3 जून को यह दिवस मनाने की घोषणा साइकिल सवारी से मिलने वाले स्वास्थ्य, पर्यावरण और आवागमन के लिए सबसे सस्ता साधन इत्यादि को देखते हुए की थी। दरअसल साइकिल का महत्व धीरे-धीरे घटता जा रहा था, तकनीक के विकास के साथ ही पैट्रोल-डीजल इत्यादि से चलने वाली गाड़ियों का उपयोग बढ़ने लगा और लोगों ने समय की बचत तथा सुविधा के लिए साइकिल चलाना बेहद कम कर दिया। इसीलिए साइकिल के उपयोग और जरूरत के बारे में बच्चों और अन्य लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्व साइकिल दिवस मनाने की जरूरत महसूस की गई। संयुक्त राष्ट्र संघ ने पर्यावरण सुरक्षा को भी साइकिल चलन को बढ़ावा देने का अहम उद्देश्य माना है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार साइकिल दिवस मानव प्रगति, उन्नति, स्थिरता, सामाजिक समावेश और शांति की संस्कृति के प्रतीक के रूप मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत को लेकर अमेरिका के मोंटगोमरी कॉलेज के प्रोफेसर लेसजेक सिबिल्स्की ने एक अभियान चलाया था, जिसका समर्थन तुर्कमेनिस्तान और 56 अन्य देशों ने किया था। सिबिल्सकी ने ही साइकिल दिवस मनाए जाने का प्रस्ताव दिया था, जिसके बाद सिबिल्सकी और उनके साथियों द्वारा उसका प्रचार-प्रसार किया गया।

साइकिल यातायात का ऐसा साधन है, जो वायु प्रदूषण को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि इसे चलाने के लिए पैट्रोल, डीजल या सीएनजी जैसे किसी ईंधन की जरूरत नहीं पड़ती। साइकिल चलाने से अच्छा व्यायाम हो जाता है, जिससे वजन कम करने से लेकर मांसपेशियों को मजबूती मिलती है। साइकिल चलाना एक प्रकार की एरोबिक एक्सरसाइज है, जिससे शरीर को चुस्त-दुरूस्त रखने, पतला होने और मांसपेशियों को टोन करने में मदद मिलती है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाने वाले व्यक्ति को कैंसर, हृदय रोग, मधुमेह जैसी भयानक बीमारियों का जोखिम कम होता है और यदि कोई व्यक्ति प्रकृति के करीब साइकिल चलाता है तो यह उसे तरोताजा रखने के साथ-साथ उच्च रक्तचाप जैसी समस्या को भी दूर रखने में मददगार है। साइकिल चलाने से मूड अच्छा होने में भी मदद मिलती है। कई अध्ययनों में यह तथ्य सामने आया है कि प्रतिदिन आधा घंटा साइकिल चलाने से ही हम मोटापा, हृदय रोग, मानसिक बीमारी, मधुमेह, गठिया इत्यादि कई बीमारियों से बच सकते हैं। चिकित्सकों के मुताबिक उम्र बढ़ने के साथ घुटनों की समस्या नहीं हो, इसके लिए प्रतिदिन साइकलिंग करनी चाहिए, जिससे जोड़ों में किसी प्रकार का दर्द नहीं होगा।

साइकिल चलाने से न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है बल्कि मस्तिष्क अधिक सक्रिय रहता है, ब्रेन पावर बढ़ती है। विशेषज्ञों का मानना है कि साइकिल चलाने से 15 से 20 प्रतिशत अधिक दिमाग सक्रिय होता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक साइकलिंग करने से इम्यून सिस्टम तो अच्छा होता ही है, साथ ही इम्यून सेल्स भी एक्टिव हो जाते हैं, जिससे विभिन्न बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। साइकलिंग परिवहन का सबसे सस्ता साधन है, जिससे रत्तीभर भी पर्यावरण प्रदूषण नहीं होता। आधा घंटा साइकलिंग करने से बॉडी फिट रहती है, शरीर पर चर्बी नहीं आती, पाचन क्रिया ठीक रहती है, हृदय और फेफड़े मजबूत बनते हैं और कई जान-लेवा बीमारियां दूर रहती हैं। चूंकि साइकिल स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन का साधन है, इसीलिए दुनियाभर में साइकिल के चलन को बढ़ावा देने का सीधा सा अर्थ है वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कम करना क्योंकि साइकलिंग में स्वाभाविक शून्य उत्सर्जन मान होता है, इसीलिए यह कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कमी में बड़ा योगदान देती है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

राजनीति के फलते फूलते और दरकते सियासी परिवार

बाल मुकुन्द ओझा

लालू यादव के परिवार और पार्टी से बड़े बेटे तेजप्रताप के निष्कासन के बाद देश में एकबार फिर परिवारवाद की सियासत हिलोरे लेने लगी है। बिहार विधानसभा के चुनाव शीघ्र होने जा रहे है। इसी के मधे नजर तरह तरह के तमाशाई सवाल हवा में तैर रहे है। बिहार में परिवारवाद कोई नया मुद्दा नहीं है मगर सबसे शक्तिशाली परिवार में अंदरूनी झगड़ा खुलकर सामने आ गया है। लालू परिवार में जयचंदों को लेकर भी सियासत गर्म हो रही है। देश में ऐसे कई सियासी परिवार है जहां बेटों को लेकर जंग छिड़ती रही है। तमिलनाडु में करूणानिधि ने बड़े बेटे अलागिरी को पार्टी से अलग कर स्टालिन को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था। पिता के इस एक्शन से बड़ा बेटा राजनीति के बियावान में खो गया। महाराष्ट्र में बाल ठाकरे ने अपने भतीजे राज ठाकरे के स्थान पर अपने बेटे उद्धव को पार्टी की सत्ता सौंप दी थी। शरद पवार का उदहारण भी हमारे सामने है। उन्होंने अपने भाई के स्थान पर बेटी को तरजीह दी थी। ऐसे और भी उदहारण हमें मिल जायेंगे। ताज़ा तरीन मामला लालू परिवार का है जिसे लेकर मीडिया में बहस छिड़ी हुई है। एक पक्ष का कहना है परिवार की लड़ाई लालू कुनबे के सियासी भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लगा रही है और यह विवाद बिहार विधान सभा चुनाव में लालू की पार्टी को ले डूबेगा। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है करूणानिधि परिवार की तरह लालू परिवार भी यह झटका सहन कर लेगा और तेजस्वी असली उत्तराधिकारी साबित होगा।

आज़ादी के बाद से ही देश की सियासत में परिवारवाद का डंका बजता रहा है। इनमें सबसे बड़ा सियासी परिवार नेहरू - गांधी का है जिसकी पांचवीं छठी पीढ़ी राजनीति में सक्रीय है। कहने का मतलब है मोतीलाल नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक सियासी समर में सक्रीय है।

देश में अनेक सियासी परिवार जहां फले फुले है वहां अनेक परिवार टूट फुट का शिकार होकर दरकते भी गए है। इस समय देश में डेढ़ दर्ज़न परिवार राजनीति में सक्रीय है। इनमें अनेक बड़े परिवार समय के साथ फलते फूलते और बिखरते रहे। राजनीति के चाणक्य समझे जाने वाले शरद पवार के भतीजे अजीत ने अपने चाचा को पटकनी देकर भाजपा सरकार में उप मुख्यमंत्री का पद संभाल लिया है। देश के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित नेहरू गांधी परिवार में भी स्व. संजय गांधी की पत्नी मेनका और बेटे वरुण गांधी ने परिवार से अलग राह पकड़कर भाजपा का दामन थाम रखा है। दूसरा बड़ा परिवार पूर्व उप प्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल का है जिसकी चौथी पीढ़ी इस समय सियासी समर में संघर्षरत है। देवीलाल के बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री ओपी चौटाला के दोनों बेटों ने सियासत की अलग अलग पगडंडियां पकड़ रखी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान के निधन के बाद उनका परिवार भी बिखर गया है। बेटे और भाई ने अलग अलग राह पकड़ रखी है। इसी भांति यूपी में सोने लाल पटेल के परिवार के सदस्यों की राह भी जुदा जुदा है। इनमें एक सदस्य मोदी मंत्री मंडल में शामिल है तो दूसरा मोदी विरोधी धड़े के साथ है। कल तक मुलायम सिंह यादव का परिवार भी अलग थलग था। भाई शिवपाल और बेटे अखिलेश की राह अलग अलग थी मगर शिवपाल फिर अपने भतीजे के साथ हो गए है मगर परिवार के एक बहू अपर्णा आज भी भाजपा खेमे से जुडी है। आंध्र में पूर्व मुख्यमंत्री रामाराव का परिवार भी बिखरा हुआ है। महाराष्ट्र में बाल ठाकरे का परिवार भी एकजुट नहीं रहा। भतीजे राज ने अपने चाचा से बगावत कर अलग पार्टी बना ली थी और आज भी उद्धव और राज की राहें अलग अलग है।

भारतीय राजनीति में पंचायत से संसद तक परिवारवाद हावी है। उत्तर से लेकर दक्षिण और पूरब से लेकर पश्चिम तक राजनीति में परिवारवाद ने अपनी जड़ इतनी ज्यादा मजबूत कर ली है कि उसे हटाना अब नामुमकिन हो गया है। हमारे लोकतान्त्रिक देश में एक दर्जन राज्यों में परिवारवाद की चिंगारी अभी सुलग रही है। यूँ देखा जाये तो राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा में वंशवादी राजनीति न के बराबर है जबकि कांग्रेस, सपा, डीएमके, आरजेडी, एनसीपी, लोकदल के नाम से विभिन्न दल, नेशनल कॉन्फ्रेंस, लोक जनशक्ति पार्टी, देवेगौड़ा की पार्टी, अकाली दल जैसे दलों का संगठन और सत्ता एक परिवार विशेष के लिए समर्पित है।

कई राजनीतिक विश्लेषक परिवारवाद और वंशवाद की परिभाषा अलग अलग बताते है। इन लोगों की मान्यता के अनुसार यदि संघर्ष के रास्ते कोई भाई अपनी जगह सियासत में बनाकर आता है तो उसे परिवारवाद का दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। वहीं दूसरे पक्ष के विश्लेषक मानते है कि परिवार के सहारे आगे बढ़ना अनुचित है। भारत के लोकतंत्र को समझने वाले लोगो का एक दृष्टिकोण ये भी है की इस देश में वंशवाद और राजशाही को लोकतंत्र का जामा ओढ़ाया गया है। राजशाही के जमाने में और लोकतंत्र में फर्क सिर्फ इतना है कि तब राजा ही अपने बेटे को उत्तराधिकारी घोषित करता था अब वो जनता से घोषित करवाता है। बहरहाल आम जनता की नजर में परिवारवाद और वंशवाद में कोई ज्यादा फर्क नहीं है। लोकतंत्र के लिए यह हितकारी नहीं है।

-वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

वर्ग पहेली नं. 3111

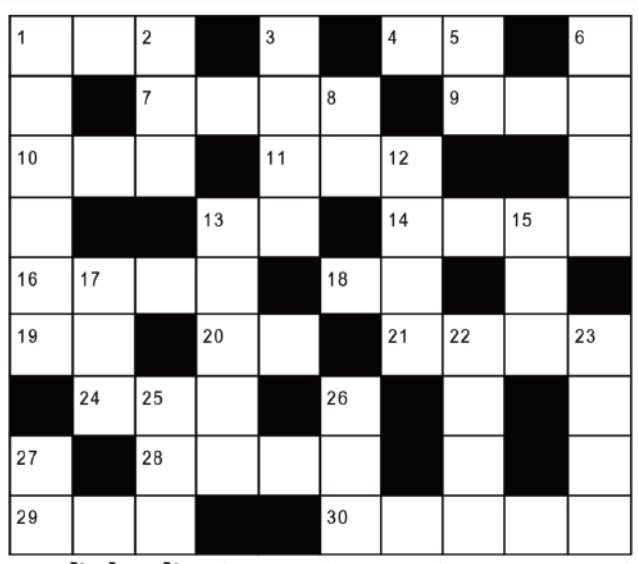

ऊपर से नीचे :- 1) रूबरू, 2) चढ़ाई, 3) जिम्मेदारी, 5) पतला, 6) एक मिठाई, 8) स्त्री, 12) इरादा, 13) सहायक, 15) आज्ञा, 17) पंकज, 22) निर्बल, 23) जिले का एक भाग, 25) बतीसी दिखाना, 26) शिव का धनुष, 27) एक वाद्य. *(उत्तर: अगले अंक में)*

पिछली पहेली का उत्तर

आ	का	श	या	न	■	शि	क्षा	प्र	द
■	■	ब	■	भ	वि	ष्य	■	या	■
वि	प	री	त	■	वा	■	पा	ग	ल
का	■	■	ला	भ	दा	य	क	■	ज्ज
स	मा	वे	श	■	स्प	■	■	मृ	त
■	सू	द	■	ब	द	शा	ही	■	दा
आ	म	■	औ	र	■	■	ला	चा	र
शि	■	का	■	दा	य	रा	■	ला	■
क	स	म	सा	ना	■	स	म	क	क्ष

बायें से दायें :- 1) सचेत, 4) नाविक, 7) निरंकुश; इच्छित, 9) असफल; ख़राब, 10) एक मांसाहारी जन्तु जो सर्प को मार डालता है, 11) कोमल, 13) नहीं, 14) जनसंहार, 16) पुष्परस, 18) विशेष, 19) धार्मिक क्रियाओं का पालन, 20) पर्वतों के बीच का मार्ग; घाटी, 21) आतंक, 24) घाघरा, 28) मुखिया, 29) चुपड़ना, 30) मृणाल.

सुडोकू-पहेली-3068

		6					9	
		5		6				4
	8					1	5	
			6	4				
	9			2			1	
	7			9				3
		2					4	
9	5	4			2			
			8	3				

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3067 का उत्तर

8	1	4	9	7	6	2	3	5
9	7	2	5	8	3	6	4	1
5	6	3	1	2	4	7	8	9
6	4	5	8	3	2	1	9	7
2	9	7	4	1	5	3	6	8
3	8	1	7	6	9	5	2	4
4	3	9	2	5	1	8	7	6
7	5	6	3	4	8	9	1	2
1	2	8	6	9	7	4	5	3

मैं कहीं नहीं जा रहा, बंगाल को हिंसा मुक्त बनाने के लिए नई ऊर्जा के साथ काम करूंगा : राज्यपाल

कोलकाता, समाज्ञा : राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने पद से हटाए जाने की अटकलों को खारिज करते हुए सोमवार को कहा कि वह राज्य की 'खोई हुई प्रतिष्ठा' को बहाल करने और इसे हिंसा मुक्त बनाने के अपने प्रयास में नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेंगे। बोस ने कहा कि वह विभिन्न समुदायों के बीच सौहार्द की भावना को वापस लाने के लिए जल्द ही राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा करना शुरू करेंगे, जिनमें मुर्शिदाबाद और मालदह के हिंसा प्रभावित क्षेत्र शामिल हैं। इस दिन, उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि बंगाल ने मुझे नया जीवन दिया है। मैं गांवों में जाकर विभिन्न समुदायों के बीच भाईचारा और दोस्ती स्थापित करने के लिए काम करूंगा तथा हिंसा के खिलाफ लड़ूंगा। मेरे पास करने के लिए बहुत काम है। बोस (74) ने स्वीकार किया कि वह इस तरह (पद से हटने) की अटकलों से 'थोड़ा परेशान' थे, लेकिन 'दिल्ली में जिम्मेदार पदों पर बैठे लोगों' ने उन्हें इन पर ध्यान न देने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि मुझे दिल्ली में जिम्मेदार लोगों से फोन आया है। उन्होंने मुझसे ऐसी अफवाहों को पूरी तरह से नजरअंदाज करने और अपने काम को आगे बढ़ाने के लिए कहा है। मुझे यहां शुरू किए गए मिशन में पूरी ताकत से जुटने के लिए कहा

गया है। राज्यपाल ने कहा कि मेरा मिशन बंगाल के लोगों के बीच अधिक से अधिक जाकर उनकी समस्याओं का समाधान करना होगा। मेरा उद्देश्य हिंसा मुक्त बंगाल की स्थापना के लिए अथक प्रयास करना है। बोस ने कहा कि अब वह बिलकुल ठीक महसूस कर रहे हैं, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें कुछ दिन तक काम के बोझ से मुक्त रहने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों ने मुझे धीमी गति से काम करने के लिए कहा है, लेकिन यह केवल कुछ दिनों के लिए है। मैं हर दिन 20 घंटे काम करता था। पहले भी, जब मेरे पास इतना महत्वपूर्ण काम नहीं था, तो मैं लगभग 16 घंटे काम करता था। यह मेरे स्वभाव के लिए कोई नई बात नहीं है। बोस ने कहा कि अप्रैल में वक्फ संशोधन अधिनियम के विरोध में मुर्शिदाबाद और मालदह जिलों में हुई हिंसा की घटनाओं ने उन्हें बहुत परेशान कर दिया था। राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं द्वारा सुनाई गईं कहानियां इतनी परेशान करने वाली थीं कि वे किसी भी सभ्य दिमाग को हिला देंगी। लोगों को चुपचाप सहना पड़ा। बोस ने कहा कि हिंसा और भ्रष्टाचार की घटनाओं के कारण राज्य का बौद्धिक कद घट गया है। उन्होंने कहा कि बंगाल एक महान राज्य है जिसका समाज बेहद सभ्य है। यह संस्कृति और उसके मूल्यों की परवाह करता है। यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि बंगाल आज जो सोचता है, भारत कल वही सोचता है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ दशकों में हिंसा और भ्रष्टाचार के कारण बंगाल बौद्धिक प्रभुत्व के अपने स्तर से गिर गया है। बोस ने कहा कि और, हिंसा अब भी जारी है। मैं हिंसा को किसी विशेष सरकार से जुड़ी हुई चीज के रूप में नहीं देखता। जब चुनाव आते हैं, तो पार्टियां राजनीतिक और चुनावी लाभ के लिए हिंसा का इस्तेमाल करती हैं। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर बोस ने कहा कि वह निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव के लिए हरसंभव कदम उठाएंगे। बोस ने कहा कि राष्ट्रपति को भेजे गए विधेयकों के अलावा राजभवन में एक भी विधेयक लंबित नहीं है। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों के आंदोलन पर टिप्पणी करते हुए बोस ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस मामले में न्याय होगा।

बंगाल में कोरोना के 44 नए मामले, संक्रमितों की संख्या हुई 331

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड–19 के 44 नए मामले सामने आए हैं। राज्य सरकार के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही राज्य में सक्रिय मामलों की संख्या अब 331 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान नौ मरीज संक्रमण से स्वस्थ भी हुए हैं। राज्य स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि बीते सात दिनों में कुल 319 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं, जिससे सक्रिय मामलों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। हालांकि, अब तक सामने आए अधिकांश मामलों में संक्रमण की गंभीरता नहीं पाई गई है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग सतर्क है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है। विभाग ने नागरिकों से सावधानी बरतने और किसी भी लक्षण की स्थिति में तुरंत जांच कराने की अपील की है।

सड़क दुर्घटना में नाबालिग छात्र की मौत

मुर्शिदाबाद : बाइक दुर्घटना में एक छात्र की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक का नाम फहीम शेख (10) है। वह बेलडांगा थाने के बरुआ बागानपाड़ा इलाके का निवासी है। मिली जानकारी के अनुसार, वह अपने दोस्त के साथ बाइक से स्कूल जा रहा था। उसी समय बरुआ चौराहा इलाके में बाइक एक लॉरी से टकरा गई। छात्र की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में छात्र का दोस्त घायल हो गया। घटना के प्रत्यक्षदर्शी खैरुल हक ने बताया कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई। युवक बाइक से गिर गया और ट्रक के पहिए ने उसे कुचल दिया।

Name Change

I, Sampat Lal Bhatter at S/O Tulsi Ram Bhatter, Residing at 3B, Darpnarayan Tagore Street (Malapara), P.O: Beadon Street, Ward No. 22, Dist. - Kolkata, Kolkata- 700006. Now I have changed my name and shall henceforth be Known as Sampat Bhatter as declared before 1st class Executive Magistrate Bankshall Court, west Bengal vide affidavit no. 88AA 867720 dated 06-02-2015 Sampat Lal Bhatter and Sampat Bhatter both are same and identical person.

Name Change

I,SANJAY JAISWAL (OLD NAMES) S/O LATE BISWAMBHAR PRASAD JAISWAL AND VISHWAMBHAR NATH, RESIDING AT BEDUA NEW BASTI BALIA CITY,PO & PS-JAPLIN GANJ, DIST-BALIA, UTTAR PRADESH, PIN-277001, INDIA. HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HENCEFORTH BE KNOWN AS SANJAY KUMAR JAISWAL (NEW NAME) AS DECLARED BEFORE THE NOTARY PUBLIC AT KOLKATA ON 02/06/2025.SANJAY JAISWAL (OLD NAMES) AND SANJAY KUMAR JAISWAL (NEW NAME) BOTH ARE SAME AND ONE IDENTICAL PERSON.

केंद्रीय गृह सचिव ने सीमावर्ती इलाकों की सुरक्षा की मजबूती के लिए राज्य के साथ की बैठक

बैठक में राज्य के मुख्य सचिव, गृह सचिव, डीजी समेत राज्य के शीर्ष अधिकारी रहे उपस्थित

कोलकाता, समाज्ञा : सीमावर्ती इलाकों की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए केंद्र और राज्य मिलकर काम करेंगे। स्थल सीमा पर कंटीले तार और जल सीमा पर तैरती चौकियां लगाकर सुरक्षा को अचूक बनाया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे के बीच रविवार को केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने राज्य के शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। मिलन मेला में आयोजित इस बैठक में केंद्रीय गृह सचिव के साथ राज्य के मुख्य सचिव मनोज पंत, गृह सचिव नंदिनी चक्रवर्ती, डीजी समेत राज्य के शीर्ष अधिकारी शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक, इस दिन, केंद्रीय गृह सचिव ने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर लंबी चर्चा की। इस बात पर भी चर्चा हुई कि राज्य के सहयोग से सीमावर्ती इलाकों की सुरक्षा को और कैसे सुनिश्चित किया जा सकता है। पश्चिम बंगाल की बांग्लादेश के साथ लंबी कंटीले तार वाली सीमा है। कई जगहों पर भौगोलिक कारणों से कंटीले तार लगाना संभव नहीं हो पाया है। कुछ जगहों पर यह जमीन में फंसा हुआ है। इन समस्याओं को कैसे जल्द दूर किया जा सकता है, इस पर चर्चा की गई। इस बात की भी योजना बनाई गई कि कैसे न केवल स्थल बल्कि जल सीमा को भी सुरक्षित किया जा सकता है। राज्य पुलिस इसके लिए विस्तृत योजना भी बनाएगी। इसी तरह जल सीमा पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। सीमा सुरक्षा के साथ–साथ भारतीय दंड संहिता के क्रियान्वयन पर भी चर्चा हुई। जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं की जानकारी हो, इसके लिए राज्य को प्रशिक्षण देने का भी प्रस्ताव दिया गया।

गृह मंत्री शाह के बारे में अपमानजनक टिप्पणी, काकोली घोष के खिलाफ शिकायत दर्ज

कोलकाता, समाज्ञा : बारासात लोकसभा केंद्र की सांसद काकोली घोष दोस्तीदार के खिलाफ दक्षिण बिधान नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। बता दें कि गत रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नेताजी इंडोर स्टेडियम में पार्टी नेताओ–कार्यकर्ताओं को संबोधित किया था। आरोप है कि काकोली घोष दोस्तीदार ने उस भाषण के विरोध में गृह मंत्री की आलोचना की थी। उन्होंने जिस भाषा का इस्तेमाल किया, उसे देखते हुए काकोली घोष दोस्तीदार के खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए शिकायत दर्ज कराई गई है। भाजपा नका दावा है कि काकोली घोष दोस्तीदार को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए, अन्यथा उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

टेरर फंडिंग मामले में एनआईए ने ट्रैवल कंपनी के मालिक मसूद आलम से की पूछताछ

कोलकाता, समाज्ञा : राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) आतंकी फंडिंग से जुड़े एक मामले में कोलकाता स्थित एक टूर एंड ट्रैवल फर्म के मालिक मसूद आलम से पूछताछ कर रही है। एनआईए ने मसूद आलम को पूछताछ के लिए बुलाया था। सोमवार को मसूद आलम एनआईए के न्यू टाउन स्थित कार्यालय पहुंचे, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। जांच एजेंसी को सूचना मिली थी कि इस ट्रैवल फर्म के व्यावसायिक खाते से विभिन्न आतंकी संगठनों के खातों में धनराशि ट्रांसफर की गई है। यही नहीं, इसी खाते से हाल ही में गिरफ्तार किए गए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सहायक उप–निरीक्षक मोती राम जाट के खाते में भी छोटी–छोटी रकम भेजी गई थी। सूत्रों के अनुसार, जांच में इस फर्म के खाते से कई संदिग्ध लेन–देन के सबूत मिले हैं। एनआईए ने 31 मई को इस मामले में कोलकाता के कई इलाकों में छापेमारी की थी, जिसमें दक्षिण कोलकाता के डायमंड हार्बर रोड स्थित इस टूर एंड ट्रैवल फर्म का कार्यालय भी शामिल था। इससे पहले एनआईए ने मसूद आलम का मोबाइल फोन जब्त कर उसमें मौजूद संदेशों और लेनदेन की जानकारी खंगाली थी। इसके अलावा, कार्यालय में रखे कंप्यूटर और दस्तावेजों की भी जांच की गई थी। जांचकर्ताओं को संदेह है कि यह फर्म पाकिस्तानी स्रोतों से आने वाली रकम को सीधे आतंकी संगठनों या संबंधित व्यक्तियों तक पहुंचाने के लिए एक माध्यम के तौर पर इस्तेमाल की जा रही थी। सीधे पैसे भेजने के बजाय पहले इस फर्म के खाते में रकम ट्रांसफर की जाती और फिर वहां से आगे भेजी जाती थी।

नवान्न ने राज्य सरकार के विभागों की समितियों की विस्तृत सूची मांगी, जांच के संकेत

कोलकाता, समाज्ञा : नवान्न ने न्यायालय के निर्देशानुसार राज्य सरकार के विभागों में बनी समितियों की पूरी सूची मांगी है। राज्य के विभिन्न विभागों में समय–समय पर अलग–अलग कार्यों के लिए कई समितियां गठित की जाती हैं, जिनमें केवल सरकारी कर्मचारी ही नहीं, बल्कि विषय विशेषज्ञ और अन्य वर्ग के लोग भी शामिल होते हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के आदेशों के तहत भी राज्य में कई समितियां बनाई गई हैं। अब नवान्न ने प्रत्येक विभाग से यह जानकारी मांगी है कि किस विभाग में कितनी समितियां हैं, उनके सदस्यों के नाम, समितियों के कार्य, हुई बैठकों की संख्या, और जमा कराई गई रिपोर्टों का विवरण। मई के अंत में कर्मचारी एवं प्रशासनिक सुधार विभाग की ओर से यह पत्र सभी विभागों को भेजा गया है। इस सप्ताह के अंत तक सभी विभागों से उक्त सूची प्राप्त होने की उम्मीद है। कई समितियों में बाहरी सदस्यों को भी शामिल किया गया है, इसलिए उनकी जानकारी भी मांगी गई है। हालांकि, पत्र में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि यह जानकारी किस उद्देश्य से मांगी जा रही है। विभागीय सचिवों को भेजे गए इस पत्र के पीछे प्रशासनिक अधिकारियों का मानना है कि यह जानना आवश्यक है कि जो समितियां बनाई गई हैं, वे वास्तव में कितनी प्रभावी रूप से काम कर रही हैं। नवान्न इस जानकारी को एक डेटाबेस के रूप में संजो कर रखना चाहता है ताकि अगर न्यायालय इस संबंध में जानकारी मांगे, तो कोई समस्या न हो। सूत्रों के अनुसार, स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम और परिवहन जैसे विभागों में विभिन्न घटनाओं के कारण सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के आदेश से ये समितियां गठित हुई हैं। शिक्षक भर्ती, स्वास्थ्य, महिला–शिशु सुरक्षा और सड़क सुरक्षा से जुड़े कई विभागों में अनेक समितियां सक्रिय हैं। नवान्न इन समितियों की भूमिका पर कड़ी नजर रखना चाहता है और आवश्यकतानुसार दोनों उच्च न्यायालयों को राज्य सरकार द्वारा आदेशों के पालन की रिपोर्ट भी देगा। एक अधिकारी के अनुसार, यह सभी समितियां विभिन्न कार्यों के लिए बनाई जाती हैं और काम पूरा होने पर इन्हें भंग भी कर दिया जाता है। नवान्न इन समितियों का डाटा व्यवस्थित रूप से संग्रहित कर अपनी जानकारी का भंडार तैयार कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल बैठक में परिवहन मंत्री और लीगल सेल को लगाई कड़ी फटकार

मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने परिवहन मंत्री स्नेहाशिष चक्रवर्ती को कड़ी फटकार लगाई है। सोमवार दोपहर आयोजित बैठक में ममता ने मंत्री पर आरोप लगाया कि बिना उनकी जानकारी के कई तरह के आदेश जारी किए जा रहे हैं, जिससे विभागीय कामकाज प्रभावित हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस तरह कार्यालय का काम चलाना स्वीकार्य नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्री अधिकारीयों की बात सुनकर उनके अनुसार निर्देश देते हैं और काम उसी के मुताबिक होता है, लेकिन वे सभी निर्णय मंत्री और अधिकारियों के बीच होते हैं, जिससे उन्हें कोई सूचना नहीं मिलती। ममता ने कहा, मुझे अखबार पढ़कर पता चलता है कि क्या हो रहा है, ऐसा नहीं चलेगा। यदि कोई समस्या है तो मुझे अवश्य दिखानी होगी। काम शुरू करने से पहले मुझे जानकारी देनी होगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने राज्य के लीगल सेल की कार्यप्रणाली पर भी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लीगल सेल की प्रमुख चंद्रिमा भट्टाचार्य और मलय घटक को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि लीगल सेल केवल नाममात्र की संस्था बनकर रह गई है और कोई ठोस कार्य नहीं हो रहा है। ममता ने चंद्रिमा को मलय के साथ बैठकर लीगल सेल को सक्रिय करने और सुधारने का निर्देश दिया।

सूचना

साउथ कलकत्ता राइफल क्लब

वार्षिक आम बैठक 22/06/25, शाम 4 बजे, स्थान: यूनाइटेड पैलेस गोल्ड होटल, कोलकाता-700017। एजेंडा: चुनाव आयोग का चुनाव, रिपोर्ट और अन्य कार्य। चुनाव आयोग का नामांकन 07/06/25 को 16:00 बजे भारतीय मानक समय तक जमा करें। कोई भी व्यक्ति जो किसी भी तरह की रुचि रखता है, वह इस प्रकाशन के 5 दिनों के भीतर संपर्क कर सकता है।

एसके अब्दुल जब्बार,
कार्यकारी अध्यक्ष; इरफान गनी,
सहायक सचिव, 10 मेहर अली रोड,
कोलकाता -700017.
हेाट्सएप: 9038281027

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/676, दिनांक 30.05.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, रेलवे स्टेशन के पास डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युत कार्यों के निष्पादन के लिए खुली ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं : **निविदा सं.: ईएल–एचडब्ल्यूएच–25–21–3454, कार्य का नाम :** "हावड़ा मंडल के तहत स्टाफ क्वार्टरों की रिवायरिंग" कार्य के संबंध में एसएसई/जी/हावड़ा के कार्यक्षेत्र में स्टाफ क्वार्टरों की रिवायरिंग। **निविदा मूल्य :** रु. 19,68,485/–, **बोली प्रतिभूति (बयाना राशि जमा):** रु.39,400/–, **समापन अवधि:** 180 दिन। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 20.06.2025 को 15.00 बजे। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी सुविधाजनक दिवस को निविदाएँ ऑनलाइन खोली जाएंगी। निविदा का विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें।
HWH-115/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एसएनडीटी–सीओएन–एसडीएच–02–2025, उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण/सियालदह/पूर्व रेलवे डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता–700014 के द्वारा द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा सं.: **एसएनडीटी–सीओएन–एसडीएच–02–2025** के प्रतिपक्ष खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** सीएसटीई/निर्माण/पूर्व रेलवे के अधीन पूर्व रेलवे के कार्यों के लिए सिग्नलिंग ड्रॉइंग्स एसआईपी, आरसीसी, एसडब्ल्यूआर और एसडब्ल्यूआरडी की प्रस्तुति एवं आपूर्ति। **विज्ञापित मूल्य :** रु. 83,09,654/–, **बयाना राशि :** रु. 1,66,200/–, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 0.00, **समापन अवधि:** 24 माह। **बोली प्रणाली :** एकल पैकेट प्रणाली। **प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** दिनांक 30.05.2025 को 16.20 बजे। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 09.06.2025, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 23.06.2025 को 15.00 बजे। **निविदा ऑनलाइन जमा करने के लिए वेबसाइट का विवरण: www.ireps.gov.in**
CON-11/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

सियालदह/कोलकाता-लालगोला अनुभाग में ट्रेन सेवाओं की संशोधित अनुसूची स्थगित

संचालनगत अनिवार्यताओं के कारण, 11 (ग्यारह) एमईएमयू सेवाओं का ईएमयू सेवाओं में रूपांतरण तथा उनमें से 09 (नौ) ट्रेनों को सियालदह/कोलकाता-कृष्णनगर सिटी जंक्शन ईएमयू लोकल सेवाओं तथा कृष्णनगर सिटी जंक्शन-लालागोला ईएमयू पैसेंजर सेवाओं (तथा विपरीत दिशा में) के रूप में विभाजन के साथ कृष्णनगर सिटी जंक्शन में 19 से 32 मिनट तक ठहराव, जिसे पहले प्रकाशित किया गया था, को अगली सूचना तक **स्थगित** कर दी गई है।
मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह
पूर्व रेलवे

सियालदह मंडल के तहत अतिरिक्त ईएमयू स्पेशल सेवाएँ

यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ से निपटने के लिए, बालीगंज-नामखाना एवं बालीगंज-कैनिंग अनुभागों में **दिनांक 05.06.2025** से परीक्षण के तौर पर अतिरिक्त ईएमयू स्पेशल सेवाएं शुरू की जाएंगी। इन स्पेशल सेवाओं की अनुसूची निम्नानुसार हैं:

सोनापुर-नामखाना-बालीगंज अनुभाग (02 सेवाएं)
1. **सोनारपुर** प्रस्थान 18.35 बजे → **नामखाना** आगमन 20.42 बजे।
2. **नामखाना** प्रस्थान 05.12 बजे → **बालीगंज** आगमन 07.27 बजे।

बालीगंज-कैनिंग-बालीगंज-सोनारपुर अनुभाग (03 सेवाएं)
1. **बालीगंज** प्रस्थान 08.04 बजे → **कैनिंग** आगमन 09.11 बजे।
2. **कैनिंग** प्रस्थान 09.40 बजे → **बालीगंज** आगमन 10.45 बजे।
3. **बालीगंज** प्रस्थान 11.25 बजे → **सोनारपुर** आगमन 11.46 बजे।
• ऊपर उल्लेखित अतिरिक्त ईएमयू स्पेशल ट्रेनें मार्ग में सभी स्टेशनों पर ठहरेंगी।
मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह
पूर्व रेलवे
हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

'जेल में नहीं मिल रहीं बुनियादी सुविधाएं', शर्मिष्ठा पनोली ने अदालत का किया रुख, कोर्ट ने तलब की रिपोर्ट

कोलकाता, समाज्ञा : इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के वकील ने सोमवार को अलीपुर कोर्ट में एक याचिका दायर की। उन्होंने आरोप लगाया कि पनोली को सुधार गृह में बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। उनके वकील मोहम्मद समीमुद्दीन ने बताया कि कोर्ट ने इस संबंध में चार जून तक रिपोर्ट तलब की है। समीमुद्दीन ने बताया कि अलीपुर महिला सुधार गृह के अंदर उचित स्वच्छता नहीं है। मेरी मुवक्किल को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। उसे किडनी से जुड़ी समस्या है और वह ठीक महसूस नहीं कर रही है। हमने एक याचिका दायर की है। उन्होंने कहा कि हम अपनी मुवक्किल (शर्मिष्ठा पनोली) को 13 जून से पहले जेल से रिहा कराने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। आज हम इस मामले पर विस्तार से चर्चा करेंगे और अगले एक–दो दिनों में तय करेंगे कि आगे क्या कदम उठाना है। वकील ने कहा कि अलीपुर महिला सुधार गृह में उनकी देखभाल सही तरीके से नहीं हो रही है। वहां उनके आसपास साफ–सफाई का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा जा रहा है। उनकी तबीयत ठीक नहीं है, उन्हें किडनी स्टोन की समस्या है। इसके बावजूद उन्हें ठीक से इलाज या आराम नहीं मिल पा रहा है। समीमुद्दीन ने बताया कि उन्हें अखबार, पत्रिकाएं जैसी जरूरी चीजें भी नहीं दी जा रही हैं, जो कि उनके बुनियादी अधिकार हैं। इसलिए हमने आज कोर्ट में एक याचिका दायर की है, ताकि उन्हें ये सुविधाएं मिल सकें। हमारा साफ कहना है कि शर्मिष्ठा बेगुनाह हैं। उनका किसी की धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था। हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि उन्हें जमानत मिले और न्याय मिले।

इन्फ्लुएंसर की गिरफ्तारी पर भाजपा का ममता सरकार पर हमला, 'राज्य प्रायोजित दमन' करार दिया

नई दिल्ली/कोलकाता : भाजपा ने इन्फ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली की गिरफ्तारी को लेकर तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपना हमला सोमवार को तेज करते हुए इस कार्रवाई को 'राज्य प्रायोजित दमन' तथा उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का 'उल्लंघन' करार दिया। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा और उन्हें निर्दयी कहा। पनोली की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए भाटिया ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि शर्मनाक! ममता बनर्जी की पुलिस कोलकाता से करीब 1,500 किलोमीटर का सफर तय करके सिर्फ इसलिए कानून की छात्रा शर्मिष्ठा पनोली को गिरफ्तार करने पहुंची, क्योंकि उसने अपनी राय रखी थी, जिसके लिए उसने सार्वजनिक रूप से माफ़ी भी मांग ली थी! लेकिन यही पुलिस सन्देशखाली के आरोपियों को तब तक नहीं पकड़ी, जब तक उच्च न्यायालय ने फटकार नहीं लगायी। उन्होंने लिखा कि मुर्शिदाबाद की हिंसा में तो आरोपियों को बचाने का काम किया गया, कार्रवाई करने का नहीं। उन्होंने कहा कि यह संविधान के अनुच्छेद 19 का हनन है तथा आज देश पूछ रहा है कि अभिव्यक्ति की आजादी की ढपली बजाने वाला 'गैंग' कहां गया? भाटिया ने कहा कि यह शासन नहीं, राजनीतिक प्रतिशोध है। यह कानून का पालन नहीं, बल्कि राज्य प्रायोजित दमन है। उन्होंने कहा, 'निर्ममता' बनर्जी पर शर्म आती है। यह लोकतंत्र की नृशंस हत्या है। मैं इस सत्ता के दुरुपयोग की कड़ी निंदा करता हूं।

एनएचआरसी ने राज्य के डीजीपी और चीफ सेक्रेटरी को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली/कोलकाता : इंस्टाग्राम इंफ्लुएंसर शर्मिष्ठा पनोली के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने एक्शन लिया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो ने कहा कि इस मामले में पश्चिम बंगाल के डीजीपी और चीफ सेक्रेटरी को नोटिस जारी किया गया है। दोनों अधिकारियों को शर्मिष्ठा की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रियांक कानूनगो का कहना है कि उन्हें लीगल राइट्स ऑब्जर्वेटरी नामक एक संगठन से एक लॉ की छात्रा के बारे में शिकायत मिली थी। शिकायत में बताया गया है कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने कथित तौर पर आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट के कारण आधी रात को छात्रा को हरियाणा से गिरफ्तार किया था। लीगल राइट्स ऑब्जर्वेटरी ने आरोप लगाया गया है कि उसकी गिरफ्तारी और ट्रांजिट के दौरान उचित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया। कानून का उल्लंघन करते हुए शर्मिष्ठा पनोली को गिरफ्तार कर कोलकाता ले जाया गया है। शिकायत में आगे बताया गया है कि शर्मिष्ठा को कट्टरपंथियों द्वारा 'सिर तन से जुदा', दुष्कर्म और जान से मारने की धमकियां मिल रही है। जो शर्मिष्ठा की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर रही है। डर है कि उसके साथ कभी भी कुछ हो सकता है। प्रियांक कानूनगो का कहना है कि शिकायत पर संज्ञान लेते हुए इस संबंध में पश्चिम बंगाल के चीफ सेक्रेटरीऔर डीजीपी को नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में अलीपुर जेल में बंद शर्मिष्ठा पनोली की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

खड़दह में दोस्तों के साथ बाइक पर निकले एक युवक की अप्राकृतिक मौत, जहर देकर हत्या का आरोप

कोलकाता, समाज्ञा : शाम को अपने दोस्तों के साथ बाइक पर निकले एक युवक की अप्राकृतिक मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने आरोप लगाया कि उसके दोस्तों ने ही उसकी 'हत्या' की है। इस रहस्यमयी मौत से उत्तर 24 परगना के खड़दह–रहड़ा इलाके में हड़कंप मच गया है। मृतक की पहचान शेख समीर अली के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। खबर यह भी है कि दो दोस्तों की तलाश की जारी है। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, शेख समीर अली रविवार की शाम को बाइक लेकर घर से निकला था। रात होने के बाद भी वह घर नहीं लौटा। परिजनों ने समीर को फोन पर कॉल किया था। इस बीच, नीलगंज थाने की पुलिस ने उसके परिजनों को सूचना दी कि समीर सड़क दुर्घटना में घायल हो गया है। उसे बैरकपुर के बीएन बसु अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया। यह जानकर परिजन उस अस्पताल में गए। लेकिन उन्हें पता चला कि समीर को वहां नहीं ले जाया गया। धीरे–धीरे चिंता बढ़ती गई। रात में दो दोस्त समीर को एंबुलेंस से खड़दह स्थित उसके घर ले गए। आनन–फानन में परिजनों ने समीर को बांदीपुर उपस्वास्थ्य केंद्र ले गये। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि उपस्वास्थ्य केंद्र ने बताया कि समीर की मौत जहर खाने से हुई है। परिजनों का आरोप है कि उसे जहर देकर मारा गया है। आरोप है कि हत्या उसके दोस्तों ने ही की है। रात को उपस्वास्थ्य केंद्र के सामने काफी तनाव रहा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए रहड़ा थाने की पुलिस बल मौके पर गई। पुलिस द्वारा घटना की उचित जांच का आश्वासन दिए जाने के बाद प्रदर्शन बंद हुआ। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की शिकायत के आधार पर रहड़ा थाने और नीलगंज चौकी की पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। समीर को पहले बैरकपुर के अस्पताल क्यों नहीं ले जाया गया? दोस्त उसे अस्पताल ले जाने के बजाय घर वापस क्यों लाए? इस दौरान वे समीर के साथ कहां थे? ये सवाल उठाए गए हैं। पुलिस ने कहा है कि दो दोस्तों से पूछताछ कर जानकारी हासिल की जाएगी।

रेड रोड पर ही होगी ईद की नमाज, सेना ने दी इजाजत

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के रेड रोड यानी इंदिरा गांधी सरणी पर ईद–उल–अजहा की सामूहिक नमाज की अनुमति सेना ने दे दी है। बता दें कि सेना ने एक दिन पहले ही परमिशन कैंसिल कर दी थी। तभी से ये कयास लगाए जा रहे थे कि मुस्लिम समाज अनुमति लेने के लिए कोर्ट जा सकता है। हालांकि, सेना ने अपने ट्रेनिंग कार्यक्रम बदलाव करते हुए नमाज की परमिशन दे दी है। सोमवार को बताया गया है कि सेना के अधिकारियों ने इस हफ्ते के अंत में ईद–उल–अजहा की नमाज के लिए रेड रोड पर अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम में थोड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। राज्य के मंत्री जावेद अहमद खान ने कहा कि हालांकि, सेना की अपनी व्यस्तताओं के

कारण अनुमति को लेकर कुछ समस्या थी, लेकिन आयोजकों और रक्षा अधिकारियों के बीच विचार–विमर्श के जरिए मामले को सुलझाया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि सेना के अधिकारियों ने यहां रेड रोड पर ईद की नमाज के लिए दशकों पुरानी परंपरा को ध्यान में रखते हुए नमाज के लिए अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम में थोड़ा बदलाव करने का फैसला किया है।

www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
MATRIMONIAL • EDUCATION • OBITUARY
PROPERTY • NAME CHANGE • REMEMBRANCE
RECRUITMENT • PUBLIC NOTICE • DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

बर्दवान विश्वविद्यालय के मेस से छात्रा का लटकता शव बरामद

बर्दवान : बर्दवान के शरतपल्ली में पश्चिम मेदिनीपुर निवासी एक छात्रा की रहस्यमयी मौत का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार, मेस से उसका लटकता हुआ शव बरामद हुआ है। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने शव को पहले ही बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जांच शुरू हो गई है। पता चला है कि मृत छात्रा का नाम कोयल अधिकारी (21) है। वह पश्चिम मेदिनीपुर के पांशकुड़ा की निवासी थी। वह बर्दवान विश्वविद्यालय में एमएससी के जूलॉजी विभाग के पार्ट वन की छात्रा थी। वह बर्दवान शहर के शरतपल्ली इलाके में रहती थी। बताया गया है कि गत शनिवार की शाम को वह मेस के बाथरूम में लटकी हुई मिली। तुरंत पुलिस स्टेशन को सूचना दी गई। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। छात्रा को जल्दी से अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा है कि वे मृतक के परिवार और मेस के अन्य निवासियों और दोस्तों से बात करेंगे। जांचकर्ताओं को उम्मीद है कि इससे रहस्य को सुलझाने में मदद मिलेगी।

आईआईएम कलकत्ता और टाइम्सप्रो ने शुरू किया बिजनेस मैनेजमेंट में 31वां कार्यकारी कार्यक्रम

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कलकत्ता (आईआईएम कलकत्ता) ने टाइम्सप्रो के साथ मिलकर अपने प्रमुख एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम इन बिजनेस मैनेजमेंट (ईपीबीएम) के 31वें बैच की घोषणा की है। यह 12 महीने का मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम अनुभवी पेशेवरों को संचालनात्मक भूमिकाओं से रणनीतिक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर देता है। इसमें आधुनिक बिजनेस सिद्धांतों को वास्तविक दुनिया के अनुभव से जोड़ा गया है।घोषणा के दौरान, आईआईएम कलकत्ता की प्रोग्राम डायरेक्टर प्रोफेसर मेघा शर्मा ने कहा कि आईआईएम कलकत्ता में हमारा लक्ष्य हमेशा ऐसा नेतृत्व तैयार करना रहा है जो भविष्य के लिए तैयार हो और रणनीतिक समझ से परिपूर्ण हो। यह प्रोग्राम हमारी इसी सोच को दर्शाता है। प्रोग्राम डायरेक्टर प्रोफेसर रितु मेहता ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी और तेजी से बदलते दौर में, स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ नेतृत्व करने और समय के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता बेहद जरूरी हो गई है। हमें गर्व है कि हम ऐसा प्रोग्राम पेश कर रहे हैं जो उद्योग की इन ज़रूरतों को पूरा करता है और पेशेवरों को भविष्य-केंद्रित सोच के साथ असरदार नेतृत्व करने में सक्षम बनाता है।

नहीं मिल रही है बड़े भाई की जानकारी, वृद्ध बहन ने लगाई हाई कोर्ट में गुहार

कोलकाता, समाज्ञा : पारिवारिक संपर्क टूटने के वर्षों बाद जब 63 वर्षीय एक महिला अपने बड़े भाई की तलाश में कोलकाता के सर्वे पार्क स्थित पुराने घर पहुंची, तो उन्हें चौंकाने वाला अनुभव हुआ। न तो भाई वहां मिले, न कोई विश्वसनीय सूचना, और जब पड़ोसियों से पूछताछ की तो पता चला कि उनके भाई का कुछ महीने पहले निधन हो चुका है। लेकिन किसी भी सरकारी विभाग से इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी। इस असमंजस में उन्होंने अब कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया है। महिला ने बताया कि उनके माता-पिता, दो बहनें और एक भाई पहले ही गुजर चुके हैं। मंझले भाई ने मां की मृत्यु (सन् 2011) के बाद घर छोड़ दिया था

और बाद में दिल्ली में बस गए। उनका बड़ा भाई, बड़ी बहन और मंझली बहन सभी अविवाहित थे और साथ ही सर्वे पार्क के घर में रहते थे। महिला का अपने परिवार से वर्षों से संपर्क नहीं था। 2022 में, उन्हें मंझली बहन की मृत्यु की सूचना मिली, लेकिन तब भी बड़े भाई से संपर्क नहीं हो सका। हाल ही में उन्हें जानकारी मिली कि उनका बड़ा भाई संपत्ति बेचने की कोशिश कर रहा है। इसी वजह से वह घर पहुंचीं, लेकिन वहां कोई और रह रहा था और उन्होंने बताया कि उनके भाई की मौत हो चुकी है।

जब उन्होंने इस बात की पुष्टि के लिए कोलकाता नगर निगम से संपर्क किया, तो वहां भी उनके भाई की मौत का कोई प्रमाणपत्र मौजूद नहीं था। उन्होंने कोलकाता के मेयर फिरहाद हाकिम से भी मुलाकात की, जिनके निर्देश पर संबंधित विभाग में उन्होंने जांच करवाई, लेकिन वहां भी उन्हें निराशा हाथ लगी। स्थानीय लोगों ने उन्हें बताया कि उनके भाई को पिछले साल दिसंबर में अस्पताल में भर्ती कराया गया था और 20 दिसंबर को उनका निधन हो गया। लेकिन न तो इसकी कोई आधिकारिक जानकारी है, न ही मृत्यु प्रमाणपत्र। अब इस मामले में उन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। याचिका में उन्होंने स्पष्ट किया है कि बिना किसी कानूनी दस्तावेज के उनके भाई की मृत्यु पर भरोसा करना मुश्किल है और इससे संपत्ति संबंधी अधिकारों को लेकर भी जटिलता खड़ी हो रही है। मामले की सुनवाई जस्टिस तपोब्रत चक्रवर्ती और जस्टिस ऋतब्रत कुमार मित्र की खंडपीठ के समक्ष 13 जून को निर्धारित है।

आंदोलनकारी शिक्षकों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को लिखा पत्र

कोलकाता, समाज्ञा : आंदोलनकारी शिक्षकों ने सोमवार को कोलकाता और राज्य पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर अनुरोध किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ एक बैठक आयोजित की जाए। जिन वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को पत्र भेजे गए हैं, उनमें पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार, कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा, अतिरिक्त महानिदेशक, कानून एवं व्यवस्था, जावेद शमीम, कोलकाता पुलिस मुख्यालय के संयुक्त आयुक्त मीराज खालिद और हावड़ा पुलिस आयुक्त प्रवीण कुमार त्रिपाठी शामिल हैं। प्रदर्शन कर रहे एक शिक्षक ने कहा कि हम कथित तौर पर संकट से बाहर निकलने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए मुख्यमंत्री और राज्य के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु से मिलने का समय मांग रहे थे। लेकिन अभी तक हमें उनमें से किसी से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इसलिए अंतिम उपाय के रूप में, हमने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को पत्र भेजे हैं ताकि कम से कम वे मुख्यमंत्री के साथ बैठक की व्यवस्था कर सकें। अगर हमारा यह प्रयास भी कारगर नहीं होता है, तो हमारे पास राज्य सचिवालय तक मार्च रैली सहित एक बड़े आंदोलन के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। उनकी मुख्य मांग यह है कि राज्य सरकार और स्कूल सेवा आयोग को तत्काल सूची प्रकाशित करनी चाहिए। इसमें कथित तौर पर पैसे देकर स्कूल की नौकरी पाने वाले दागी उम्मीदवारों से बेदाग उम्मीदवारों को अलग किया जाए।

दिल्ली पब्लिक स्कूल रूबी पार्क के छात्रों ने जेईई एडवांस्ड 2025 में किया शानदार प्रदर्शन

देवब्रत झा

दिशांत बसु

नक्षत्रा दासगुप्ता

रौनक रॉय

सुमित कुंडू

कोलकाता, समाज्ञा

दिल्ली पब्लिक स्कूल रूबी पार्क के छात्रों ने एक बार फिर अपनी अकादमिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए जेईई एडवांस्ड 2025 परीक्षा में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। इस वर्ष, कुल 38 छात्रों ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा को उत्तीर्ण किया है, जिनमें से 10 छात्रों ने 10,000 के भीतर रैंक हासिल की है। अरित्रो राय - रैंक 50, दिशांत बसु - रैंक 520, रौनक रॉय - रैंक 1306, सुमित कुंडू - रैंक 1566, नक्षत्रा दासगुप्ता - रैंक 2873, देवब्रत झा - रैंक 3987, सोहम चटर्जी - रैंक 6281, श्रेया पंडित- रैंक 6468, सुन्हत पारिया - रैंक 8929, हृषिक भट्टाचार्य - रैंक 8948 रही और पार्थिव सिन्हा - रैंक 17659 रही। विद्यालय प्रशासन ने इन छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण को सराहा है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

अरित्रो राय ने मेहनत और लगन से हासिल किया जेईई एडवांस्ड में एआईआर 50

कोलकाता, समाज्ञा : दिल्ली पब्लिक स्कूल, रूबी पार्क के छात्र अरित्रो राय ने जेईई एडवांस्ड 2025 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 50 हासिल किया है। इसके अलावा, उन्होंने आईआईटी खड़गपुर जोन में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। अरित्रो ने अपनी तैयारी के बारे में बताया कि उन्होंने मुख्य रूप से सेल्फ स्टडी पर फोकस किया और कुछ ऑनलाइन कोचिंग की मदद ली। वे नियमित रूप से मॉक टेस्ट देते रहे

क्योंकि उनका मानना है कि अभ्यास करना बेहद महत्वपूर्ण है। अरित्रो कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग या इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में दाखिला लेना चाहते हैं। उनके माता-पिता भी इंजीनियर हैं, जिनसे उन्होंने प्रेरणा ली है। उन्होंने बताया कि उन्हें शुरू से ही विज्ञान में रुचि रही है। 12वीं कक्षा में उन्होंने 98.6 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। भविष्य की योजनाओं के बारे में अरित्रो ने कहा कि उन्होंने अभी दूर तक की कोई ठोस योजना नहीं बनाई है, लेकिन मास्टर्स की पढ़ाई करने की इच्छा जरूर है। उन्होंने अपने माता-पिता और शिक्षकों को अपने अच्छे रिजल्ट का श्रेय दिया।

पूर्व रेलवे ने चार प्रमुख ट्रेनों में एलएचबी कोच लगाकर सुरक्षा और सुविधा बढ़ाई

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने यात्रियों की सुरक्षा और आराम को बढ़ाने के लिए चार लोकप्रिय एक्सप्रेस ट्रेनों में एलएचबी कोच परिवर्तन की घोषणा की है। यह पहल पारंपरिक आईसीएफ कोचों को एलएचबी कोचों में बदलने की है, जो यात्रियों को बेहतर सुविधाएं और अधिक आराम प्रदान करते हैं। इस पहल के तहत चार एक्सप्रेस ट्रेनों के दो-दो रेक को आईसीएफ से एलएचबी रेक में परिवर्तित किया जाएगा। 13155/13156 कोलकाता-सीतामढ़ी-कोलकाता मिथिलांचल एक्सप्रेस 5 जून से कोलकाता से और 6 जून से सीतामढ़ी से चलेगी। 5 जून से कोलकाता से और 6 जून से सीतामढ़ी से 13155/13156 कोलकाता-सीतामढ़ी-कोलकाता मिथिलांचल एक्सप्रेस चलेगी। 13157/13158 कोलकाता-मुजफ्फरपुर-कोलकाता एक्सप्रेस 3 जून कोलकाता से और 4 जून मुजफ्फरपुर से चलेगी। 13165/13166 कोलकाता-सीतामढ़ी-कोलकाता एक्सप्रेस 7 जून से कोलकाता से और 8 जून से सीतामढ़ी से चलेगी। 13159/13160 कोलकाता-जोगबनी-कोलकाता एक्सप्रेस 4 जून से कोलकाता से और 5 जून 2025 से जोगबनी से चलेगी। पूर्व रेलवे ने यह कदम यात्रियों की सुरक्षा और यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए उठाया है।

सेवानिवृत्त रेल कर्मी को स्नेहपूर्ण विदाई

कांचरापाड़ा : लंबे समय तक साथ कार्य करने वाले सहकर्मियों ने अपने सेवानिवृत्त साथी को स्नेहपूर्ण विदाई दी। इस अवसर पर कांचरापाड़ा रेलवे कारखाने के कैरेज विभाग के 17 नंबर शॉप में वेलफेयर कमेटी की तरफ से भव्य समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर इस शॉप से सेवानिवृत अरुण कुमार सिंह को सहकर्मियों ने गुलदस्ता एवं अन्य उपहार भेंट कर उनके सुखद जीवन की कामना के साथ विदाई दी। इस दौरान शॉप अधिकारी दीपक कुमार सिंह, अर्जुन शर्मा, मदन विश्वास, रितेश मुखर्जी, गौरव दास, शंकर हेमब्रम व संदीप राय ने अरुण कुमार सिंह द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अरूण कुमार सिंह ने अपनी कर्मठता और सामाजिक भाव से अन्य कर्मचारियों को भी प्रेरित किया है। कार्यक्रम मंच का संचालन कैलाश एवं बीएन ठाकुर ने किया। इस अवसर पर तन्मय बनर्जी, मनोज पासवान, शैलेंद्र कुमार, तुषार कुमार दास, गोविंद कुमार, विशाल कुमार, विप्लव साहा, देव प्रसाद सिंह, लज्यावती देवी, इंदु देवी, उपासना सिंह, चंदन सिंह चिरंतन आईच, वसंत प्रसाद, राजीव कुमार सिंह, सरोज सिंह, रीता मुखर्जी, सोमा, कृष्णा, दीपारनिता, विश्वजीत बाग, प्रदीप धर, अरूप आइच, शशिकांत, श्यामल, तपन दास, मधु, संतोष कुमार सोरेन, आशीष, अनंत गिरि, सुमन मंडल आदि उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे ने यात्रियों के बेवजह अलार्म चेन खींचने से ट्रेन की देरी पर चिंता जताई

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे ने यात्रियों द्वारा बेवजह अलार्म चेन खींचने के मामलों में वृद्धि देखी है, जिससे ट्रेन सेवाओं में देरी और अन्य यात्रियों को असुविधा हो रही है। रेलवे द्वारा लगातार जागरूकता अभियान और कड़े कदमों के बावजूद, कुछ लोग इस सुरक्षा प्रणाली का दुरुपयोग कर रहे हैं। हावड़ा डिवीजन में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 1229 अलार्म चैन खींचने के मामले दर्ज हुए, जिसमें से 1225 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 7.07 लाख जुर्माना वसूला गया। वहीं, वित्तीय वर्ष 2024-25 में ऐसे मामलों की संख्या बढ़कर 1345 हो गई, जिसमें 1070 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 5.59 लाख जुर्माना वसूला गया। 1 अप्रैल से 30 मई 2025 तक ही 203 मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें 179 लोगों को पकड़ा गया और 60,650 का जुर्माना वसूल किया गया। इन मामलों के कारण कई मेल, एक्सप्रेस और पैसेंजर ट्रेनों में देरी हुई है, जिससे न केवल यात्रियों की यात्रा प्रभावित हो रही है बल्कि ट्रेनों के समय पालन और महत्वपूर्ण माल परिवहन पर भी असर पड़ रहा है। यात्रियो द्वारा अलार्म चेन का दुरुपयोग करने पर सख्त कार्रवाई की जा रही है।

पर्पल लाइन पर आज 40 मिनट के अंतराल पर उपलब्ध होगी मेट्रो

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता मेट्रो की पर्पल लाइन की मेट्रो सेवाएं आज तकनीकी कारणों से 40 मिनट के अंतराल पर उपलब्ध रहेंगी। आज कुल 38 सेवाएं (19 अप और 19 डाउन) संचालित की जाएंगी, जबकि सामान्य दिनों में 62 सेवाएं चलती हैं। आज की पहली मेट्रो जोका से सुबह 08:00 बजे प्रस्थान करेगी, जबकि माजेरहाट से सुबह 08:20 बजे रवाना होगी। अंतिम मेट्रो जोका से शाम 08:00 बजे और माजेरहाट से शाम 08:20 बजे रवाना होगी।

सेनको गोल्ड ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 94 प्रतिशत शुद्ध लाभ बढ़ाया

कोलकाता, समाज्ञा : ज्वेलरी रिटेलर सेनको गोल्ड लिमिटेड ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में अपनी समेकित शुद्ध लाभ में 94 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की है। कंपनी का शुद्ध लाभ इस अवधि में 62.44 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 32.17 करोड़ रुपये था। वहीं, समेकित परिचालन राजस्व 1,377.71 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के 1,137.28 करोड़ रुपये से कहीं अधिक है। सेनको गोल्ड के प्रबंध निदेशक और सीईओ सुवंकर सेन ने कहा कि शादी और वेलेंटाइन सीजन में मजबूत मांग के कारण चौथी तिमाही के दौरान कारोबार को काफी बढ़ावा मिला है, जिससे ग्राहक संख्या और बिक्री में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि डायमंड ज्वेलरी में खास तौर पर 38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

पूर्व रेलवे की 11 मेमू को ईएमयू में बदलने की योजना स्थगित

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल द्वारा पहले यह निर्णय लिया गया था कि 11 मेमू सेवाओं को ईएमयू सेवाओं में परिवर्तित किया जाएगा। इसके साथ ही 9 सियालदह/कोलकाता-लालगोला- सियालदह/कोलकाता ईएमयू सेवाओं को दो भागों में विभाजित करने की योजना थी। सियालदह/कोलकाता से कृष्णनगर तक तथा कृष्णनगर से लालगोला तक (और इसके विपरीत)। यह परिवर्तन 4 जून 2025 से प्रभाव में आने वाला था। हालांकि, परिचालन संबंधी आवश्यकताओं के कारण इस योजना को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। अब यह परिवर्तन अगले निर्देश तक लागू नहीं किया जाएगा।

महाप्रबंधक ने मेट्रो के खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए किया सम्मानित

कोलकाता, समाज्ञा : मेट्रो रेलवे के महाप्रबंधक पी. उदय कुमार रेड्डी ने सोमवार को मेट्रो रेल भवन में मेट्रो रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक समारोह में 21 मेट्रो खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया। इन 21 खिलाड़ियों में से 6 ने ब्रिज, शतरंज और टेबल टेनिस जैसी प्रतिस्पर्धाओं में अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लिया और देश के लिए गौरव प्राप्त किया। इन खिलाड़ियों में सुमित मुखर्जी और साग्निक रॉय (ब्रिज), सायंतन दास और मित्रभा गुहा (शतरंज), तथा मिस पॉइमंती बैस्या और मिस मौमिता दत्ता (टेबल टेनिस) शामिल हैं। कॉमनवेल्थ चेस चैंपियनशिप 2024-25 में मित्रभा गुहा ने रैपिड श्रेणी में प्रथम स्थान तथा ब्लिट्ज श्रेणी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

वहीं, मिस पॉइमंती बैस्या और मिस मौमिता दत्ता ने ब्रिक्स गेम्स 2024 में टेबल टेनिस टीम इवेंट में तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त, देबब्रत मजूमदार (ब्रिज), बिश्वजीत हेम्ब्रम, मोहम्मद फारदिन अली मोल्ला, उत्पल मुखर्जी (फुटबॉल), विवेक सिंह, आकाश पांडे, तौफिक उद्दीन मंडल, देबप्रतिम हलदर, अंकित कुमार, शाकिर हबीब गांधी और कौशिक मैती (क्रिकेट), तथा रौनक सिंह, रोशन पंचाल, ओम स्तिता प्रज्ञ और बिनोद राजक (बास्केटबॉल) ने विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। महाप्रबंधक ने इन सभी खिलाड़ियों को हमारा गर्व बताते हुए उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। इस अवसर पर वरिष्ठ मेट्रो अधिकारी भी उपस्थित रहे।

पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन की प्लास्टिक मुक्त और हरित पहल

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन ने विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें थीम के तहत विभिन्न स्टेशन परिसर में पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी कई पहल की हैं। डिविजनल रेलवे मैनेजर डीआरएम संजीव कुमार के नेतृत्व में आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य रेलवे को स्वच्छ, हरित और टिकाऊ बनाना रहा। वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टालों के माध्यम से अजिमगंज, बेगमपुर, मसग्राम, कटवा, ताराकेश्वर, हरिपाल और उत्तरपाड़ा जैसे स्टेशनों ने स्थानीय, प्लास्टिक मुक्त उत्पादों को बढ़ावा दिया, जिससे न केवल पर्यावरण संरक्षण हुआ बल्कि स्थानीय कारीगरों को भी सशक्त बनाया गया। नबाग्राम स्टेशन पर डिजिटल टिकटिंग और पर्यावरण मित्र उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए विशेष अभियान चलाए

गए, जिससे पेपरलेस यात्रा को बढ़ावा मिला। हावड़ा स्टेशन ने पर्यावरण संरक्षण में बायो-टॉयलेट की देखरेख और कचरा प्रबंधन को भी शामिल करते हुए हरित स्टेशन के मानदंड स्थापित किए। रामपुरहाट, पाखुर, त्रिबेणी, हुगली घाट, शेउराफुली और खगड़ाघाट जैसे स्टेशनों ने भी सफाई, कचरा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के प्रचार-प्रसार में सक्रिय भागीदारी निभाई।

पूर्व रेलवे ने सियालदह (दक्षिण) सेक्शन में अतिरिक्त ईएमयू स्पेशल सेवाओं की शुरुआत की

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल ने 5 जून से बालीगंज-नामखाना और बालीगंज-कैनिंग सेक्शन में अतिरिक्त ईएमयू स्पेशल सेवाओं का परिचालन शुरू करने का निर्णय लिया है। यह सेवा प्रारंभिक रूप से परीक्षण आधार पर संचालित की जाएगी। इसके तहत, सोनारपुर-नामखाना ईएमयू स्पेशल, सोनारपुर से 18:35 बजे प्रस्थान करेगी और 20:42 बजे नामखाना पहुंचेगी। नामखाना-बालीगंज ईएमयू स्पेशल, नामखाना से 05:12 बजे चलेगी और 07:27 बजे बालीगंज पहुंचेगी। बालीगंज-कैनिंग ईएमयू स्पेशल बालीगंज से 08:04 बजे चलेगी और 09:11 बजे कैनिंग पहुंचेगी। कैनिंग-बालीगंज ईएमयू स्पेशल, कैनिंग से 09:40 बजे चलेगी और 10:45 बजे बालीगंज पहुंचेगी। बालीगंज-सोनारपुर ईएमयू स्पेशल, बालीगंज से 11:25 बजे चलेगी और 11:46 बजे सोनारपुर पहुंचेगी। इन विशेष ट्रेनों का ठहराव मार्ग में सभी स्टेशनों पर होगा। पूर्व रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि यह कदम यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान करने और भीड़-भाड़ को नियंत्रित करने के लिए उठाया गया है।

99 रूपए से शुरू हो रही शॉप्सी की फैशन सेल, 50% तक की छूट

कोलकाता, समाज्ञा : शॉप्सी, भारत का तेजी से बढ़ता किफायती ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, 30 मई से 8 जून तक अपनी बड़ी एंड ऑफ सीजन फैशन सेल शुरू कर रहा है। इस सेल में 1 करोड़ से अधिक लेटेस्ट स्टाइल्स पर रोजाना 50% तक की छूट मिलेगी। सेल की खासियत है कि फैशन प्रोडक्ट्स की कीमतें 99 रुपये से शुरू होंगी, जिससे ग्राहक कम बजट में भी नए ट्रेंड्स का आनंद उठा सकेंगे। शादी और वेलेंटाइन सीजन की मांग के चलते, इस बार डायमंड ज्वेलरी से लेकर कैजुअल वियर, वुमेंस फैशन, किड्स प्रोडक्ट्स और होम फर्निशिंग तक पर भारी डिस्काउंट दिए जा रहे हैं। खासतौर पर मानसून कूल स्टाइल्स और वर्क फ्रॉम होम कम्फर्ट वियर को लोकप्रियता मिल रही है। शॉप्सी का भरोसेमंद डिलीवरी नेटवर्क पूरे भारत में ग्राहकों तक किफायती और ट्रेंडी प्रोडक्ट्स पहुंचाएगा। यह सेल बजट-सचेत खरीदारों के लिए अपने वार्डरोब और घर को स्टाइलिश और ताज़ा बनाने का शानदार मौका है।

टाटा नमक का नया अभियान बच्चों के मानसिक विकास में आयोडीन की अहमियत बताएगा

कोलकाता, समाज्ञा : देश में आयोडीन युक्त नमक के नंबर 1 ब्रांड टाटा साल्ट ने अपने लोकप्रिय अभियान नमक हो टाटा का टाटा नमक का दूसरा संस्करण आईपीएल फाइनल के दौरान लॉन्च किया है। यह नया अभियान बच्चों के मानसिक विकास में आयोडीन की अहमियत को उजागर करता है। अभियान की आठ भावुक ब्रांड फिल्में घरेलू जीवन के रोजमर्रा के पल दिखाती हैं, जैसे लोरी सुनाती मां, स्कूल में टीचर और खुशहाल परिवार, जिनमें टाटा नमक एक भरोसेमंद साथी के रूप में मौजूद रहता है। इस कैंपेन में भारतीय संस्कृति और विभिन्न भाषाई क्षेत्रों की झलक भी देखने को मिलती है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की प्रेसिडेंट दीपिका भान ने कहा कि यह अभियान उपभोक्ताओं के साथ ब्रांड के रिश्ते को और मजबूत करेगा। ओगिल्वी के क्रिएटिव ऑफिसर अनुराग अग्निहोत्री ने बताया कि अभियान 80 के दशक की यादों को पुनर्जीवित करते हुए आयोडीन के महत्व को मजेदार और यादगार तरीके से प्रस्तुत करता है। यह अभियान देश के कोने-कोने में लोगों तक संदेश पहुंचाएगा।

सियालदह मंडल ने पर्यावरण जागरूकता के लिए चलाया विशेष अभियान

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के सियालदह मंडल ने 2025 की वैश्विक थीम बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन के तहत 2 जून को विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता अभियान का आयोजन किया। यह अभियान पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधन विभाग के नेतृत्व में संचालित हुआ। इस अभियान का प्रमुख आकर्षण वन स्टेशन वन उत्पाद योजना के तहत प्रदर्शित इको-फ्रेंडली उत्पाद रहे, जिनमें बांस से बने टूथब्रश और नीम की लकड़ी से निर्मित कंघियां शामिल थीं। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु ड्राइंग, निबंध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया, जिसमें छात्रों, रेलवे कर्मचारियों एवं यात्रियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्टेशन प्रशासन ने सिंगल यूज प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े और जूट के थैलों के उपयोग को बढ़ावा दिया।

डीआरपीएससी बैठक में एफआईईओ-पूर्वी क्षेत्र अध्यक्ष बिमल बेंगानी ने की पूर्वी क्षेत्र से निर्यात बढ़ाने की अपील

कोलकाता, समाज्ञा : राज्यसभा सांसद एवं डोला सेन की अध्यक्षता में आयोजित डीआरपीएससी ऑन कॉमर्स की बैठक में एफआईईओ (फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन्स) - ईस्टर्न रीजन के क्षेत्रीय अध्यक्ष बिमल बेंगानी ने पूर्वी भारत से निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव रखे। उन्होंने निम्नलिखित बिंदुओं पर जोर दिया : सुविधा शुल्क में कटौती - पूर्वी क्षेत्र से निर्यात में हाल ही में आई भारी गिरावट को देखते हुए, सुविधा शुल्क में कमी लाकर निर्यात को पुनः प्रोत्साहित किया जा सकता है। हरित व्यापार नीतियां - सतत उत्पादों के लिए प्रोत्साहन और व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देना आवश्यक है ताकि पर्यावरण-अनुकूल निर्यात

को बल मिले। छोटे निर्यातकों के लिए निर्यात ऋण योजनाएँ - एमएसएमई और छोटे व्यापारियों को निर्यात के लिए आसान वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स का विकास - प्रत्येक जिले को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से जोड़ने के लिए उन्नत डिजिटल मंचों की आवश्यकता है। गेहूं की भूसी और डीओआरबी के निर्यात की अनुमति - आटा मिल, सॉल्वेंट प्लांट, राइस मिल्स और किसानों को बढ़ावा देने के लिए इन उत्पादों के निर्यात की अनुमति दी जानी चाहिए।

अवैध पार्किंग का निरीक्षण करने पहुंचे एमआईसी के सामने तृणमूल और बीजेपी पार्षद के बीच भिड़ंत

✒ देवाशीष कुमार ने उंगली दिखाकर कराया शांति

कोलकाता, समाज्ञा : पोस्ता और बड़ा बाजार के व्यापक क्षेत्र में अवैध वाहन पार्किंग को लेकर तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के पार्षदों के बीच सड़क पर तीखी बहस हो गई। यह विवाद कोलकाता नगर निगम के मेयर पार्षद देवाशिष कुमार की मौजूदगी में बढ़ गया, जहां दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। इस दौरान तृणमूल के पार्षदों ने अवैध पार्किंग के लिए स्थानीय सांसद सुधीप बंद्योपाध्याय पर भी आरोप लगाए। बहस इतनी बढ़ गई कि मेयर पार्षद को अपने ही दल के पार्षद को उंगली दिखाकर चुप कराने तक की नौबत आ गई। इस पूरी घटनाक्रम को देख आसपास बड़ी संख्या में लोग भी जमा हो गए। बता दें कि कोलकाता नगर निगम की बैठकों में अवैध पार्किंग को लेकर बीजेपी पार्षद बार-बार आवाज उठाते रहे हैं। सोमवार को एमआईसी देवाशिष कुमार खुद उस इलाके का निरीक्षण करने पहुंचे, लेकिन उनकी वहां आने की खबर पहले से ही फैल गई थी। बीजेपी का दावा है कि मेयर पार्षद के आने की सूचना मिलते ही सुबह से ही अवैध पार्किंग का दृश्य गायब हो गया।

निरीक्षण के बाद 22 नंबर वार्ड की बीजेपी पार्षद मीना देवी पुरोहित के कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें हावड़ा ट्रैफिक गार्ड के अधिकारी, 23 नंबर वार्ड के बीजेपी पार्षद विजय ओझा और 42 नंबर वार्ड के तृणमूल पार्षद महेश

शर्मा शामिल थे। बैठक के समाप्ति के बाद तृणमूल पार्षदों ने बीजेपी पार्षदों को अवैध पार्किंग के लिए दोषी ठहराना शुरू कर दिया और स्थानीय सांसद को भी इसमें शामिल बताया। उल्लेखनीय है कि यह क्षेत्र उत्तर कोलकाता लोकसभा क्षेत्र में आता है, जिसके सांसद तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुधीप बंद्योपाध्याय हैं। बहस के दौरान तृणमूल पार्षद बार-बार बीजेपी पार्षदों की ओर उंगली उठाते रहे, जिससे स्थिति और गरमाई। मेयर पार्षद ने अपने दल के पार्षद को चुप रहने का निर्देश दिया, लेकिन 42 नंबर वार्ड के तृणमूल पार्षद महेश शर्मा नहीं रुके। इसके जवाब में बीजेपी पार्षदों ने भी तृणमूल पार्षदों पर कई आरोप लगाए। अंत में मेयर ने कड़क आवाज में उंगली दिखाकर अपनी पार्टी के पार्षद को चुप करवा दिया।

अवैध पार्किंग के मामले पर मेयर पार्षद देवाशिष कुमार ने कहा, हम आज यहां आए और देखा कि कोई समस्या नहीं है। पार्षदों ने भी कहा कि आज कोई समस्या नहीं है। अन्य दिनों में जरूर होती होगी, नहीं तो शिकायत क्यों आएगी। हमने पुलिस के साथ बात की है और भविष्य में भी समय-समय पर जांच होती रहेगी। यहां दिन भर लोडिंग-अनलोडिंग होती है, जो जारी रहेगी, लेकिन नियमों का पालन होना जरूरी है। बीजेपी पार्षद मीना देवी पुरोहित ने कहा, समस्या तो है ही, इसलिए मेयर खुद आए और सब देखा। वहीं, बीजेपी पार्षद विजय ओझा ने कहा, मुझे नहीं पता मेयर के आने की खबर सबको कैसे मिल गई, इसलिए सुबह से सब कुछ ठीक था। तृणमूल पार्षद महेश शर्मा ने बीजेपी पार्षदों पर निशाना साधते हुए कहा, यह समस्या पुरानी है, वाम मोर्चा के समय से। बीजेपी पार्षद सिर्फ बात करते हैं लेकिन कभी शिकायत दर्ज नहीं कराते। वे खुद भी इस मामले में शामिल हैं।

राजारहाट में स्कूटी सीखने के दौरान गिरने से युवती की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : रात की खाली सड़क पर प्रेमी के साथ स्कूटी चलाना सीखना एक किशोरी के लिए जानलेवा साबित हुआ। हादसे में युवती की मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना रविवार की देर रात को राजारहाट-न्यू टाउन इलाके में हुई। मृतका की पहचान पूजा साहा (18) के रूप में हुई है, जो बिधाननगर नगरपालिका के वार्ड पांच के दशद्रोन इलाके की रहने वाली थी। उसने हाल ही में उच्च माध्यमिक परीक्षा पास की थी। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। परिवारवालों के मुताबिक, पूजा कई दिनों से स्कूटी चलाना सीखने की जिद कर रही थी। रविवार की रात उसका प्रेमी शुभंकर भौमिक उसे स्कूटी सिखाने के लिए राजारहाट की सुनसान सड़क पर ले गया था। घटना के वक्त दोनों ने हेलमेट नहीं पहना था। बताया गया कि पूजा खुद स्कूटी चला रही थी जबकि शुभंकर पीछे बैठा था। जब वे माझेरआइट रोड इलाके से गुजर रहे थे, उसी दौरान पूजा स्कूटी पर से नियंत्रण खो बैठी और दोनों सड़क पर गिर पड़े। इस हादसे में पूजा को सिर में गंभीर चोटें आईं। परिजन को सूचित करने के बाद उसे तुरंत एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि स्कूटी की रफ्तार अचानक बढ़ गई थी, जिससे पूजा का संतुलन बिगड़ गया। सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है, जिसमें स्कूटी के फिसलने की पुष्टि हुई है।

उलुबेरिया में नवविवाहिता ने इमारत से कूदकर दी जान

हावड़ा, समाज्ञा : जमाई षष्ठी के मौके पर मायके आई नवविवाहिता ने सोमवार सुबह की बहुमंजिली इमारत से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान प्रीति बाग मजूमदार (25) के रूप में हुई है। घटना उलुबेरिया नगरपालिका के वार्ड 28 के लतिबपुर इलाके में घटी। सूत्रों के अनुसार, प्रीति बाग मजूमदार की शादी छह महीने पहले बागांडा निवासी ऋत्विक मजूमदार से हुई थी। दोनों की पहचान पहले सोशल मीडिया के जरिए हुई थी, जिसके बाद धूमधाम से विवाह हुआ। रविवार को जमाई षष्ठी के मौके पर प्रीति अपने पति के साथ मायके आई थी। परिवार वालों के

अनुसार, दिनभर सबने साथ मिलकर त्योहार मनाया। रात में उसका पति लौट गया जबकि प्रीति मायके में ही रुक गई। प्रीति की मां पुतुल बाग ने बताया कि रात में खाना खाकर हम मां-बेटी काफी देर तक बातें कर रहे थे। फिर कब सो गए, पता ही नहीं चला। सुबह शोरगुल सुनकर आंख खुली। जब दरवाजा खोलने गई तो देखा गेट पर ताला है और चाबी नीचे पड़ी है। जैसे-तैसे बाहर निकलकर नीचे गई तो देखा, मेरी बेटी जमीन पर पड़ी है। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही प्रीति को सस-राल में मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। प्रीति की मां ने साफ तौर पर कहा कि बेटी ने प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या का कदम उठाया है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए उलुबेरिया शरतचंद्र चट्टोपाध्याय मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

दुष्कर्म और हत्या के अपराधी को मिलेगी सजाए मौत : कल्याण बनर्जी

हुगली, समाज्ञा : कोन्नगर के कन्हाईपुर में नाबालिग मूकबधिर के साथ हुए दुष्कर्म के आरोपी असिम मजूमदार को अदालत से मिली तीन की पुलिस रिमांड की मयाद खत्म होने के बाद सोमवार को श्रीरामपुर पोक्सो कोर्ट में पेश किया गया। अभियोजन पक्ष की तरफ से सांसद व अभिवक्ता कल्याण बनर्जी ने वकालत की। कल्याण बनर्जी ने श्रीरामपुर लोकसभा क्षेत्र में एक मूक-बधिर नाबालिका के साथ हुए जघन्यतम बलात्कार और हत्या मामले में श्रीरामपुर कोर्ट में सरकारी वकील के रूप में पेश होकर आरोपी के लिए फांसी की सजा की मांग की। उन्होंने कहा कि श्रीरामपुर

लोकसभा क्षेत्र में अगर किसी भी महिला के ऊपर अत्याचार होता है, तो हम उसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम उसके लिए कड़ी से कड़ी सजा की लड़ाई लड़ेंगे। 13 साल की एक मूक-बधिर नाबालिका के साथ बलात्कार कर उसकी हत्या कर दी गई । यह घटना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकती। यह एक 'रेयर ऑफ द रेयरेस्ट' यानी विरलतम अपराध है। ऐसे आरोपियों को जीवित रहने का कोई अधिकार नहीं है। हम दो महीने के भीतर ट्रायल खत्म करेंगे और माननीय अदालत से निवेदन करेंगे कि आने वाले छह महीने के अंदर आरोपी को फांसी की सजा सुनिश्चित करें। कहा कि श्रीरामपुर लोकसभा केंद्र में ऐसे अपराधियों को सिर्फ सजाये मौत मिलेगी। ममता बनर्जी के निर्देश पर वह यह मामला पीड़ित परिवार के पक्ष में लड़ रहे हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के लिए मोदी-शाह जिम्मेदार : कल्याण बनर्जी

श्रीरामपुर लोकसभा सीट से सांसद कल्याण बनर्जी ने पहलगाम की घटना को लेकर पीएम मोदी शाह पर कथित प्रहार किया कहा कि पहलगाम आतंकी हमला मोदी शाह की विफलता का परिणाम है। पहलगाम घटना के लिए सीधे प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को जिम्मेदार ठहराते हुए श्रीरामपुर के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि उनकी विफलता के कारण ही यह घटना हुई। अगर पहलगाम में यह घटना नहीं होती, तो 'ऑपरेशन सिंदूर' करने की ज़रूरत ही नहीं पड़ती। संसद का सत्र बुलाकर जब 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में बात की जाएगी, तो यह 'ऑपरेशन मोदी' और 'ऑपरेशन अमित शाह' बन जाएगा। मोदी और अमित शाह का समय अब खत्म हो चुका है। दिल्ली की सरकार दो बैसाखियों पर खड़ी है। अमित शाह सबसे बड़े 'रिगिंग मास्टर' हैं - गुजरात से लेकर त्रिपुरा तक चुनाव में धांधली कर उन्होंने जीत हासिल की है। 2026 के चुनाव में बंगाल की जनता भाजपा को सबक सिखा देगी। वे 'ऑपरेशन बंगाल' की बात कर रहे हैं - वे चाहते हैं कि आप और हम जैसे आम लोगों को मार डाला जाए। बंगाल में अगर एक पत्थर भी फेंका जाता है, तो कई कंपनियां सीआरपीएफ और बीएसएफ की भेजी जाती हैं। चुनाव में 1500 कंपनियां सीआरपीएफ और बीएसएफ की तैनात की जाती हैं। उनके पास सब कुछ है - बस बंगाल की जनता उनके साथ नहीं है। पहलगाम हमले से पहले क्या केंद्र सरकार और बीएसएफ के पास कोई इंटेलिजेंस इनपुट नहीं था? उग्रवादी देश की सीमा पार कर इस तरह घटना को अंजाम देकर पैदल ही सीमा पार कैसे कर गए? वे बीएसएफ का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाए या किसी स्वार्थ के तहत जानबूझकर नहीं किया।

बेहला में बस से उतरते समय साड़ी में फंसकर गिरने से महिला की मौत

कोलकाता, समाज्ञा : बेहाला इलाके में सोमवार की सुबह सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। वह रायदिघी से धर्मतला जा रही थीं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतका की पहचान यमुना मंडल (46) के रूप में हुई है। हादसा बेहाला के सखेरबाजार मोड़ पर सुबह करीब 9.30 बजे हुआ, जब वह रोज की तरह बस से उतर रही थीं। उसी समय उनका संतुलन बिगड़ा और वह सड़क पर गिर गईं। इसी दौरान बस का पिछला पहिया उनके ऊपर चढ़ गया। हादसे की जानकारी मिलते ही ठाकुरपुकुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को तत्काल बेहाला के विद्यासागर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया है और घटना में शामिल बस को जब्त कर थाने ले जाया गया है। घटना के कारण इलाके में कुछ देर के लिए यातायात बाधित रहा।

सुंदरवन में महिला से दुष्कर्म के आरोप में वृद्ध को बिजली के खंभे से बांधकर सामूहिक पिटाई

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिला के सुंदरवन के कोस्टल थाना अंतर्गत नंबर 8 कालिदासपुर इलाके में एक महिला से दुष्कर्म के आरोप में स्थानीय लोगों ने एक वृद्ध को बिजली के खंभे से बांधकर सामूहिक पिटाई की। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को बचाया और उसे एक स्थानीय चिकित्सा केंद्र ले जाया गया। बाद में, जब व्यक्ति की शारीरिक स्थिति बिगड़ गई, तो डॉक्टरों ने उसे कैनिंग उपजिला अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया। घायल व्यक्ति का नाम बिमल मंडल (63) है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बिमल रात में एक पड़ोसी महिला के घर में घुस गया और उसने कथित तौर पर उसके साथ छेड़छाड़ और दुष्कर्म किया। उसके बाद, स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी हो गई और उन्होंने बिमल की सामूहिक पिटाई कर दी। पुलिस ने इस बात की जांच शुरू कर दी है कि आखिर क्यों व्यक्ति को बिजली के खंभे से बांधकर सामूहिक पिटाई की गई।

नदी में नहाने गए युवक की डूबने से मौत

आसनसोल : पश्चिम बर्दवान जिले के बर्नपुर इलाके में दामोदर नदी में नहाते समय एक युवक की डूबने से मौत हो गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मब गई। मृतक की पहचान मनु वर्मा (36) के रूप में हुई है, जो श्यामबांध कैटीन पाड़ा, बर्नपुर का निवासी था। जब स्थानीय लोग दामोदर नदी के किनारे पहुंचे, तो उन्होंने एक शव को पानी में तैरता देखा। तुरंत हिरापुर थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने शव को बाहर निकाला और आसनसोल जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

शालीमार स्टेशन परिसर में फिर अवैध वसूली का आरोप, टोटो चालकों ने की शिकायत

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के शालीमार स्टेशन परिसर में एक बार फिर अवैध वसूली का मामला सामने आया है। संदीप दास नामक एक टोटो चालक ने आरोप लगाया है कि कुछ लोग सभी चालकों से पार्किंग शुल्क के नाम पर अवैध रूप से 30 रुपये वसूल रहे हैं, लेकिन किसी को भी उसकी कोई रसीद नहीं दी जा रही। विरोध करने पर संदीप के साथ मारपीट की गई और उसे धमकाया भी गया।

इस घटना के खिलाफ संदीप ने मुख्यमंत्री कार्यालय, पुलिस आयुक्त और हावड़ा सिटी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को मेल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराई है। उसने मामले की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। गौरतलब है कि कुछ महीने पहले भी शालीमार स्टेशन के पास इसी तरह की अवैध वसूली की शिकायत पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नाराजगी जताई थी, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई थी और क्षेत्र में स्थिति सामान्य हुई थी। हालांकि अब एक बार फिर इसी तरह की गतिविधियों की खबर सामने आने से सवाल उठने लगे हैं।

इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए हावड़ा सिटी पुलिस के डिप्टी कमिश्नर (सेंट्रल) विश्वजीत माहतो ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। वहीं, शिकायतकर्ता संदीप दास का कहना है कि वह स्वयं तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा हुआ है और जिन लोगों पर अवैध वसूली का आरोप है, वे भी उसी पार्टी से हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे लोग पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। दूसरी ओर, दक्षिण हावड़ा तृणमूल कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष सैकेत चौधरी ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी घटना की जानकारी नहीं है और प्रथम दृष्टया ये आरोप निराधार लगते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि कुछ लोग पार्टी को बदनाम करने की नीयत से इस तरह की हरकतें कर सकते हैं। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

अनुव्रत मंडल की मेडिकल रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने वाले डॉक्टर को लेकर छिड़ा विवाद

कोविड टेस्ट कराएंगे तृणमूल नेता, कहा... 'मेरी तबीयत खराब हैं'

बीरभूम : बीरभूम के तृणमूल नेता अनुव्रत मंडल की मेडिकल रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने वाले डाक्टर को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल अनुव्रत के वकील ने पुलिस को एक मेडिकल रिपोर्ट सौंपी थी, जिसमें कहा गया कि डाक्टर ने उन्हें पांच दिन तक पूरी तरह आराम करने को कहा है। अनुव्रत जिले के बोलपुर पुलिस थाने के आइसी लिटन हलदर को धमकाने और गाली देने के मामले में लगातार दो दिनों से पुलिस समन से बच रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार, जांचकर्ताओं को सौंपी गई अनुव्रत की मेडिकल रिपोर्ट शांतिनिकेतन

मेडिकल कालेज की है। मेडिकल रिपोर्ट पर हिटलर चौधरी नाम के डाक्टर के हस्ताक्षर हैं। रामपुरहाट एक के ब्लाक स्वास्थ्य अधिकारी (बीएमओएच) का नाम भी हिटलर चौधरी है। विवाद इसी पर है। सवाल यह उठ रहा है कि बीएमओएच के पद पर होने के बावजूद वे निजी अस्पताल में मरीजों को कैसे देख रहे हैं और मेडिकल रिपोर्ट कैसे तैयार कर रहे हैं? तो क्या अनुव्रत की मेडिकल रिपोर्ट अवैध है? हालांकि, पुलिस ने आधिकारिक तौर पर यह नहीं बताया है कि अनुव्रत की मेडिकल रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने वाले डाक्टर और रामपुरहाट-एक के बीएमओएच एक ही व्यक्ति हैं या नहीं। बीएमओएच हिटलर का घर मल्लारपुर में है। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने चीन के एक कालेज से मेडिकल पास किया था। अनुव्रत ने सोमवार को कहा कि मेरे गले में बहुत दर्द है। बुखार भी है। बहुत खासी व सर्दी भी है। मैं कल कोविड टेस्ट कराऊंगा।

शरत बोस रोड स्थित होटल में लगी आग, 50 से ज्यादा लोगों की बची जान

कोलकाता, समाज्ञा : शहर कोलकाता के एक होटल में फिर भीषण अगलगी की घटना घटी। आग दक्षिण कोलकाता के शरत बोस रोड स्थित एक होटल में देर रात को लगी। उस समय होटल में कम से कम 50 लोग थे। मौके पर पहुंची 5 दमकल गाड़ियों ने स्थिति पर काबू पाया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। होटल में मौजूद लोगों को दमकल ने बचा लिया लेकिन उक्त घटना से निगम सहित पुलिस व दमकल की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार की देर रात करीब 1 बजे अचानक होटल के कॉन्फ्रेंस रूम में आग लग गई। देखते ही देखते पूरे होटल में काला धुआं फैल गया। उस समय होटल में कम से कम 50 लोग थे। दमकल विभाग को सूचना दी गई। आनन-फानन में 3 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची। हालांकि, इसके बावजूद आग पर काबू पाना संभव नहीं था। इसलिए दमकल गाड़ियों की संख्या और बढ़ा दी गई। आखिरकार, पांच दमकल गाड़ियों की करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना में होटल को काफी नुकसान पहुंचा है। हालांकि, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

बकुलतला में पड़ोसी की हत्या कर आरोपी ने थाने में किया आत्मसमर्पण

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण 24 परगना जिला के बकुलतला इलाके में सोमवार को सनसनीखेज घटना घटी। राजकुमार हलदर (40) नामक मछली व्यापारी पर धारदार हथियार से हमला किया गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। हत्या के बाद बलराम अधिकारी नामक व्यक्ति ने पुलिस थाने में आत्मसमर्पण कर दिया। उसने पुलिस के सामने दावा किया कि उसने राजकुमार की हत्या की है। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। घटना जयनगर 2 नंबर ब्लॉक के बकुलतला थाना अंतर्गत फूटीगोड़ा इलाके के दोसरा भगवानपुर इलाके की है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृतक राजकुमार हलधर की नीमपीठ बाजार में दुकान थी। सोमवार की दोपहर वह अपने पड़ोसी बलराम अधिकारी के घर के सामने एक छोटे से मंदिर में फर्श पर आराम कर रहे थे। तभी, बलराम ने अचानक धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया और उस पर अंधाधुंध वार करना शुरू कर दिया। राजकुमार की चीखें सुनकर पड़ोसी दौड़कर आये। राजकुमार को गंभीर रूप से घायल अवस्था में निमिथ श्री रामकृष्ण ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। हालांकि, पुलिस ने अभी तक गला रेतकर हत्या इस बात की पुष्टि नहीं की है कि राजकुमार की बेरहमी से हत्या क्यों की गई। कई स्थानीय लोगों ने बताया कि राजकुमार और बलराम के बीच लंबे समय से कोई विवाद नहीं था। हालांकि, कुछ दिन पहले किसी कारण से दोनों के बीच झगड़ा हो गया। कुछ लोग जमीन को लेकर पुराने विवादों का भी जिक्र कर रहे हैं। घटना के बाद इलाके में शोक की छाया छा गई है। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। तनाव को रोकने के लिए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

न्यूटाउन में एक घर से महिला का क्षत-विक्षत शव बरामद

कोलकाता, समाज्ञा : न्यूटाउन थाना अंतर्गत ज्योतिनगर में एक घर से एक महिला का क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया। महिला किराए के मकान में अकेली रहती थी। यह आत्महत्या थी या हत्या, इसका पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हालांकि, महिला का शव बरामद होने को लेकर इलाके में रहस्य गहरा गया है। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, मृत महिला का नाम पम्पा दास (30) है। वह वास्तव में उत्तर 24 परगना के नैजाट इलाके की रहने वाली है। लेकिन, वह ज्योतिनगर में किराए के मकान में अकेली रहती थी। उसका पेशा क्या था, यह कोई नहीं जानता। पता चला है कि

पड़ोसियों ने पिछले तीन दिनों से पम्पा को घर से बाहर नहीं निकलते देखा था। वह सड़क पर भी किसी को नहीं दिखी थी। नतीजतन, इस पर, स्थानीय निवासियों को कुछ संदेह हुआ। इसीलिए, रविवार की दोपहर आसपास के लोग उसे खोजने के लिए घर की ओर गए। लेकिन जैसे ही वे घर के सामने गए तो सड़ी हुई गंध उनके नाक से गई। तत्काल न्यूटाउन थाने की पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस शाम तक मौके पर गई और घर से महिला का क्षत-विक्षत शव बरामद किया। पुलिस ने बताया कि शव फंदे से लटका हुआ था। पंपा देवी ने आत्महत्या की या किसी ने उसे अकेला पाकर उसकी हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया, इसकी जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। इसकी सूचना पंपा दास के नैजाट स्थित घर पर दे दी गई है। कुल मिलाकर इस मौत से इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने जांच के लिए घर के उस कमरे को सील कर दिया है। साथ ही, घर के आसपास के इलाके की भी घेराबंदी कर दी गई है।

दुर्गापुर महकमा अस्पताल के आपातकालीन विभाग में तोड़फोड़, छह गिरफ्तार

दुर्गापुर : दुर्गापुर के महकमा अस्पताल में रविवार रात एक बड़ी घटना घटी, जब अस्पताल के आपातकालीन विभाग में कथित तौर पर तोड़फोड़ की गई। इस घटना में शामिल होने के आरोप में बिधाननगर फाड़ी की पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है और बाकी की तलाश जारी है। गौरतलब है कि रविवार की देर रात बाइक दुर्घटना में घायल एक युवक इलाज के लिए अस्पताल आया। उसके साथ उसके 17 दोस्त भी आए थे, जिन्होंने दावा किया कि वे घायल युवक के मित्र हैं। प्राथमिक उपचार के बाद घायल युवक को एक इंजेक्शन लगाने के लिए एक अन्य कमरे में भेजा गया। आरोप है कि घायल युवक के दोस्त जबर्दस्ती इंजेक्शन रूम में एक साथ घुसने की कोशिश करने लगे। जब सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोका, तो उन्होंने अस्पताल में तोड़फोड़ शुरू कर दी। यह भी आरोप है कि घायल युवक के दोस्त नशे में थे। उन्होंने अस्पताल के मैनेजर मोहन मुर्मू पर भी हमला किया और उन्हें पीटा। मोहन मुर्मू ने कहा कि हमें सुरक्षा की भारी कमी महसूस हो रही है। रात 11:30 बजे से लेकर करीब 2-2:30 बजे तक लगातार अशांति और तोड़फोड़ चलती रही। इस हालात में अस्पताल में काम करना मुश्किल है। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रशासन ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

कुशल संगठक एवं योजक थे जैथलिया जी : डॉ शीतला प्रसाद दूबे

कोलकाता, समाज्ञा : प्रख्यात समाजसेवी साहित्यकार एवं श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय के पूर्व अध्यक्ष स्व. जुगलकिशोर जैथलिया की 9वीं पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को पुस्तकालय कक्ष में उनका भावपूर्ण स्मरण किया गया। इस स्मरण सभा की अध्यक्षता महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष डॉ. शीतला प्रसाद दूबे ने की। डॉ. दूबे ने कहा कि संगठन का काम विगत को नहीं बल्कि भविष्य के आह्वान का काम है और यह नकार से नहीं स्वीकार से आरंभ होता है। जैथलिया जी ने अपने संपूर्ण जीवन में भविष्य के कार्यकर्ता बनाने का बेजोड़ कार्य किया है। वे सचमुच में कुशल संगठक के साथ कुशल योजक थे। स्मरण सभा में सर्वश्री अजयेन्द्रनाथ त्रिवेदी, डॉ प्रेमशंकर त्रिपाठी, प्रो. कृपाशंकर चौबे, पवन कुमार धेलिया, मनीष जैन, डॉ. किशन

अध्यक्षीय वक्तव्य देते हुए डॉ. शीतला प्रसाद दूबे। मंच पर बाएं से सत्यप्रकाश राय, डॉ. प्रेमशंकर त्रिपाठी, प्रो. कृपाशंकर चौबे एवं बंशीधर शर्मा उपस्थित हैं।

कलवानी, रामपुकार सिंह, बृजेंद्र पटेल एवं अमित ओझा ने जैथलिया जी के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक अवदान पर अपने विचार रखे। आरंभ में सुनील गुप्ता ने संगठन गीत प्रस्तुत किया। जुगलजी के जीवनवृत्त की रूपरेखा कुमारसभा के अध्यक्ष महावीर बजाज ने प्रस्तुत की। सत्यप्रकाश राय ने संचालन किया तथा अरुण प्रकाश मल्लावत ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में बंशीधर शर्मा, सागरमल गुप्त, मोहनलाल पारीक, नंदकुमार लढ़ा, रामेश्वर नाथ मिश्र, चंद्रकुमार जैन, दुर्गा व्यास, सुधा जैन, दयाशंकर मिश्र, रामचंद्र अग्रवाल, तेजबहादुर सिंह, अजय चौबे, जे.जे मिश्रा,गोविंद जैथलिया, हरभजन सिंह, जनार्दन प्रसाद यादव, राजाराम बियानी, भागीरथ सारस्वत, संजय रस्तोगी, श्रीमोहन तिवारी अशोक दूबे एवं अरुण सिंह समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बांकुड़ा में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में दर्जी गिरफ्तार

बांकुड़ा : बांकुड़ा जिले की छातना थाने की पुलिस ने एक सात वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म करने के आरोप में रविवार की रात एक दर्जी को गिरफ्तार किया है। नाबालिग के परिवार ने आरोपित के लिए फांसी की सजा की मांग की है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, रविवार को छुट्टी के दिन नाबालिग के परिजन खाना-पीना खाकर घर में सो रहे थे। नाबालिग गुड़िया से खेलने के लिए कपड़े की तलाश में पड़ोस में ही एक दर्जी की दुकान पर गई थी। आरोप है कि 57 वर्षीय शेख अहिया नामक दर्जी नाबालिग को कपड़े का टुकड़ा दिखाकर दुकान में ले गया। फिर, दुकान का शटर गिराकर नाबालिग के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म

किया। बाद में, मामला प्रकाश में आते ही पीड़िता के परिजनों ने छातना थाने में पहुंचकर शेख अहिया के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। रविवार की रात आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। छातना थाने की पुलिस ने आरोपित के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 65(2) और पोक्सो एक्ट की धारा 4/6 के तहत मामला दर्ज कर सोमवार बांकुड़ा जिला न्यायालय में पेश किया।

न्यूज इन ब्रीफ

उप्र के 16 जिलों में बनेंगे 1000 मीट्रिक टन क्षमता तक के गोदाम

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने किसानों की सुविधा के लिए राज्य के 16 जिलों में 24 बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) के माध्यम से 1000 मीट्रिक टन तक की क्षमता वाले गोदाम बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के अनुसार, यह परियोजना विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के तहत संचालित की जा रही है। इसमें कहा गया है कि इस योजना से किसानों को उनके कृषि उत्पादों के भंडारण की बेहतर सुविधा मिलेगी जिससे उन्हें फसल बेचने में जल्दबाजी नहीं करनी पड़ेगी और उचित दाम मिल सकेगा। इसके अलावा इन गोदामों से कृषि, उद्योग तथा रोजमर्रा की वस्तुओं के वितरण और विक्रय का भी सशक्त प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। बयान में कहा गया कि लखनऊ, बाराबंकी, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच, रायबरेली, एटा, मथुरा, फर्रुखाबाद, लखीमपुर खीरी, कानपुर नगर, महाराजगंज, कुशीनगर, जालौन, पीलीभीत और झांसी में इन गोदामों का निर्माण किया जा रहा है।

बलिया में नाबालिग को अगवाकर दुष्कर्म किया, आरोपी गिरफ्तार

बलिया (उप्र) : बलिया जिले में 15 वर्षीय लड़की को अगवाकर उससे दुष्कर्म करने के आरोप में एक युवक को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सहतवार थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी नाबालिग लड़की को उसी गांव का प्रेम कुमार राम 25 मई को बहला-फुसलाकर अगवा करके मध्यप्रदेश के सतना ले गया और कथित तौर पर उससे दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि किशोरी के पिता ने पीड़िता को सतना से मुक्त करा लिया। पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में राम दरबार, परिसर के अन्य मंदिरों में मंगलवार से होगी प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या (उप्र) : अयोध्या के भव्य राम मंदिर के राम दरबार और परिसर के अन्य मंदिरों में मंगलवार से शुरू हो रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। पुलिस और नागरिक प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि भव्य राम मंदिर के राम दरबार और परिसर के अन्य मंदिरों में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए एक अभेद्य सुरक्षा और प्रबंधन योजना तैयार की गई है। सोमवार शाम से ही उप्र पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) के कमांडो ने आधा दर्जन बख्तरबंद वाहनों के साथ 'रेड जोन' में मंदिर परिसर की सुरक्षा की कमान संभाल ली है। अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गौरव ग्रोवर ने बताया कि मंदिर परिसर में चौबीसों घंटे निगरानी की योजना बनाई गई है, जिसके तहत तीन पालियों में कमांडो को तैनात किया गया है। राम मंदिर के गर्भगृह में प्राण प्रतिष्ठा के बाद, जब श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम दरबार और परिसर के अन्य मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान की योजना बनाई है। बयान के अनुसार, इस ऐतिहासिक अवसर पर राम मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार की स्थापना सहित परकोटे में स्थित छह अन्य मंदिरों में मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस आयोजन के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली हैं, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई अति विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। बयान में कहा गया कि अनुष्ठान की शुरुआत सोमवार शाम सरयू तट से भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारंभ हुई। यह यात्रा वीणा चौक, रामपथ, सिंगार हाट और रंग महल बैरियर से होते हुए राम जन्मभूमि मंदिर परिसर पहुंची। तीन और चार जून को सुबह 6:30 बजे से 12 घंटे तक अनुष्ठान होंगे, जिसमें 1975 मंत्रों के साथ अग्नि देवता को आहुति दी जाएगी। इसके साथ ही हनुमान चालीसा आदि का पाठ किया जाएगा। मुख्य समारोह पांच जून को होगा, जिसमें राम दरबार (श्री राम, सीता, लक्ष्मण और हनुमान) की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के साथ-साथ छह अन्य मंदिरों में देव प्रतिमाओं की स्थापना होगी।

राहुल ने एमपी-एमएलए अदालत में व्यक्तिगत पेशी को चुनौती देने के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया

रांची : लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने चाईबासा में सांसद-विधायक संबंधी विशेष अदालत के समक्ष व्यक्तिगत पेशी के आदेश को चुनौती देने के लिए सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय का रुख किया। गांधी को 26 जून को चाईबासा की एमपी-एमएलए अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया गया है। कांग्रेस सांसद के खिलाफ प्रताप कुमार नामक व्यक्ति ने 2018 में चाईबासा में आयोजित एक रैली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक बयान देने के लिए मानहानि का मामला दर्ज कराया है। गांधी ने अपनी याचिका में उल्लेख किया है कि उन्होंने मामले के इस चरण में चाईबासा अदालत में पेश होने से छूट का अनुरोध करते हुए पहले ही याचिका दायर कर दी है। नेता प्रतिपक्ष की याचिका में कहा गया है कि पेश होने से छूट की अर्जी उच्च न्यायालय में निर्णय के लिए लंबित है। इस तथ्य के बावजूद, अधीनस्थ अदालत ने गांधी को राहत देने से इनकार कर दिया और उन्हें चाईबासा में एमपी-एमएलए अदालत के समक्ष व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया।

न्यूज अपडेट

सजगता, सतर्कता और संवाद से बेहतर बनी रहेगी कानून व्यवस्था: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनहित सर्वोपरि' को शासन का मूल मंत्र बताते हुए अधिकारियों से कहा कि सजगता, सतर्कता और संवाद से कानून व्यवस्था बेहतर रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि फील्ड में तैनात प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को संवाद, सजगता और सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री सोमवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रदेश की कानून-व्यवस्था, जनसुनवाई व्यवस्था और आगामी पर्व-त्योहारों के तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि क्षेत्र में विवाद की स्थिति में संबंधित थाना 'तहरीर' की प्रतीक्षा न करे, आवश्यक कदम तत्काल उठाए जाएं ताकि प्रदेश में शांति, सुरक्षा और सौहार्द का माहौल बना रहे। योगी ने अधिकारियों की त्योहारों को लेकर जिम्मेदारी तय करते हुए कहा कि पांच जून को गंगा दशहरा, सात जून को बकरीद और 24 जून को जगन्नाथ रथ यात्रा के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि बकरीद पर कुर्बानी के लिए पूर्व निर्धारित स्थल चिन्हित हों और सड़क मार्ग अवरुद्ध करके नमाज की अनुमति न हो।

बिहार में कानून-व्यवस्था आपराधिक अव्यवस्था से ग्रस्त : तेजस्वी

पटना : राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि बिहार में कानून-व्यवस्था 'आपराधिक अव्यवस्था' से ग्रस्त है, जहां सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) आगामी विधानसभा चुनावों में 'बहुत व्यस्त' है। राज्य में विपक्ष के नेता यादव ने एक लड़की के साथ हुए बलात्कार और हमले के कुछ दिनों बाद हुई उसकी मौत के संदर्भ में यह टिप्पणी की। राजद नेता ने कहा, राज्य में एक मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्री हैं, लेकिन उनमें से किसी ने भी अभी तक इस भयावह घटना पर खेद व्यक्त करने की जहमत नहीं उठाई है। कानून-व्यवस्था आपराधिक अव्यवस्था से ग्रस्त है। वे चुनावों में इतने व्यस्त हैं कि उन्हें बिहार और उसके लोगों की कोई परवाह नहीं है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह लड़की के शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी जाने की योजना बना रहे हैं, पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, मैं दुख की घड़ी में हमेशा लोगों के साथ खड़ा रहता हूं। हाल की सैन्य कार्रवाइयों के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के घर जाकर श्रद्धांजलि देना मैंने अपना कर्तव्य समझा। राजद नेता ने आरोप लगाया, दूसरी ओर, प्रधानमंत्री के पास बिहार के दो दिवसीय दौरे पर रोड शो के लिए पर्याप्त समय था, लेकिन शहीदों के शोक संतप्त परिजनों के लिए नहीं। उनके द्वारा उद्घाटन किया गया नया टर्मिनल भी चुनावी स्टंट जैसा लगता है। मैं अभी पटना लौटा हूं और पाया कि नया टर्मिनल अभी चालू नहीं हुआ है।

राजस्थान : गेमिंग ऐप में पांच लाख रुपये हारने के बाद एक व्यक्ति और उसकी पत्नी ने की आत्महत्या

कोटा (राजस्थान) : राजस्थान के कोटा जिले में कथित रूप से ऑनलाइन जुए में करीब पांच लाख रुपये हार जाने के बाद एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी संग आत्महत्या कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि सोमवार सुबह जिले के खेड़ा रामपुर गांव में दीपक राठौर और उसकी पत्नी राजेश राठौर घर में फांसी से लटके पाये गये। पुलिस का कहना है कि बताया जा रहा है कि दंपत्ति ने रविवार रात स्थानीय बाजार से नायलॉन की रस्सी खरीदी और खाना खाने के बाद फांसी लगा ली। पुलिस उपाधीक्षक राजेश ढाका ने बताया कि सोमवार सुबह जब दीपक के पिता ने दीपक के कमरे का दरवाजा खटखटाया तो कोई जवाब नहीं मिला और फिर दरवाजा तोड़ने पर दोनों अंदर फांसी पर लटके मिले। पुलिस ने कहा कि कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। दीपक के परिवार के सदस्यों के अनुसार, हाल में ऑनलाइन जुआ खेलते हुए वह करीब पांच लाख रुपये गंवा बैठा था और उदास था। परिवार के सदस्यों के मुताबिक कुछ दिन पहले दीपक ने अपनी पत्नी की बड़ी बहन से फोन पर बात की थी और उसे अपनी परेशानी बताई थी तथा कहा था कि उसके पास आत्महत्या करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है।

अपराध और अपराधियों को 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति जारी रखेंगे: डीजीपी राजीव कृष्ण

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के नव नियुक्त कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने सोमवार को सरकार की प्राथमिकता को विशेष महत्व देते हुए कहा कि अपराध और अपराधियों को 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति नए जोश के साथ जारी रखी जाएगी। राजीव कृष्ण ने कार्यभार संभालने के ठीक दो दिन बाद यहां अपने पहले संवाददाता सम्मेलन में कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध और साइबर अपराध को रोकने पर विशेष ध्यान है। वर्ष 1991 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी राजीव कृष्ण ने शनिवार को उप्र पुलिस मुख्यालय में अपने पूर्ववर्ती प्रशांत कुमार से औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर आभार जताया और भरोसा दिया कि वह राज्य सरकार की प्राथमिकताओं (अपराध और भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करना, महिला सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की उत्कृष्टता) को पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के रूप में अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कृष्ण ने दुनिया के सबसे बड़े पुलिस बल का नेतृत्व करने के लिए उन पर भरोसा जताने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने राज्य में पुलिस व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एक व्यापक 10 सूत्री एजेंडे पर जोर दिया। कृष्ण ने कहा, यह एक बड़ी जिम्मेदारी है और मैं उत्तर प्रदेश पुलिस को उत्कृष्टता की अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हूं। उन्होंने कहा कि पुलिस अपराधियों, विशेषकर संगठित आपराधिक गिरोहों के विरुद्ध कठोर रुख अपनाएगी।

राजस्थान: युवक ने 'दृश्यम' की तर्ज पर बुजुर्ग महिला की हत्या की, शव को जलाया

उदयपुर : उदयपुर में एक युवक ने कथित तौर पर हिंदी फिल्म दृश्यम की तर्ज पर एक बुजुर्ग महिला की हत्या की, उसके शव को जलाया और अवशेषों को झील में फेंक दिया। पुलिस ने सोमवार को यह दावा करते हुए बताया कि आरोपी को पकड़ लिया गया है। उदयपुर के सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) मनीष कुमार ने बताया कि आरोपी रमेश लोहार पांचवीं कक्षा के बाद स्कूल नहीं गया और उसे 'क्राइम पेट्रोल' जैसे अपराध केंद्रित शो देखना पसंद है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने महिला चांदी बाई (70) के गहने लेने के लिए उसे मारा। पुलिस के अनुसार, ढोली जाति की चांदी बाई नौ जनवरी को एक कार्यक्रम में ढोल बजा रही थी तो आरोपी ने उसे देखा। चांदी बाई ने चांदी और सोने के कई आभूषण पहने हुए थे। पुलिस ने बताया कि रमेश ने 22 फरवरी को चांदी बाई को एक कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के लिए 1,100 रुपये की पेशकश करके अपनी वैन में बैठाया। इसके बाद वह घंटों गाड़ी चलाता रहा और अधिकारियों को गुमराह करने के लिए अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया। कुमार ने बताया कि रात में आरोपी उसे एक सुनसान जगह पर ले गया और उसके सिर पर कई बार पेचकस से वार किया। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद आरोपी ने उसके आभूषण उतारे, उसका मोबाइल फोन बंद कर दिया और मोबाइल फोन के साथ उसका बैग पास के जंगल में फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि इसके बाद रमेश गाड़ी में शव को लेकर 'डंपिंग यार्ड' में गया और वहां शव को कूड़ा-करकट से ढक दिया और यह सुनिश्चित करने के लिए उसमें आग लगा दी कि कोई निशान न बचे। आरोपी अगली सुबह महिला के अवशेषों को एकत्र करने के लिए 'डंपिंग यार्ड' में दोबारा गया और उन्हें एकत्र करके झील में फेंक दिया। पुलिस अधिकारी के अनुसार, आरोपी को लगता था कि फिल्म दृश्यम की तरह अगर शव नहीं मिला तो वह पकड़ा नहीं जाएगा। हालांकि, अपराधी मात खा गया क्योंकि पुलिस को डंपिंग यार्ड में महिला की खोपड़ी के छोटे-छोटे टुकड़े मिले थे। फोरेंसिक जांच के दौरान रमेश की वैन में खून के धब्बे और मानव बाल भी पाए गए।

समाज्ञा धर्म-अध्यात्म

व्रत - त्यौहार

03.06.2025 : धूमावती जयन्ती, मासिक दुर्गाष्टमी

04.06.2025 : महेश नवमी

05.06.2025 : गंगा दशहरा

06.06.2025 : निर्जना एकादशी व्रत

धन संपत्ति में वृद्धि के लिए लक्ष्मी जी को चढ़ाएं पीली कौड़ियां

माता लक्ष्मी को धन, वैभव और शुभता की देवी माना जाता है। उनकी पूजा में पीली कौड़ियों का उपयोग करना एक प्राचीन परंपरा है, जो आज भी श्रद्धा और विश्वास के साथ निभाई जाती है। माना जाता है कि शुक्रवार की संध्या के समय यदि विधिपूर्वक लक्ष्मी को पूजा में पीली कौड़ियां अर्पित की जाएं, तो विशेष कृपा प्राप्त होती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इस लेख में हम जानेंगे पीली कौड़ियां चढ़ाने की विधि और इससे मिलने वाले लाभों के बारे में।

माता लक्ष्मी को पीली कौड़ियां चढ़ाने के लाभ

धन और समृद्धि में वृद्धि

पीली कौड़ियां लक्ष्मी तत्व की प्रतीक मानी जाती हैं। इन्हें चढ़ाने से आर्थिक स्थिरता और धन में वृद्धि का योग बनता है, क्योंकि माता लक्ष्मी और कौड़ी दोनों की उत्पत्ति समुद्र से मानी जाती है।

वास्तु दोष का निवारण

घर की तिजोरी, मंदिर या धन स्थान पर पीली कौड़ियां रखने से वास्तु दोष दूर होते हैं और स्थायी धन की प्राप्ति होती है।

नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा

पीली कौड़ियां घर को बुरी नजर, तंत्र बाधा और अन्य नकारात्मक शक्तियों से बचाने का कार्य करती हैं।

वैवाहिक सुख में वृद्धि

लक्ष्मी जी केवल धन की ही नहीं, बल्कि सौंदर्य और ऐश्वर्य की भी देवी हैं। पीली कौड़ियों के उपयोग से आकर्षण, प्रेम और दांपत्य जीवन में मधुरता आती है।

ग्रह दोषों का समाधान

ये कौड़ियां शुक्र, चंद्र और गुरु जैसे शुभ ग्रहों की ऊर्जा को सक्रिय करती हैं, साथ ही राहु-केतु जैसे छाया ग्रहों के नकारात्मक प्रभाव को कम करती हैं।

पीली कौड़ियां अर्पित करने की विधि

शुक्रवार को स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। सूर्यास्त के बाद प्रदोष काल में लक्ष्मी माता की प्रतिमा या चित्र के सामने पूजा की व्यवस्था करें। इसके बाद हल्दी, अक्षत, गुलाब या कमल के फूल, कमलगट्टा, धूप और दीप अर्पित करें। फिर 5, 7 या 11 पीली कौड़ियां देवी को समर्पित करें। ध्यान रखें कि कौड़ियां टूटी या गंदी न हों।

मंत्र

इस दौरान ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं महालक्ष्म्यै नमः मंत्र का कम से कम एक माला जाप करें।

पूजा के बाद क्या करें?

पूजा में अर्पित की गई पीली कौड़ियों को लाल या पीले कपड़े में बांधकर तिजोरी या धन स्थान पर रखें। ऐसा करने से घर में धन का प्रवाह बना रहता है और मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है।

5 जून को मनाया जाएगा गंगा दशहरा का पर्व

श्री रामचरित मानस के अयोध्या कांड में गोस्वामी तुलसीदास जी ने जीवनदायिनी मां गंगा का मनुहारी वर्णन करते हुए कहा है कि 'गंग सकल मुद मंगल मूला, सब सुख करनि हरनि सब सूला।' अर्थात गंगा जी समस्त आनंद-मंगलों की मूल हैं। वे सब सुखों को करने वाली और सब पीड़ाओं को हरने वाली हैं। पुराणों में कहा गया है कि राजा भगीरथ वर्षों की तपस्या के उपरांत ज्येष्ठ शुक्ल दशमी के दिन गंगा को पृथ्वी पर लाने में सफल हुए। भारतीय शास्त्र, पुराण एवं उपनिषद इत्यादि सभी ग्रंथों में गंगा की महिमा और महत्व का बखान किया गया है। गंगा भारतीय संस्कृति की प्रतीक एवं हजारों साल की आस्था की पूंजी है। शास्त्रों में कहा गया है कि गंगा का पानी अमृत व मोक्षदायिनी है।

गंगा दशहरा हिंदू धर्म में एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो गंगा नदी की पूजा के लिए समर्पित है। यह त्योहार हिन्दू माह ज्येष्ठ के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर गंगा की स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरण की स्मृति की जाती है। भक्त नदी के किनारे एकत्र होते हैं, पवित्र स्नान करते हैं, रीति-रिवाज करते हैं और आशीर्वाद के लिए प्रार्थना करते हैं। माना जाता है कि इस दिन गंगा में स्नान करने से पापों का नाश होता है और इच्छाओं की पूर्ति होती है। यह त्योहार गंगा को संरक्षित और सुरक्षित रखने के महत्व को भी दर्शाता है, जो हिन्दू धर्म में अत्यधिक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखती है।

सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा जी के कमंडल से राजा भागीरथ द्वारा देवी गंगा को धरती पर अवतार दिवस को गंगा दशहरा के नाम से जाना जाता है। पृथ्वी पर अवतार से पहले गंगा नदी स्वर्ग का हिस्सा थीं. गंगा दशहरा के दिन भक्त देवी गंगा की पूजा करते हैं और गंगा में डुबकी लगाते हैं, और दान-पुण्य, उपवास, भजन और गंगा आरती का आयोजन करते हैं।मान्यता है इस दिन माँ गंगा की पूजा करने से भगवान विष्णु की अनंत कृपा प्राप्त होगी।

हिन्दू धर्म में तो गंगा को देवी माँ का दर्जा दिया गया है। यह माना जाता है कि जब माँ गंगा स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित हुई तो वह ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि थी, तभी से इस तिथि को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है लगभग 32 दिनों तक गंगा नदी शिव की जटाओं में ही विचरण करती रहीं। फिर ज्येष्ठ महीने के शुक्ल पक्ष की दशमी पर शिव जी ने अपनी एक जटा खोली और गंगा नदी का अवतरण धरती पर हो गया। राजा भागीरथ ने हिमालय के दुर्गम रास्तों से होते हुए मैदानी इलाके तक गंगा जी के लिए रास्ता बनाया। इसके बाद राजा भागीरथ ने अपने पूर्वजों का गंगाजल से तर्पण कर उन्हें मुक्ति दिलाई। भगीरथ के पूर्वजों को मुक्ति प्राप्त हुई और तभी से गंगा जी पृथ्वी पर अविरल बह रही हैं।

वर्तमान समय में भौतिक जीवन जी रहे मनुष्य से जाने अनजाने जो पापकर्म हो जाते हैं उनकी मुक्ति के लिए माँ गंगा की साधना करनी चाहिए कहने का तात्पर्य है जिस किसी ने भी पाप कर्म किये हैं और जिसे अपने किये का पश्चाताप है और इससे मुक्ति पाना चाहता है तो उसे सच्चे मन से मां गंगा की पूजा अवश्य करनी चाहिये।

वैदिक पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि की शुरुआत 04 जून को देर रात 11 बजकर 54 मिनट पर होगी और अगले दिन यानी 06 जून को देर रात 02 बजकर 15 मिनट पर तिथि का समापन होगा। इस प्रकार 05 जून को गंगा दशहरा मनाया जाएगा।

ज्योतिष गणना के अनुसार, गंगा दशहरा पर रवि और सिद्धि योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है। रवि योग दिन भर रहेगा। इससे साधक को सेहत में लाभ देखने को मिलेगा। वहीं, सिद्धि योग सुबह 09 बजकर 14 मिनट तक रहेगा। इससे सभी मुरादें पूरी होंगी और जीवन में शुभ परिणाम मिलेंगे।

गंगा दशहरा का महत्व

गंगा दशहरा को लेकर यह धार्मिक मान्यता है कि इस दिन ही मां गंगा स्वर्ग से धरती पर अवतरित हुई थीं। गंगा दशहरा पर पवित्र गंगा नदी में स्नान जरूर करना चाहिए। अगर आपके लिए ऐसा कर पाना संभव न हो तो आपको घर पर ही स्नान करते हुए पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर लेना चाहिए। इस दिन मां गंगा की पूजा-अर्चना की जाती है।

गंगा दशहरा पर इन वस्तुओं का करें दान

गंगा दशहरे के पर्व पर गरीब और जरूरतमंद लोगों को दान करने का विशेष महत्व होता है। ऐसा कहा जाता है कि गंगा दशहरा पर दान की जाने वाली वस्तुओं की संख्या 10 होनी चाहिए। इस दिन आप 10 फल, 10 पंखे, 10 सुराही, 10 छाते या फिर 10 हिस्से अन्न का दान कर सकते हैं।

ईश्वर का उपहार

चन्द्र प्रभा सूद

ईश्वर की ओर से मनुष्य को अपना जीवन में जीने के लिए बहुत से उपहार मिलते रहते हैं। मनुष्य इतना नासमझ है कि वह न तो उनको पहचान पाता है और न ही उनकी कद्र कर पाता है। इसीलिए वह सदा परेशान रहता है। जो लोग उन उपहारों को समय रहते समेट लेते हैं, वे दुनिया जहान की खुशियाँ बटोर लेते हैं। इसलिए वे सुखी और प्रसन्न रहते हैं, दूसरों को भी खुशियाँ बाँटते हैं।

मनुष्य को अपने मन-मस्तिष्क में सामंजस्य बनाकर रखना चाहिए। अपने दिमाग को सदा ठण्डा या शान्त ही रखना चाहिए। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि उसे अपना दिमाग कदापि गर्म नहीं होने देना चाहिए या अपना माथा गर्म नहीं करना चाहिए। यदि वह अपना दिमाग गर्म रखेगा, तो उसका दुष्परिणाम उसे भुगतना पड़ेगा। इसीलिए मनीषी मनुष्य को समझाते हैं कि इस क्रोध रूपी शत्रु को वश में करो, उसे अपने ऊपर कभी हावी न होने दो।

क्रोध आने की स्थिति में मनुष्य कोई सकारात्मक कार्य नहीं कर सकता। उस समय उसकी सोच नकारात्मक हो जाती है। क्रोध उसके सारे बनते हुए कार्य बिगाड़ देता है। उस समय वह जो भी निर्णय लेता है, उसमें मुँह की खाता है। तभी सभी शास्त्र समझाते हैं कि मनुष्य क्रोध में अन्धा हो जाता है या विवेक शून्य हो जाता है। इसीलिए यह दुष्ट क्रोध मनुष्य के कार्य बिगाड़ता हुआ उसका विनाश करने लगता है।

उस समय मनुष्य अच्छे और बुरे की पहचान करना भूल जाता है। तब वह मानने लगता है कि उसकी कही गई हर बात पत्थर की लकीर है। चाहे घर हो या बाहर, वह कभी किसी के द्वारा किया गया अपना विरोध सहन नहीं कर सकता। जो भी उसकी कही बात को नहीं मानता, वह इसे जहर की तरह लगता है यानी अपना शत्रु प्रतीत होता है। उसका बस चले तो वह न तो कभी उससे बात करे और न ही उससे कभी कोई सम्पर्क रखे।

मनुष्य को सबके साथ सदा ही मधुरता का व्यवहार करना चाहिए। अपनी जबान से कभी कठोर शब्द नहीं बोलने चाहिए। दूसरे शब्दों में कहें तो उसे अपनी जुबान में एक शुगर फैक्टरी लगा लेनी चाहिए। तब उसकी जुबान कभी क्रोध में आकर कड़वा नहीं बोलेगी और न ही किसी का दिल दुखा सकेगी। क्रोध के समय मनुष्य अपने विवेक को खो देता है और अपने मित्रों को भी शत्रु बन लेता है। दूसरी ओर मीठा बोलकर वह शत्रु को भी अपना मित्रा बना लेता है। मनुष्य जब अपने मन में प्यार का बीज बो देता है, तो वह सभी लोगों को अपने मधुर व्यवहार से वश में कर लेता है। उसके मित्र, उसके साथियों की संख्या बढ़ने लगती है। चारों ओर उसका यश फैलने लगता है। यही वह गुण है, जो उसे ईश्वर का भी प्रिय बना देता है। उस मालिक का जो भी व्यक्ति प्रिय बन जाता है, वह हर समय अलग तरह की मस्ती में रहता है। फिर वह सबका मार्गदर्शक बन जाता है। जब मनुष्य ईश्वर के समीप हो जाता है, तब उसे किसी भी सांसारिक साथी की आवश्यकता नहीं रह जाती। ऐसा मनुष्य अपने सभी कार्यों को ईश्वर को ही समर्पित करता रहता है। उसे अपने जीवन में कभी असन्तोष नहीं रहता। प्रभु की कृपा उस पर बनी रहती है। वह भविष्य में आने वाले कष्टों को हँसते-हँसते सहन कर लेता है। ईश्वर स्वयं उसकी सहायता करने के लिए किसी न किसी माध्यम से हर समय उसके साथ रहते हैं।

इस प्रकार ईश्वर का प्रिय वह व्यक्ति अपनी झोली उसकी नेमतों से भर लेता है। उन उपहारों की बदौलत उसके जीवन में कोई कमी नहीं रहती। वह अपना सारा जीवन सुखपूर्वक व्यतीत करके इस संसार से शान्त मन से विदा लेता है। उस मनुष्य के इहलोक और परलोक दोनों ही सुधर जाते हैं। (उर्वशी)

छत्तीसगढ़: सुकमा जिले में 16 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, केरलापेंदा गांव हुआ माओवाद मुक्त

सुकमा : छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सोमवार को कुल 25 लाख रुपए के इनामी 16 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से नौ नक्सली चिंतलनार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत केरलापेंदा ग्राम पंचायत के हैं। इस आत्मसमर्पण के साथ ही यह गांव नक्सलवाद से मुक्त हो गया है। राज्य सरकार की नई योजना के अनुसार नक्सल मुक्त ग्राम पंचायत को विकास परियोजनाओं के लिए एक करोड़ रुपया प्रदान किया जाएगा। सुकमा जिले के पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण ने बताया कि एक महिला समेत सभी 16 नक्सलियों ने माओवादियों की अमानवीय विचारधारा और स्थानीय

आदिवासियों पर नक्सलियों के अत्याचारों से तंग आकर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। चव्हाण ने बताया कि नक्सली राज्य सरकार की 'नियद नेल्लनार' (आपका अच्छा गांव) योजना से भी प्रभावित हैं। इस योजना का उद्देश्य दूरदराज के गांवों में विकास कार्यों को सुविधाजनक बनाना है। अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वालों में माओवादियों की केंद्रीय क्षेत्रीय समिति (सीआरसी) कंपनी नंबर दो की सदस्य रीता उर्फ डोडी सुक्की (36) और माओवादियों की पीए-लजीए बटालियन नंबर एक के एक पार्टी सदस्य राहुल पुनेम (18) के सर पर आठ-आठ लाख रुपए का इनाम था। उन्होंने बताया कि इसके अलावा लेकम लखमा (28) पर तीन लाख रुपये तथा तीन अन्य नक्सलियों के सर पर दो-दो लाख रुपए इनाम था। अधिकारी ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में से नौ केरलापेंदा ग्राम पंचायत के हैं। उनके आत्मसमर्पण के बाद, यह ग्राम पंचायत नक्सल मुक्त हो गयी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की एलवद पंचायत योजना के अनुसार, गांव को विकास कार्यों के लिए एक करोड़ रुपये का प्रोत्साहन दिया जाएगा। छत्तीसगढ़ की नई नक्सल आत्मसमर्पण/पीड़ित सहायता एवं पुनर्वास नीति-2025 के तहत राज्य सरकार ने 'एलवद पंचायत योजना' शुरू की है, जिसमें उन ग्राम पंचायतों के लिए एक करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत करने का प्रावधान है, जो अपने क्षेत्र में सक्रिय नक्सलियों को आत्मसमर्पण कराने में मदद करेंगे तथा खुद को माओवाद मुक्त घोषित करने का प्रस्ताव पारित करेंगे। राज्य सरकार द्वारा हाल ही में प्रोत्साहन योजना शुरू किए जाने के बाद जिले में यह दूसरी ऐसी ग्राम पंचायत है, जो इस समस्या से मुक्त हुई है।

भारत और परागवे आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भारत और परागवे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हैं और दोनों के पास साइबर अपराध तथा मादक पदार्थों की तस्करी जैसी साझा चुनौतियों से निपटने के लिए एकजुट होकर काम करने की अपार संभावनाएं हैं। मोदी ने परागवे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासियोस के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता में यह टिप्पणी की। पालासियोस समग्र सहयोग बढ़ाने के तरीकों की खोज के लिए भारत की तीन-दिवसीय यात्रा पर आज सुबह दिल्ली पहुंचे। यह उनकी पहली भारत यात्रा है, जबकि दक्षिण अमेरिकी देश के किसी राष्ट्रपति की दूसरी यात्रा है। लैटिन अमेरिकी क्षेत्र में भारत के लिए परागवे एक महत्वपूर्ण व्यापारिक सा-झेदार है। ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र की कई भारतीय कंपनियां परागवे में मौजूद हैं। मोदी ने कहा, ''हम डिजिटल प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, रक्षा, रेलवे, अंतरिक्ष और समग्र आर्थिक साझेदारी जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नये अवसर देखते हैं।'' प्रधानमंत्री ने दक्षिण अमेरिकी व्यापार समूह मर्कोसुर के साथ भारत की तरजीही व्यापार व्यवस्था का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''हम इसे और आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं।'' मर्कोसुर या दक्षिण का साझा बाजार अर्जेंटीना, ब्राजील, परागवे और उरुग्वे से मिलकर बना एक व्यापारिक समूह है। दोनों नेताओं ने पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में आतंकवाद से निपटने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया। मोदी ने कहा, ''आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और परागवे एकजुट हैं। साइबर अपराध, संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी साझा चुनौतियों से लड़ने के लिए सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।'' प्रधानमंत्री ने परागवे को 'ग्लोबल साउथ' का अभिन्न अंग बताया। उन्होंने कहा, ''भारत और परागवे ग्लोबल साउथ के अभिन्न अंग हैं। हमारी उम्मीदें, आकांक्षाएं और चुनौतियां समान हैं। और यही कारण है कि हम इन चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए एक-दूसरे के अनुभवों से सीख सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमें खुशी है कि भारत कोविड महामारी के दौरान अपने टीके साझा करके परागवे को सहायता प्रदान कर सका। हम अपनी क्षमताओं को और अधिक साझा करके सहयोग की इस भावना को जारी रखने के लिए तत्पर हैं।''

न्यूज इन ब्रीफ

छत्तीसगढ़:चिराग बोले,पार्टी को मजबूती मिलने की सूरत में मैं बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ूंगा

रायपुर : लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को कहा कि अगर उनकी उम्मीदवारी से उनकी पार्टी की स्थिति और मजबूत होती है तब वह निश्चित रूप से आगामी बिहार विधानसभा का चुनाव लड़ेंगे। वह एक क्षेत्रीय समाचार चैनल के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रायपुर पहुंचने के बाद यहां के स्वामी विवेकानंद हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बात कर रहे थे। बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के बारे में पूछे जाने पर पासवान ने कहा, मैं पहले ही कह चुका हूं कि मैं खुद को लंबे समय तक केंद्र की राजनीति में नहीं देखता हूं। राजनीति में आने का कारण बिहार और बिहारी (बिहार के लोग) हैं। मेरा अपना विजन है- 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट।' ऐसे में मैं चाहता हूं कि मेरा राज्य बिहार विकसित राज्यों के बराबर खड़ा हो।''

वरिष्ठ आईआईएस अधिकारी बीना यादव सीबीआई में मुख्य सूचना अधिकारी के रूप में शामिल हुईं

नयी दिल्ली : भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) की वरिष्ठ अधिकारी बीना यादव सोमवार को देश की प्रमुख जांच एजेंसी सीबीआई में उसकी नयी मुख्य सूचना अधिकारी एवं प्रवक्ता के रूप में शामिल हुईं। अधिकारियों ने बताया कि 1998 बैच की आईआईएस अधिकारी यादव केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) में कार्यभार संभालने से पहले पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) में अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर तैनात थीं। पीआईबी में अतिरिक्त महानिदेशक के रूप में उन्होंने नागरिक उड्डयन, कौशल विकास, संस्कृति एवं पर्यटन सहित विभिन्न मंत्रालयों के मीडिया प्रचार का कार्यभार संभाला। अधिकारियों के अनुसार, यादव ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के जम्मू कश्मीर संभाग में मीडिया निदेशक के पद पर भी काम किया। इस वर्ष अप्रैल में आर सी जोशी के सेवानिवृत्त होने के बाद सीबीआई में मुख्य सूचना अधिकारी का पद रिक्त हो गया था।

तलाक के बारे में तथ्य छिपाने पर अदालत ने महिला के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की

नयी दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने एक महिला के खिलाफ कथित तौर पर इस तथ्य को छिपाने के लिए आपराधिक कार्यवाही शुरू की है कि उसे तलाक के समझौते के दौरान 10 लाख रुपये मिले थे। अदालत ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून के किसी भी दुरुपयोग को शुरुआत में ही रोका जाना चाहिए। न्यायिक मजिस्ट्रेट अनम रईस खान एक महिला की ओर से दायर आपराधिक शिकायत पर सुनवाई कर रही थीं। हाल में उपलब्ध कराए गए 25 अप्रैल के आदेश में अदालत ने कहा, शिकायतकर्ता ने स्वीकार किया है कि दोनों पक्षों के बीच सभी विवाद पहले से ही दक्षिण-पूर्व जिले के पारिवारिक न्यायालय के समक्ष सुलझाए जा चुके थे।

दिल्ली में आंधी-तूफान की आशंका, सप्ताह के अंत में बढ़ेगी गर्मी

नयी दिल्ली : भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली के लिए सोमवार और मंगलवार को 'येलो अलर्ट' जारी कर क्षेत्र में आंधी, बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी है। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को अधिकतम तापमान 36.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 3.9 डिग्री सेल्सियस कम है। नगर में न्यूनतम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 4.3 डिग्री कम था। आईएमडी ने कहा कि अगले दो दिन में दिल्ली में आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने का अनुमान है। दिल्ली में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान है, जो 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। राष्ट्रीय राजधानी में मंगलवार को अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जबकि न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। दिन में बिजली चमकने और तेज हवाएं चलने के साथ आंधी आने की आशंका है, जिसके कारण मौसम विभाग ने सावधानी बरतने की सलाह दी है। आईएमडी के अनुसार, दिल्ली में बुधवार को बादल छाए रहेंगे और बारिश या आंधी की स्थिति भी बन सकती है।

इंडिगो की उड़ान से पक्षी टकराया, विमान को आपात स्थिति में रांची में उतारना पड़ा: अधिकारी

रांची : इंडिगो की एक उड़ान के करीब 175 यात्री सोमवार को उस वक्त बाल-बाल बच गये, जब एक पक्षी विमान से टकरा गया और इसे आपात स्थिति में यहां बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर उतारना पड़ा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं, जबकि विमान एयरबस 320 को नुकसान पहुंचा है। बिरसा मुंडा हवाई अड्डे के निदेशक आर आर मौर्य ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''रांची के पास इंडिगो की एक उड़ान से पक्षी टकरा गया। जब यह घटना हुई, विमान यहां से करीब 10 से 12 नॉटिकल मील दूर, करीब 3,000 से 4,000 फुट की ऊंचाई पर था। इंडिगो का यह विमान पटना से रांची आ रहा था और पायलट को उसे यहां आपात स्थिति में उतारना पड़ा।'' उन्होंने कहा कि सभी यात्री सुरक्षित हैं लेकिन एक गिद्ध के टकराने के कारण विमान को नुकसान पहुंचा है। इंजीनियर नुकसान का आकलन कर रहे हैं।'' यह घटना अपराह्न एक बजकर 14 मिनट पर हुई। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि रांची आ रहे इस विमान को कोलकाता जाना था। इंडिगो के एक प्रवक्ता ने इस बात की पुष्टि की है कि पक्षी विमान से टकरा गया जिससे पायलट को आपात स्थिति से इसे उतारना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि फिलहाल विमान को उड़ान के लिए उपयोग में नहीं लाया जा रहा है।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आतंकवादियों के पांच सहयोगियों के खिलाफ पीएसए के तहत मामला दर्ज

श्रीनगर : जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के पांच सहयोगियों पर कड़े सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, ''श्रीनगर पुलिस ने राष्ट्र की सुरक्षा और अखंडता के लिए हानिकारक विध्वंसक और आपराधिक तत्वों के खिलाफ एक निर्णायक कार्रवाई में विध्वंसक गतिविधियों में शामिल प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के पांच सहयोगियों पर पीएसए के तहत मामला दर्ज किया है।'' जिन पांच लोगों पर मामला दर्ज किया गया है, उनकी पहचान गमंदर पंथाचौक निवासी नईम अहमद खान, गौसिया कॉलोनी, खानयार निवासी फैजान अख्तर भट, पांडच निवासी मेहराज उद दीन भट, अस्सर कॉलोनी, हजरतबल निवासी उमर हामिद शेख के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि शहर के रैनावारी इलाके के दीवात वलीपोरा निवासी सुहैब शफी बाबा उर्फ चमना के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। प्रवक्ता ने बताया, ''श्रीनगर पुलिस द्वारा उनके खिलाफ तैयार किए गए डोजियर के आधार पर औपचारिक हिरासत आदेश प्राप्त करने के बाद इन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इसके परिणामस्वरूप उन्हें हिरासत में लिया गया है और बाद में कठुआ, उधमपुर और कोट बलवाल जम्मू की जिला जेलों में रखा गया है।'' उन्होंने बताया कि इन व्यक्तियों

सीबीआई ने आईआरएस अधिकारी के ठिकानों से एक करोड़ नकद व 3.5 किलोग्राम सोना जब्त किया

नयी दिल्ली : सीबीआई ने वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी अमित कुमार सिंघल के परिसरों की तलाशी के दौरान एक करोड़ रुपये नकद और 3.5 किलोग्राम सोना जब्त किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सिंघल को 25 लाख रुपये की रिश्वतखोरी के मामले में उनके एक सहयोगी के साथ गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने एक अभियान के बाद 2007 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) अधिकारी सिंघल और उनके सहयोगी हर्ष कोटक के परिसरों पर तलाशी ली। सिंघल यहां करदाता सेवा निदेशालय में अतिरिक्त महानिदेशक के पद पर तैनात थे। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली और

पंजाब में सिंघल के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने एक करोड़ रुपये नकद, 3.5 किलोग्राम सोना और दो किलोग्राम चांदी जब्त की। सिंघल को 'ला पिनोज पिज्जा' के मालिक से 25 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। सीबीआई की प्राथमिकी के अनुसार, उन्होंने 'ला पिनोज पिज्जा' के मालिक सनम कपूर को जारी आयकर नोटिस का निपटान करने के लिए कथित तौर पर कुल 45 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी।

पाकिस्तान के लिए जासूसी: अदालत ने ठाणे के इंजीनियर की पुलिस हिरासत पांच जून तक बढ़ाई

मुंबई : महाराष्ट्र के ठाणे की एक अदालत ने कथित जासूसी और युद्धपोतों तथा पनडुब्बियों के बारे में संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान को साझा करने के आरोप में गिरफ्तार मेकैनिकल इंजीनियर रवींद्र वर्मा की पुलिस हिरासत सोमवार को पांच जून तक बढ़ा दी। अभियोजन पक्ष ने दलील दी कि उसके सहकर्मियों से पूछताछ की जरूरत है। रक्षा प्रौद्योगिकी फर्म में काम करने वाले 27-वर्षीय कनिष्ठ अभियंता को पिछले सप्ताह आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने गिरफ्तार किया था। वह पड़ोसी जिले ठाणे के कलवा का निवासी है। वर्मा की हिरासत अवधि समाप्त होने पर सोमवार को ठाणे की एक अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने वर्मा की हिरासत अवधि बढ़ाने का अनुरोध करते हुए अदालत को बताया कि वर्मा के कार्यस्थल पर जांच करने और उसके सहकर्मियों से पूछताछ करने की जरूरत है। पुलिस के अनुसार, फेसबुक पर महिला के रूप में खुद को पेश करने वाले एक पाकिस्तानी एजेंट ने वर्मा को मोहपाश में फंसाकर कथित तौर पर गोपनीय जानकारी हासिल की थी। पुलिस ने कहा था कि वर्मा ने रेखाचित्र (स्केच), डायग्राम और ऑडियो नोट के माध्यम से युद्धपोतों और पनडुब्बियों के बारे में संवेदनशील जानकारी पाकिस्तानी खुफिया एजेंट को दी और बदले में भारत एवं विदेश में विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से पैसे प्राप्त किए।

शिमला में ओलावृष्टि और बारिश, अगले दो दिन के लिए कई जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट'

शिमला : शहर में सोमवार शाम भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई। इसके साथ ही मौसम विभाग ने गरज के साथ बारिश, बिजली चमकने और तेज हवाओं के पूर्वानुमान के चलते राज्य के चार से पांच जिलों के लिए अगले दो दिनों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को बिलासपुर, चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी में अलग-अलग स्थानों पर तथा बुधवार को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी में विभिन्न स्थानों पर गरज के साथ बारिश, बिजली चमकने और 40-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। विभाग के मुताबिक, राज्य में सिरमौर जिले के दद्राहू में 27.4 मिलीमीटर, जट्टन बैराज में 21.6 मिलीमीटर, पौंटा साहिब में 18.8 मिलीमीटर, भरमौर में 18 मिलीमीटर, कसौली और राजगढ़ में 14-14 मिलीमीटर, सोलन में 8.6 मिलीमीटर, अगाहर में 5.2 मिलीमीटर, पालमपुर और नाहन में 4.4-4.4 मिलीमीटर, सुंदरनगर में 4 मिलीमीटर, छतराड़ी में 3.5 मिलीमीटर तथा बंजार, मंडी और कसोल में तीन-तीन मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई।

जम्मू कश्मीर: पुंछ के अग्रिम गांवों में 67 गोले निष्क्रिय किए गए

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास अग्रिम गांवों में 60 से अधिक गोलों को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया गया। रक्षा विभाग के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जान-माल की सुरक्षा के लिए जारी प्रयासों के तहत चजला, झूलास, मेंढर, मनकोट और लोअर कृष्णा घाटी गांवों में गोले निष्क्रिय किए गए। उन्होंने बताया कि सेना सात से 10 मई के बीच पाकिस्तान द्वारा की गई गोलाबारी के बाद बिना फटे गोलों को व्यवस्थित तरीके से निष्क्रिय कर रही है। प्रवक्ता ने कहा, ''अक्सर नागरिक बस्तियों को निशाना बनाकर की जाने वाली गोलाबारी से प्रभावित क्षेत्रों में आम लोगों और पशुओं के लिए लगातार खतरा पैदा होता है। अब तक कुल 67 गोले सफलतापूर्वक निष्क्रिय किए जा चुके हैं।'' उन्होंने बताया कि ये अभियान सेना द्वारा आबादी वाले और कृषि क्षेत्रों से खतरनाक विस्फोटकों को हटाने की व्यापक पहल का हिस्सा हैं।

बीएसएफ की 160 सदस्यीय टीम संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन ड्यूटी के लिए कांगो भेजी गई

नयी दिल्ली : सशस्त्र संघर्ष और बड़े पैमाने पर विस्थापन से तबाह अफ्रीकी देश कांगो में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के साथ तैनाती के लिए सोमवार को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 160 सदस्यीय टुकड़ी को रवाना किया गया, जिसमें 25 महिलाकर्मी शामिल हैं। बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने लोधी रोड स्थित बल के मुख्यालय में टीम से मुलाकात की। महानिदेशक ने उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि भारत और बल का झंडा ऊंचा रहे। चौधरी ने कहा, आपका आचरण और काम अनुकरणीय होना चाहिए। आपको इस कार्य के लिए प्रशिक्षित किया गया है और मुझे यकीन है कि आप यह सुनिश्चित करेंगे कि देश और बल का झंडा ऊंचा रहे।

महाराष्ट्र एटीएस ने आतंकी मामले में ठाणे में छापेमारी की, 12 हिरासत में

मुंबई : महाराष्ट्र आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने आतंकवाद से संबंधित एक मामले में सोमवार को ठाणे जिले में छापेमारी के बाद 12 व्यक्तियों को हिरासत में लिया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी सिमी के कुछ पूर्व पदाधिकारियों और सदस्यों के घरों पर भी की गई। एक अधिकारी ने मामले का ब्यौरा दिए बिना बताया कि एटीएस की मुंबई इकाई ने ठाणे ग्रामीण पुलिस की सहायता से मुंबई से सटे जिले के पडघा और बोरीवली गांव में सुबह करीब चार बजे छापेमारी शुरू की। उन्होंने बताया कि दोनों गांवों में बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई थी और ठाणे ग्रामीण पुलिस रविवार रात को ही पडघा में जमा हो गई थी। उन्होंने बताया कि एटीएस ने छापेमारी के दौरान मोबाइल हैंडसेट, तलवार, चाकू, संपत्ति से संबंधित दस्तावेज, आतंकवाद से संबंधित गतिविधियों और युवाओं को कट्टरपंथी बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री के साथ-साथ कुछ अन्य दस्ता-वेज भी जब्त किए हैं। एटीएस ने एक बयान में कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर, उन राष्ट्र-विरोधी तत्वों के खिलाफ एहतियाती कदम उठाने की आवश्यकता थी जो आतंकवादी गतिविधियों के लिए साजोसामान की सहायता प्रदान कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक मंच पर बनी नई पहचान: मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक मंच पर नई पहचान बनाई गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश के हालात बदलने का काम किया है। वे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में ''संकल्प से सिद्धि तक''अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। इसमें उन्होंने कहा कि 2014 से पहले जहां देश में आतंकवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण जैसी अव्यवस्थाएं चरम पर थीं, वहीं इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने देश के हालात बदलने का ऐतिहासिक कार्य

किया। उन्होंने कहा कि युवा, महिला, किसान और मजदूर श्रेणी में विभाजित लोगों के कल्याण और उत्थान के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम किया है। पार्टी के बयान के अनुसार, शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश रक्षा के क्षेत्र में भी सुदृढ़ हुआ है, यह पहलगाम आतंकी हमले के बाद देश और दुनिया ने देख लिया। उन्होंने कहा,''अब हमें केंद्र सरकार और राजस्थान की डबल इंजन सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम करना है। संकल्प से सिद्धि तक अभियान में ये कार्य प्रत्येक बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को करने है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करता है क्योंकि भाजपा में राजनीति के साथ सामाजिक सरोकार के कार्य भी किए जाते है।

सिक्किम के लाचुंग, चुंगथांग से 1,678 पर्यटक निकाले गए, लाचेन में अब भी 100 से अधिक लोग फंसे: डीजीपी

गंगटोक : उत्तरी सिक्किम के लाचुंग और चुंगथांग कस्बों में बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद फंसे कुल 1,678 पर्यटकों को सोमवार को निकाला गया तथा 100 से अधिक पर्यटक अब भी लाचेन में फंसे हुए हैं। पुलिस महानिदेशक अक्षय सचदेवा ने यह जानकारी दी। सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने मंगन जिले के लाचुंग में सड़क संपर्क बहाल किया, जिसके बाद फंसे हुए पर्यटकों को निकालने का काम शुरू हुआ। सचदेवा ने कहा कि कई दिन से लाचुंग और चुंगथांग कस्बों में फंसे 1,678 पर्यटक 284 वाहनों और 16 मोटरसाइकिलों से दूजोंगू शहर के पास फिदांग के रास्ते

गंगटोक के लिए रवाना हुए। व्यक्तिगत रूप से फिदांग में पर्यटकों का स्वागत करने वाले पुलिस महानिदेशक ने कहा कि मंगन जिला कलेक्टर अनंत जैन और पुलिस अधीक्षक (एसपी) सोनम देचू भूटिया ने आगंतुकों की सुरक्षित रवानगी सुनिश्चित करने के लिए काफिले का नेतृत्व किया। एक अधिकारी ने बताया, 737 पुरुष, 561 महिलाएं और 380 बच्चों समेत पर्यटकों को ले जा रहे वाहनों का काफिला थेंग चेक पोस्ट से होते हुए राज्य की राजधानी की ओर रवाना होने से पहले फदांग पहुंचा। सिक्किम के डीजीपी ने बताया कि लाचेन में फंसे 100 से अधिक पर्यटकों को निकालने के प्रयास जारी हैं। सचदेवा ने बताया कि उन्होंने गंगटोक जा रहे पर्यटकों का हालचाल पूछा। उनमें से कई ने उत्तरी सिक्किम में जिला प्रशासन के सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

न्यायालय करेगा पड़ताल: क्या अदालतें रियासती संपत्ति विवादों में कर सकती हैं हस्तक्षेप?

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को इस बात की पड़ताल करने पर सहमति जताई कि क्या संविधान का अनुच्छेद 363 अदा-लतों को संविधान-पूर्व अनुबंधों के तहत उल्लिखित पूर्ववर्ती रियासतों की संपत्तियों से जुड़े विवादों की सुनवाई करने से रोकता है। अनुच्छेद 363 किसी रियासत और भारत सरकार के बीच हुई संधियों, समझौतों, अनुबंधों, सनद आदि से उत्पन्न होने वाले किसी भी विवाद में अदालतों के हस्तक्षेप को रोकता है। इसलिए, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने जयपुर के शाही परिवार के सदस्यों राजमाता पद्मिनी देवी, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी और सवाई पद्मनाभ सिंह द्वारा टाउन हॉल (पुरानी विधानसभा) और पुराने शहर में स्थित अन्य संपत्तियों के कब्जे को लेकर दायर याचिका पर नोटिस जारी किया। उन्होंने राजस्थान उच्च न्यायालय के उस निर्णय को चुनौती दी है, जिसमें कहा गया था कि तत्कालीन रियासत और भारत संघ के बीच हुए समझौते में उल्लिखित टाउन हॉल (पुरानी विधानसभा) पर कब्जे की मांग करने वाले मुकदमों पर संविधान के अनुच्छेद 363 के तहत दीवानी अदालतों द्वारा विचार नहीं किया जा सकता। राजपरिवार के सदस्यों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने दलील दी कि सवालों के दायरे में आया समझौता पांच राजकुमारों ने किया था, जबकि भारत सरकार केवल यह सुनिश्चित करने के लिए एक गारंटर थी कि शर्तें पूरी हों। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय के समक्ष कार्यवाही में इस पहलू पर बहस नहीं की गई, जिसके परिणामस्वरूप 17 अप्रैल को एक विवादित निर्णय आया। हालांकि, न्यायमूर्ति मिश्रा ने साल्वे से पूछा कि यदि भारत सरकार पक्षकार नहीं थी, तो भारत संघ के साथ विलय कैसे हुआ। साल्वे ने स्पष्ट किया कि विलय औपचारिक समझौता होने के बाद हुआ और संविधान के अनुच्छेद एक के लागू होने के साथ ही यह प्रभावी हुआ। न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा कि साल्वे की दलीलों के अनुसार, इसका मतलब यह होगा कि यदि भारत संघ अनुबंध का पक्षकार नहीं है और इसलिए अनुच्छेद 363 लागू नहीं होगा, तो स्थिति अनिवार्य रूप से हर दूसरे शासक को मुकदमा दायर करने और अपनी संपत्ति वापस मांगने के लिए प्रेरित करेगी।

गुकेश ने कार्लसन को हराकर बदला चुकता किया

स्टावेंजर : मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को हराकर उनसे पहली बाजी में मिली हार का बदला चुकता कर दिया। भारतीय खिलाड़ी की यह नार्वे के दिग्गज खिलाड़ी के खिलाफ क्लासिकल शतरंज में पहली जीत है। रविवार की इस जीत से 19 वर्षीय गुकेश 8.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह अब संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज कार्लसन और अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारूआना से केवल एक अंक पीछे हैं। प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी चीन के वेई यी के खिलाफ आर्मागेडन टाई-ब्रेक में जीत के बाद 7.5 अंकों के साथ हिकारू नाकामुरा के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। इस टूर्नामेंट में लगभग सभी छह खिलाड़ियों के पास प्रतिष्ठित खिताब जीतने का मौका है। महिला वर्ग में आर वैशाली ने आर्मागेडन टाई-ब्रेक में कोनेरू हम्पी को हराया।

30 सितंबर से शुरू होगा आईसीसी महिला टी20 विश्व कप, कोलंबो तटस्थ स्थान होगा

दुबई : महिला वनडे विश्व कप 2025 भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से दो नवंबर के बीच खेला जायेगा जिसमे कोलंबो को तटस्थ अतिरिक्त स्थान के रूप में जोड़ा गया है। भारत पहले इसका इकलौता मेजबान था लेकिन टूर्नामेंट के मैच अब बेंगलुरू, गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और कोलंबो में खेले जायेंगे। कोलंबो को इसलिये जोड़ा गया है क्योंकि पाकिस्तान आईसीसी टूर्नामेंटों के लिये भारत नहीं आयेगा और इस साल की शुरूआत में चैम्पियंस ट्रॉफी में हाइब्रिड मॉडल को मंजूरी दी गई थी। इसके तहत भारत ने अपने मैच दुबई में खेले थे जबकि पाकिस्तान और बाकी टीमों के मैच पाकिस्तान में हुए थे। आईसीसी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा ,'यह टूर्नामेंट बेंगलुरू में 30 सितंबर से शुरू होगा। भारत में 12 साल बाद महिला क्रिकेट विश्व कप कराया जा रहा है।' पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में होगा जबकि दूसरा 30 अक्टूबर को बेंगलुरू में खेला जायेगा। फाइनल दो नवंबर को बेंगलुरू या कोलंबो में होगा। मेजबान भारत के अलावा गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका इसमें भाग लेंगे।

एआईयू की डोपिंग उल्लंघन की वैश्विक सूची में भारत दूसरे स्थान पर कायम

नयी दिल्ली : एथलेटिक्स नैतिकता इकाई (एआईयू) ने खुलासा किया है कि डोपिंग उल्लंघन के कारण प्रतिस्पर्धा करने में अयोग्य रहे ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ियों की ताजा वैश्विक सूची में भारत दूसरे स्थान पर बरकरार है। एआईयू ने 31 मई को सूची जारी की है जिसमें भारत के 128 एथलीट शामिल हैं और कीनिया (134) इसमें शीर्ष पर काबिज है। इस सूची में वो खिलाड़ी भी शामिल हैं जो राष्ट्रीय स्तर के मामलों और फैसलों के कारण अयोग्य रहे। कई वर्षों से भारत सबसे अधिक डोपिंग मामलों वाले देशों में शामिल रहा है और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के शीर्ष अधिकारियों ने चिंता व्यक्त की है कि अगर यही चलन जारी रहा तो देश पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

आईपीएल ट्रॉफी का 18 साल का इंतजार खत्म करने उतरेंगे बेंगलुरु और पंजाब

अहमदाबाद : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और पंजाब किंग्स की टीम मंगलवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल में आमने-सामने होंगी तो उनका लक्ष्य यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतने का 18 साल का इंतजार खत्म करना होगा। सभी की निगाहें हालांकि हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली पर टिकी रहेंगी जो शुरू से आरसीबी से जुड़े होने के बावजूद अभी तक अपनी टीम को आईपीएल का चैंपियन नहीं बना पाए हैं। आरसीबी और कोहली का यह चौथा फाइनल होगा। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल मुकाबले में कोहली का समर्थन करने के लिए 18 नंबर की जर्सी पहने हजारों प्रशंसक नजर आ सकते हैं। आरसीबी ने अपनी पिछली समस्याओं को पीछे छोड़कर इस बार शुरू से लेकर अंत तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने पहले क्वालीफायर में पंजाब को आठ विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया और उनकी टीम अपने इसी प्रदर्शन को दोहराने के लिए प्रतिबद्ध होगी। कोहली (614 रन) ने हर साल की तरह इस बार भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वह इस साल भी आरसीबी की बल्लेबाजी के मुख्य स्तंभ रहे। इस बार उन्हें अन्य खिलाड़ियों का भी अच्छा सहयोग मिला जिसने मुख्य अंतर पैदा किया।

इस वर्ष कोहली अकेले ऐसे खिलाड़ी नहीं रहे हैं जिन पर सबका ध्यान केंद्रित रहा है, बल्कि उन्होंने चुपचाप आरसीबी को मजबूत करने का काम किया है। फिल साल्ट ने भारतीय सुपरस्टार का अच्छा साथ देकर आरसीबी को अच्छी शुरुआत दिलाई, जबकि मयंक अग्रवाल, कप्तान रजत पाटीदार और जितेश शर्मा बल्लेबाजी क्रम के भरोसेमंद खिलाड़ी हैं। टिम डेविड चोटिल होने के कारण आरसीबी के पिछले दो मैचों में नहीं खेल पाए इसलिए यह देखना बाकी है कि वह इस मुकाबले के लिए फिट हैं या नहीं। उन्होंने रोमारियो शेफर्ड के साथ मिलकर डेथ ओवरों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गेंदबाजी में शांत और धैर्यवान जोश हेजलवुड (21 विकेट) ने आरसीबी के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह आईपीएल के वर्तमान सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में अभी चौथे स्थान पर है। अय्यर (603 रन) के नेतृत्व में पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स चैंपियन बना था। इस तरह से लगातार दूसरी बार आईपीएल फाइनल में पहुंचना एक ऐसे नेतृत्वकर्ता के रूप में उनकी क्षमताओं के बारे में बहुत कुछ कहता है जो इस प्रारूप में किसी भी अन्य की तरह ही अपने खिलाड़ियों को अच्छी तरह से संगठित करता है। इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि अय्यर टूर्नामेंट के 18 साल के इतिहास में एकमात्र क्रिकेटर हैं, जिन्होंने आईपीएल फाइनल में तीन अलग-अलग टीमों का नेतृत्व किया है, जिसमें दिल्ली कैपिटल्स तीसरी टीम है।

क्या बीसीसीआई '18 नंबर की जर्सी' को टेस्ट से 'रिटायर' करेगा?

नयी दिल्ली : भारतीय टेस्ट टीम में निकट भविष्य में कोई भी खिलाड़ी दिग्गज विराट कोहली की 18 नंबर की जर्सी नहीं पहनेगा जो पिछले 14 साल से उनके पास रही है, हालांकि बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को कैंटरबरी में इंडिया ए और इंग्लैंड लायंस के बीच पहले अनौपचारिक 'टेस्ट' के दौरान 18 नंबर की जर्सी पहने देखा गया। हालांकि कोहली ने अभी भी वनडे से संन्यास नहीं लिया है जिसमें वह भारतीय टीम के लिए इस 18 नंबर की जर्सी में खेलते हुए देखेंगे। लेकिन यह माना जा रहा है कि जैसे सचिन तेंदुलकर (जर्सी नंबर 10) और महेंद्र सिंह धोनी (जर्सी नंबर 7) की जर्सी कोई नहीं पहनता, उसी तरह कोई भी नया खिलाड़ी 18 नंबर की जर्सी की जिम्मेदारी उठाना चाहेगा।

मुकेश टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं और अगर उन्हें किसी खिलाड़ी की जगह चुना भी जाता है तो उनकी जर्सी का नंबर 49 होगा जो उन्होंने वेस्टइंडीज में अपने सीनियर टीम के पदार्पण के दौरान पहना था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सीनियर अधिकारी ने पीटीआई को बताया, 'मुकेश ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले 'टेस्ट' मैच में 18 नंबर की जर्सी पहनी थी। लेकिन भारत ए टीम में कोई निश्चित नंबर नहीं होता है क्योंकि जर्सी पर नाम नहीं होते हैं। कोई भी खिलाड़ी कोई भी 'रैंडम' नंबर चुन सकता है। जर्सी नंबर केवल अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए ही मान्य है।'

शुक्ला का बीसीसीआई का कार्यवाहक अध्यक्ष बनना तय

नयी दिल्ली : अनुभवी क्रिकेट प्रशासक राजीव शुक्ला अगले महीने रोजर बिन्नी के 70 वर्ष की आयु सीमा पूरी करने के बाद अंतरिम रूप से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष का पद संभालेंगे। बीसीसीआई सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बिन्नी ने 2022 में बोर्ड अध्यक्ष के रूप में सौरव गांगुली की जगह ली थी। वह 19 जुलाई को 70 वर्ष के हो जाएंगे और इस तरह से बीसीसीआई के किसी भी पदाधिकारी के लिए निर्धारित अधिकतम आयु सीमा को पार कर जाएंगे। 65 वर्षीय शुक्ला वर्तमान में बीसीसीआई के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं। वह 2020 से इस पद पर हैं। सितंबर में बोर्ड की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान नए चुनाव होने तक वह बीसीसीआई के कार्यवाहक

अध्यक्ष का पद संभालेंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, 'परंपरा के अनुसार, ऐसी स्थिति में सबसे वरिष्ठ पदाधिकारी ही कार्यभार संभालता है। वह (शुक्ला) सितंबर में नए चुनाव होने तक यह भूमिका निभाएंगे।' कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद शुक्ला इससे पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

सात्विक-चिराग की अगुवाई में इंडोनेशिया में खिताब जीतने की कोशिश करेंगे भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी

जकार्ता : पूर्व चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे 1,450,000 डॉलर पुरस्कार राशि के इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुआई करते हुए वापसी की लय जारी रखना चाहेगी। फिटनेस हासिल करने के बाद दुनिया की पूर्व नंबर एक जोड़ी पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची थी और अब उनकी कोशिश इस टूर्नामेंट में और आगे तक पहुंचने की होगी ताकि वे 2023 में जीती गई ट्रॉफी को फिर से हासिल कर सकें। अभी सात्विक और चिराग की जोड़ी रैंकिंग में 27वें स्थान पर है लेकिन सिंगापुर के सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद उनके शीर्ष 20 के करीब पहुंचने की उम्मीद है। यह भारतीय जोड़ी इंडोनेशिया आपेन में अपने अभियान की शुरूआत

लियो रोली कार्नांडो और बागस मौलाना की इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ करेगी। सात्विक स्वास्थ्य समस्याओं और चिराग पीठ की चोट के कारण पिछले कुछ सप्ताह से खेल से दूर थे। हालांकि इस स्टार जोड़ी ने पिछले हफ्ते सेमीफाइनल में पहुंचने के दौरान तकनीकी दक्षता दिखाकर मलेशिया के गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की नंबर एक जोड़ी को हराकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

श्रीहरि नटराज ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल में सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय निकाला

नयी दिल्ली : ओलंपियन श्रीहरि नटराज ने 20वीं सिंगापुर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल में सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने रविवार को सिंगापुर स्पोर्ट्स स्कूल में 1:48:66 सेकंड का समय निकालकर सजन प्रकाश के 2021 में निकाले गए 1:49.73 सेकंड के समय को पीछे छोड़ा। नटराज ने इससे पहले 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में रजत पदक जीता था।

प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को उलानबटार ओपन 2025 में तीसरी रैंकिंग सीरिज में भारतीय पहलवानों के प्रदर्शन की तारीफ की। एक्स पर अलग अलग पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने अलग अलग खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन की तारीफ की है। उन्होंने एक्स पर लिखा ,'खेलों में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी। उलानबटार ओपन 2025 में तीसरी रैंकिंग सीरिज में भारतीय पहलवानों को शानदार प्रदर्शन पर बधाई। भारत ने छह स्वर्ण समेत 21 पदक जीते। हमारी नारी शक्ति ने भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके इस उपलब्धि को और यादगार बना दिया।'

इलेक्ट्रिक कार के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के दिशानिर्देश जारी, कम शुल्क पर कर सकेंगे आयात

नयी दिल्ली : सरकार ने भारत में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना के तहत सोमवार को दिशानिर्देश जारी कर दिए। इसमें स्थानीय विनिर्माण संयंत्र लगाने पर 4,150 करोड़ रुपये का निवेश करने वाली कंपनियों को महज 15 प्रतिशत आयात शुल्क पर सालाना 8,000 इलेक्ट्रिक वाहन के आयात की अनुमति दी गई है। इस योजना को पिछले साल 15 मार्च को अधिसूचित किया गया था, लेकिन भारी उद्योग मंत्रालय ने इसके संबंध में विस्तृत दिशानिर्देश सोमवार को जारी किए। इससे इलेक्ट्रिक कार विनिर्माताओं के लिए आवेदन खिड़की खुलने पर आवेदन करने का रास्ता साफ हो गया। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, योजना के तहत स्वीकृत आवेदकों को आवेदन मंजूर होने की तारीख से पांच साल के लिए 15 प्रतिशत के कम सीमा शुल्क पर न्यूनतम 35,000 अमेरिकी डॉलर मूल्य वाले पूरी तरह तैयार (सीबीयू) इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहन के आयात की अनुमति दी जाएगी। मौजूदा समय में विदेश से पूरी तरह तैयार होकर आयात की जाने वाली

इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर 70 प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत तक सीमा शुल्क लगता है। हालांकि, आयात शुल्क में राहत पाने के लिए स्वीकृत आवेदकों को योजना के प्रावधानों के अनुरूप भारत में ईवी विनिर्माण पर न्यूनतम 4,150 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। प्रति आवेदक को शुल्क के रूप में अधिकतम 6,484 करोड़ रुपये की छूट देने या फिर योजना के तहत किए गए उसके निवेश तक सीमित किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि योजना के लिए आवेदन की खिड़की दो सप्ताह में खुल सकती है। यह कम-से-कम 120 दिन तक खुली रहेगी। भारी उद्योग मंत्रालय ने कहा कि तीन साल की अवधि में आवेदक को भारत में न्यूनतम 4,150 करोड़ रुपये (लगभग 50 करोड़ डॉलर) की निवेश प्रतिबद्धता जतानी होगी। आवेदक को आवेदन मंजूर होने की तारीख से तीन साल के भीतर इलेक्ट्रिक यात्री वाहन के लिए विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के साथ परिचालन शुरू करना होगा। नए संयंत्र, मशीनरी, उपकरण और संबद्ध सुविधाएं, इंजीनियरिंग शोध एवं विकास पर किया गया खर्च भी इस योजना के तहत निवेश से जुड़े लाभ के लिए पात्र होगा। हालांकि, संयंत्र के लिए भूमि पर किया गया व्यय इसका हिस्सा नहीं होगा लेकिन मुख्य संयंत्र की नई इमारतों को निवेश का हिस्सा माना जाएगा, बशर्ते यह प्रतिबद्ध निवेश के 10 प्रतिशत से अधिक न हो। वहीं चार्जिंग ढांचा तैयार करने पर किए गए खर्च को प्रतिबद्ध निवेश के पांच प्रतिशत तक माना जाएगा। योजना के तहत आवेदकों को अनुमोदन पत्र जारी करने की तारीख से तीन साल के भीतर 25 प्रतिशत का न्यूनतम घरेलू मूल्य संवर्धन (डीवीए) और 50 प्रतिशत का न्यूनतम डीवीए पांच साल के भीतर हासिल किया जाना चाहिए।

सोना 330 रुपये बढ़कर 98,930 रुपये पर, चांदी भी 100 रुपये मजबूत

नयी दिल्ली : वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख के बाद सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 330 रुपये बढ़कर 98,930 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। इससे पहले शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 98,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। इसके साथ ही 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 300 रुपये बढ़कर 98,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। इससे पहले के कारोबारी सत्र में यह 98,100 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। इसके अलावा चांदी की कीमत 100 रुपये बढ़कर 1,00,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर बंद हुई। वैश्विक मोर्चे पर, हाजिर सोना 59.21 डॉलर प्रति औंस यानी 1.80 प्रतिशत बढ़कर 3,348.61 डॉलर प्रति औंस हो गया।

मई में पेट्रोल की बिक्री नौ प्रतिशत बढ़ी, डीजल की मांग में मामूली वृद्धि

नयी दिल्ली : गर्मी के मौसम में यात्रा बढ़ने के चलते पेट्रोल की खपत मई में लगातार दूसरे महीने तेजी से बढ़ी, लेकिन डीजल की मांग में मामूली वृद्धि हुई। उद्योग के अस्थायी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। इस साल मई में पेट्रोल की खपत 8.77 प्रतिशत बढ़कर 37.6 लाख टन हो गई, जो एक साल पहले समान महीने में 34.6 लाख टन थी। इसी तरह अप्रैल, 2025 में भी पेट्रोल की बिक्री बढ़ी थी। आंकड़ों के अनुसार, डीजल की बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 85.7 लाख टन हो गई। परिवहन और ग्रामीण कृषि अर्थव्यवस्था में डीजल का बड़ा महत्व है। इसकी मांग 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में दो प्रतिशत बढ़ी। इस साल अप्रैल में डीजल की खपत करीब चार प्रतिशत और मई दो प्रतिशत बढ़ी। उद्योग के अधिकारियों ने कहा कि पिछले कुछ महीनों में डीजल की मांग सुस्त पड़ रही है, जिससे इसके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। इस साल मई में विमान ईंधन (एटीएफ) की खपत 4.3 प्रतिशत बढ़कर 7,75,000 टन हो गई।

भारत, अमेरिका कारोबारियों को तरजीही बाजार पहुंच देने के इच्छुक; व्यापार समझौते पर वार्ता जारी: गोयल

पेरिस : वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका एक-दूसरे के कारोबार को तरजीही बाजार पहुंच देने के इच्छुक हैं और दोनों देशों के दल प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर मिलकर काम कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2025 की शरद ऋतु (सितंबर-अक्टूबर) तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत करने की योजना की फरवरी में घोषणा की थी। इसका उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान 191 अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर से दो-

गुना कर 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। गोयल ने यहां पत्रकारों से कहा, 'दोनों देश मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देश एक-दूसरे के कारोबार को तरजीही पहुंच देने के इच्छुक हैं और हम द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं।' मंत्री, व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए फ्रांस के नेताओं और व्यापार प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने के लिए आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे हैं। इस्पात एवं एल्युमीनियम पर शुल्क दोगुना करके 50 प्रतिशत करने की ट्रम्प की घोषणा के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि दोनों देश इन सभी मुद्दों को द्विपक्षीय रूप से हल करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, 'हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा.... अमेरिका और भारत दोनों के बीच अच्छे संबंध हैं। हम इन सभी मुद्दों को द्विपक्षीय रूप से सुलझाने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।'

कृषि अवसंरचना कोष के तहत पैक्स को ऋण सुविधा का विस्तार करें: अमित शाह

नयी दिल्ली : केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कृषि अवसंरचना कोष (एआईएफ) के तहत प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को ऋण सुविधा का विस्तार करने के लिए तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया, ताकि उनकी वित्तीय स्थिति में सुधार हो सके। दुनिया का सबसे बड़ा सहकारी खाद्यान्न भंडारण नेटवर्क बनाने की योजना की समीक्षा करते हुए शाह ने खाद्य भंडारण योजना में पैक्स की व्यापक भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'पैक्स को इस योजना का अभिन्न अंग बनाना आवश्यक है ताकि उनकी वित्तीय व्यवहार्यता और सामाजिक प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके।' एक सरकारी बयान के अनुसार, शाह ने खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को देशभर के गोदामों की राष्ट्रीय स्तर पर मैपिंग करने का निर्देश दिया, ताकि क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुसार योजना का कार्यान्वयन सुचारू रूप से किया जा सके। मंत्री ने एफसीआई, राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ), राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) और राज्य भंडारण निगमों को पैक्स को अधिक से अधिक गोदामों से जोड़ने के निर्देश भी दिए। बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्यों को अपने स्तर पर अधिक से अधिक पैक्स को

इस योजना में शामिल करना चाहिए और एक पूर्ण सहकारी आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के लिए राज्य स्तरीय विपणन संघों को भी इससे जोड़ा जाना चाहिए।

रुपया 16 पैसे बढ़कर 85.39 प्रति डॉलर पर

मुंबई : अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 16 पैसे की मजबूती के साथ 85.39 पर बंद हुआ। डॉलर के कमजोर होने तथा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रमुख ब्याज दर में आगे और कटौती किये जाने की उम्मीद से रुपये में यह तेजी रही। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि हालांकि, अस्थिर शेयर बाजारों, विदेशी कोषों की निकासी और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण रुपये में तेज बढ़त पर रोक लग गयी। रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) चार जून को अपनी अगली द्विमासिक नीति पर विचार-विमर्श शुरू करेगी और इसके नतीजों की घोषणा छह जून यानी शुक्रवार को करेगी।

आयात शुल्क में कटौती के बाद खाद्य तेल कीमतों 5-6 प्रतिशत की कमी आने की उम्मीद

कोलकाता : कच्चे खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में 10 प्रतिशत की कटौती करने के केंद्र सरकार के फैसले के बाद अगले दो सप्ताह में खुदरा स्तर पर भी खाद्य तेलों की कीमतों में 5-6 प्रतिशत की गिरावट आने की उम्मीद की जा रही है। अधिकारियों ने सोमवार को यह बात कही। इमामी एग्रोटेक के निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुधाकर राव देसाई ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'खाद्य तेल की कीमतें जो हाल के महीनों में लगभग 17 प्रतिशत तक बढ़ गई थीं, अब धीरे-धीरे कम होने लगी हैं। हमें उम्मीद है कि यह बहुत जल्द ही एकल अंक में आ जाएगी।' पूर्वी भारत में अग्रणी ब्रांडेड खाद्य तेल निर्माता के कार्यकारी ने कहा कि हालांकि इसका लाभ लगभग एक पखवाड़े में खुदरा कीमतों में दिखने की उम्मीद है,

लेकिन थोक बाजारों में कीमतों में नरमी के शुरुआती संकेत पहले ही दिखने लगे हैं। मूल्य सुधार केवल आयातित तेलों तक ही सीमित नहीं होगा। देसाई ने कहा, 'यहां तक कि सरसों तेल, जो आयात पर निर्भर नहीं है, खाद्य तेल बाजार में समग्र गिरावट के दबाव के कारण 3-4 प्रतिशत की कमी देख सकता है।' पर्दे के पीछे, नीतिगत बदलाव भारत के खाद्य तेल शोधन उद्योग को भी नई जान दे रहा है। कच्चे और परिष्कृत तेल शुल्क के बीच का अंतर 12.5 प्रतिशत से बढ़कर 22.5 प्रतिशत हो गया है, जिससे कंपनियों के लिए कच्चे तेल का आयात करना और उसे घरेलू स्तर पर परिष्कृत करना काफी अधिक लागत प्रभावी हो गया है। हलदर वेंचर लिमिटेड के प्रबंध निदेशक केशव कुमार हलदर ने कहा, '10 प्रतिशत शुल्क कटौती, एक बड़ा बदलाव है।'

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख से सेंसेक्स 77 अंक टूटा, निफ्टी भी नुकसान में

मुंबई : वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच स्थानीय शेयर बाजार में भी सोमवार को गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 77 अंक टूट गया। वैश्विक व्यापार को लेकर ताजा चिंता से दुनिया के अन्य बाजारों में गिरावट का रुख रहा जिसका असर घरेलू बाजार पर भी दिखा। इसके अलावा, रूस-यूक्रेन युद्ध, ब्रेंट क्रूड के दाम में तेज वृद्धि और विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स एक समय 796.75 अंक तक लुढ़क गया था। हालांकि, बाद में इसमें कुछ सुधार आया और अंत में यह 77.26 अंक के नुकसान के साथ बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 34.10 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,716.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 224.55 अंक टूट गया था। लेमन मार्केट्स डेस्क के विश्लेषक सतीश चंद्र अलूरी ने कहा, ''जून में अस्थिर शुरुआत के साथ मानक सूचकांक मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। अमेरिका के इस्पात और एल्युमीनियम पर शुल्क को दोगुना कर 50 प्रतिशत करने की घोषणा के बाद नये व्यापार तनाव के कारण बाजार में सतर्क रुख देखने को मिला और कारोबार सीमित दायरे में रहा। जनवरी-मार्च, 2025 तिमाही में आश्चर्यजनक रूप से मजबूत जीडीपी वृद्धि के बाद सकारात्मक घरेलू संकेतों के बावजूद, व्यापार और युद्ध तक की बिगड़ती स्थिति की खबरों से सुबह बाजार काफी नीचे आ गया।

वर्ष 10, पूर्णांक 3255 अंक 065, RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in